हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 29.07.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 8 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

भारत के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान तब हुआ सीजफायर, राजनाथ ने ट्रंप के दावे को किया खारिज

शेर मेढक मारे तो अच्छा संदेश नहीं : मंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई- ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरूआत हुई। सरकार की तरफ से पहले वक्ता के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सेना ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने में पूरी सफलता पाई है। उन्होंने ये भी साफ किया कि भारतीय सेना को किसी भी तरह की सैन्य क्षति नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए और कहा कि संसद को एक सुर में देश की सेना के पराक्रम को सलाम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की नीति को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, 'वर्ष 2015 में जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने लाहौर जाकर नवाज शरीफ से मुलाकात की, तो भारत ने फिर से दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। हम वाकई शांति की राह पर चलना चाहते थे क्योंकि हमारी मूल प्रकृति बुद्ध की है, न की युद्ध की।'

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऐसे थमी गोलाबारी

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद विगत 10 मई को थमी गोलाबारी के पीछे की वजह साफ करते हुए संसद के पटल पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने साफ किया, पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशक (डीजीएमओ) ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं सदन में यह बात फिर से दुहराना चाहूंगा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की अपील की। 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच औपचारिक संवाद हुआ और दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाइयों पर विराम लगाने का निर्णय लिया।

राजनाथ सिंह ने पड़ोसी देश के साथ-साथ पूरी दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया और कहा, 'लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेढक पर हमला नहीं करता, पाकिस्तान से मुकाबला कर भारत लेवल खराब नहीं करेगा।' उन्होंने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने वालों को यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है।

सामाजिक और राजनीतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत

उन्होंने विपक्षी दलों से आह्वान किया, 'आइए हम सभी दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर, 'संगच्छध्वं संवदध्वं' के मंत्र से प्रेरणा लेकर एक साथ खड़े हों। हम इस राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करें, यही हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। रक्षा मंत्री ने कहा, यह समय एकजुट होकर अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का है। हमें यह याद रखना होगा कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकियों को घर में घुस कर मारेंगे

साल 2017 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार आतंकवाद से लश्कर और जैश जैसे आतंकवादी संगठनों को जोड़ा गया... हमने दुनिया को बताया कि आतंकवाद के खिलाफ हम सरहद के इस पार भी मारेंगे और जरूरत पड़ी तो आतंकियों के घर में घुस कर मारेंगे। यह बदलाव मोदी के नेतृत्व में आया है।

ब्रिक्स सम्मेलन के इतिहास में पहली बार आतंकी घटना की खुल कर निंदा

जब हमारे प्रधानमंत्री ब्रिक्स की बैठक में ब्राजील गए तो चीन की मौजूदगी में जो ज्वाइंट डेक्लरेशन आया उसमें जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई, यानि अंततः भारत की बात मानी गई। ब्रिक्स सम्मेलन के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर में हुई किसी आतंकी घटना की खुल कर निंदा की गई। 2008 के मुंबई आतंकी हमले का जिक्र कर रक्षा मंत्री ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के दौरान विदेश मंत्री रहे प्रणब मुखर्जी की किताब का उल्लेख किया।

अगर राफेल विमान गिरे हैं तो यह बड़ी क्षति है : गौरव गोगोई

नयी दिल्ली : लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोमवार को कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा कि सरकार ने सैन्य कार्रवाई की जानकारी तो दी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले की तह तक जाने की कोशिश नहीं की गयी और न ही अब तक कोई जवाब दिया गया कि आतंकवादी घाटी में कैसे पहुंचे। गोगोई ने कहा, रक्षा मंत्री ने बहुत कुछ बताया, लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि बैसरन घाटी में छुट्टियां मना रहे नागरिकों पर हमला करने वाले आतंकवादी वहां कैसे पहुंचे। 100 दिन बीत गए, लेकिन सरकार अब तक यह नहीं बता सकी कि उन आतंकियों को किसने पनाह दी, जानकारी दी और फरार होने में मदद की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास ड्रोन, पेगासस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और सीआईएसएफ जैसी तमाम एजेंसियां और उपकरण हैं, फिर भी न तो हमले से पहले कोई सुराग मिला, न ही हमलावर पकड़े गए। गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने कहा, गृहमंत्री को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आप उपराज्यपाल के पीछे नहीं छिप सकते। गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना को हुए नुकसान पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा, अगर कुछ राफेल विमान गिरे हैं, तो यह केवल सैन्य नहीं, रणनीतिक क्षति है।

रांची में होटल ताज खुलने का रास्ता साफ, जमीन की लीज प्रक्रिया पूरी

नीतियां अच्छी हो तो रोजगार के लिए पलायन की जरूरत नहीं पड़ेगी : सीएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में एक ऐसी व्यवस्था खड़ा करना चाहते हैं, जहां सभी की भागीदारी से झारखंड को एक नई पहचान दे सकें। इसके लिए सरकार गठन के साथ ही आंतरिक संसाधनों का बेहतर से बेहतर सदुपयोग और यहां की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक-एक कड़ी को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि राज्य में विकास का नया आयाम दे सकें।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को झारखंड मंत्रालय सभागार में नगर विकास एवं आवास विभाग तथा द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के बीच ताज होटल निर्माण हेतू एमओयू को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए लंबे समय से प्रयास जारी था, जो अब साकार हो रहा है। आज का दिन काफी ऐतिहासिक और सुखद अनुभव देने वाला है। इस सुखद अनुभव में और भी इजाफा उस वक्त होगा जब ताज होटल राज्यवासियों को समर्पित किया जाएगा। लाज होटल के स्थापित होने से पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे झारखंड को वैश्विक पहचान मिलेगी।

सिर्फ खनिज नहीं, अन्य संसाधनों से भी धनी है झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को खनिज संसाधनों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन यहां खनिज के अलावे अन्य कई ससाधन हैं, जो इस राज्य को आगे ले जाने के लिए काफी है। लेकिन, शायद नीतियां ऐसी नहीं बनी जो इन संसाधनों के जरिए झारखंड में विकास को गति दे सके। इस बात का हमें शुरू से अफसोस रहा है, लेकिन अब सरकार इससे आगे बढ़कर राज्य को नई दिशा देने के लिए पूरी ताकत के साथ कार्य कर रही है और उसके उत्साहवर्धक परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार की खातिर झारखंड से बड़ी संख्या में लोगों का पलायन देश और विदेश के लिए होता है। अगर कोई बेहतर रोजगार और बेहतर जीवन के लिए बाहर जाता है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि अगर इस राज्य में रोजगार से संबंधित नीतियों को बेहतर तरीके से बनाकर अमल में लाया जाए तो यहां से युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी सरकार अपने ही राज्य में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दूसरे राज्यों और देश के बेहतर चीजों को ग्रहण करना चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अक्सर सरकारी कार्यक्रमों और निजी वजह से भी अन्य राज्यों का भ्रमण करता रहता हूं। वहां कई कार्यक्रमों और गतिविधियों में भी शामिल होता हूं। वहां काफी कुछ जानने-समझने का मौका मिलता है।

मेरा मानना है कि दूसरों की अगर अच्छी चीज हमारी व्यवस्था के लिए बेहतर होगी तो उसे जरूर ग्रहण करना चाहिए, इससे राज्य और राज्यवासियों बेहतर व्यवस्था देने और आगे ले जाने का राह प्रशस्त होगा।

एक नजर

नागपुर की दिव्या देशमुख ने जीता महिला शतरंज विश्वकप

नयी दिल्ली : नागपुर की 19 साल की दिव्या देशमुख के जार्जिया के बातूमि में चल रहे महिला शतरंज विश्वकप को अपने नाम करने पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अभूतपूर्व बताया। उन्होंने दिव्या को बधाई देते हुए इसे देश के लिए गौरवशाली क्षण बताया। गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा कि नागपुर की दिव्या देशमुख को विश्व शतरंज महासंघ (एफआईडीई) का महिला विश्वकप जीतकर इतिहास रचने के लिए बहुत-बहुत बधाई। उनकी उपलब्धि अद्भुत है। वह अपने पहले ही मैच में महिला कैंडिडेट्स टूनार्मेंट जीतने वाली पहली भारतीय बन गयी हैं, जो महाराष्ट्र के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि और भारत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने दिव्या की प्रतिभा, एकाग्रता और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि इन गुणों के बल पर दिव्या ने देश के अनगिनत महत्वाकांक्षी युवाओं को प्रेरित किया है। उनके खेल को और भी शक्ति मिले और वह भारत का नाम वैश्विक मंच पर रोशन करती रहें। देश वैश्विक शतरंज की बिसात पर उनकी इस प्रेरणादायक जीत का जश्न मना रहा है। दिव्या ने सोमवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में कोनेरू हम्पी को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

सेना का श्रीनगर में ऑपरेशन 'महादेव' लश्कर के तीन शीर्ष आतंकियों को किया ढेर

एजेंसी

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'महादेव' के तहत श्रीनगर के पास स्थित दाछीगाम फॉरेस्ट क्षेत्र में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों को इस इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी, जिसके बाद सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दाछीगाम नेशनल पार्क के ऊपरी हिस्से, जो श्रीनगर को त्राल से जोड़ता है, में रविवार देर रात तलाशी अभियान के दौरान अचानक गोलियों की आवाजें सुनाई दीं। इसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। तीनों आतंकवादियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि मारे गए आतंकी The Resistance Front से जुड़े हो सकते हैं। यह वही संगठन है, जिसने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

टीसीएस 12,000 से अधिक कर्मचारियों की करेगा छंटनी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 2026 वित्तीय वर्ष में अपने वैश्विक कार्यबल के 2 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है, जिससे लगभग 12,200 कर्मचारी प्रभावित होंगे। यह कटौती मुख्य रूप से मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर होगी। टीसीएस ने इसे "भविष्य के लिए तैयार और चुस्त संगठन" बनने की रणनीति का हिस्सा बताया है। कंपनी के सीईओ के. कृथिवासन ने इसे अपने करियर का सबसे कठिन निर्णय बताया, लेकिन भविष्य के कौशल और तकनीकी बदलावों के लिए आवश्यक कदम करार दिया। कृथिवासन ने स्पष्ट किया कि यह छंटनी एआई के कारण नहीं, बल्कि कर्मचारियों के पुनर्विन्यास और कौशल संरेखण की चुनौतियों के कारण हो रही है। टीसीएस, जिसके जून 2025 तक 6,13,069 कर्मचारी थे, ने कहा कि यह कदम ग्राहक सेवा पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। कंपनी प्रभावित कर्मचारियों को विच्छेद वेतन, बीमा विस्तार, और करियर परिवर्तन सहायता प्रदान करेगी। यह निर्णय भारतीय आईटी उद्योग में व्यापक बदलावों का संकेत देता है, जहां 283 अरब डॉलर का उद्योग आर्थिक अनिश्चितता और एआई-संचालित तकनीकी बदलावों से जूझ रहा है। ग्राहकों के गैर-आवश्यक तकनीकी परियोजनाओं में देरी और लागत में 20-30 प्रतिशत की कटौती की मांग ने कंपनियों को कार्यबल को पुनर्संतुलित करने के लिए मजबूर किया है। टीसीएस ने पहले ही 1.14 लाख कर्मचारियों को उन्नत एआई कौशल में प्रशिक्षित किया है, और इस तिमाही में कर्मचारियों ने उभरती तकनीकों में 1.5 करोड़ घंटे प्रशिक्षण लिया।

तीसरी सोमवारी पर देवघर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, बाबाधाम पहुंचे चार लाख से अधिक शिवभक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : तीसरी सोमवारी पर सोमवार को रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ बाबाधाम पहुंची। सुबह 4:06 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए बाबा मंदिर का पट खुला और जलार्पण शुरू हो गया। बोल बम की जय घोष के साथ कांवरिया कतार में निरंतर आगे बढ़ रहे थें और बाबा मंदिर पहुंचकर जलार्पण कर रहे थें। सोमवार को शीघ्रदर्शनम पर पूरी तरह रोक थी। साथ ही डाक बम को भी किसी तरह की कोई खास सुविधा नहीं मिल रही थी। सभी श्रद्धालु सामान्य कतार से ही जलार्पण कर रहे थें। देर रात तकरीबन 12 बजे तक जलार्पण चलता रहा इस कारण बैकलॉग में कमी आई। हालांकि डाक बम को हर बार की तरह इस बार भी बाबा बैद्यनाथ मंदिर में कोई विशेष सुविधा नहीं दी जा रही है फिर भी सुल्तानगंज प्रशासन ने रविवार को तकरीबन 11000 डाक कांवरियों को प्रमाण पत्र देकर बाबा धाम की ओर रवाना कर दिया। इसमें 1000 से अधिक महिला डाक बम भी शामिल थे।

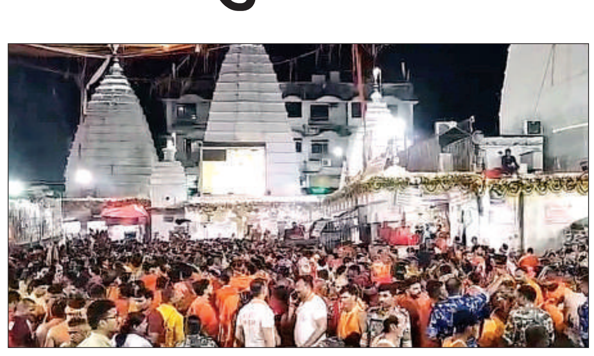

कांवरियों की कतार रात 11:15 बजे ही बेलाबगान होते हुए नंदन पहाड़ की ओर बढ़ने लगी। वहीं देर रात करीब 2 बजे के बाद कांवरिये सिंघवा और कुमैठा की ओर बढ़ने लगे। करीब 3 बजे के बाद कांवरियों की कतार कुमैठा पहुंच गयी और वहां से स्पाइरल होते हुए वापस बाबा मंदिर की ओर चलने लगे। कतार को व्यवस्थित करने के लिए भारी संख्या में रूट लाइन पर पुलिस बल की तैनाती की गयी है, जो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध करने में सहायता कर रहे हैं। देवघर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग के अलावा दो अतिरिक्त आईपीएस दीपक पांडे और मनोज स्वर्गियारी बाबा मंदिर से लेकर रूट लाइन में टेल पॉइंट तक कड़ी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भीड़ को कतारबद्ध करने और नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से माइकिंग भी करवायी जा रही है। डीसी ने रात 12:30 बजे के बाद पूरे कांवरिया रूट में घूम कर श्रद्धालुओं की भीड़ और उन्हें मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रांची पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपी का नाम नित्यानंद पाल बताया गया है। एक वरीय अधिकारी ने सोमवार को गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने नशे की हालत में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। फोन करने वाले ने संजय सेठ से कहा था कि उसने कई लोगों की हत्या की है और अब मंत्री की बारी है। इसके बाद धमकी देने वाले ने एक मैसेज भी भेजा, जिसमें लिखा था आप पर गोली चलेगी। धमकी मिलने के बाद संजय सेठ ने तत्काल रांची और दिल्ली पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही रांची पुलिस सक्रिय हो गई और डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए धमकी देने वाले आरोपी को धनबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी नशे की हालत में अक्सर किसी न किसी को फोन पर धमकी देता रहता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एक नजर

श्रमदान बना समाधान, ग्रामीणों ने खुद बनाई टूटी सड़क

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत में ग्रामीणों ने सभी मिलकर श्रमदान के द्वारा सड़क की की मरमती यह सड़क लगातार बारिश होने के कारण टूट गई थी और लोगों को आवगमण करने में बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था लोगों ने सभी मिलकर इस सड़क का श्रमदान किया और सड़क को बनवाई यह सड़क तलसवार पंचायत और सतबहिया गांव को जोड़ती है । ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क टूट जाने से हम लोगों को खेती-बाड़ी करने में बहुत सारे दिक्कत हो रही थी ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, साइकिल, दोपहिया वहन, हल बैल को ले जाने में बहुत सारे दिक्कतों का सामना कर पड़ रहा था। इस सब उपकरण नहीं जाने के कारण खेती करने में बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था सड़क बनने से लोगों में खुशी की झलक देखी गई। मौके पर उपस्थित दिलीप प्रसाद, प्रमोद कुमार, देवानंद कुमार, सुनील महतो देवानंद राणा, मनोज प्रभाकर एवं समस्त ग्रामीण उपस्थित थे।

सदबहिया बिरहोर टोला में स्वास्थ्य कैंप आयोजित 35 ग्रामीणों की हुई जांच

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत सदबहिया गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर पलांडू के तहत सी एच ओ मुकेश गोस्वामी ने स्वास्थ्य कैंप लगाया गया जिसमें 30 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों बीपी शुगर जांच किया गया और किशोर किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच करके आयरन फोलिक एसिड टैबलेट दिया गया बाकी सामान्य बीमारी जैसे सर्दी खांसी बुखार माथा दर्द कमर दर्द कमजोरी अन्य सामान्य बीमारियों का ईलाज किया गया और दवा वितरण किया सभी लोगों को बताया कि अपने आसपास पानी का जमाव नहीं होने दे क्योंकि मच्छर पनपने का ज्यादा खतरा रहता है जिससे मलेरिया डेंगू जैसी बीमारी हो सकती है और सभी लोगों को साफ सफाई रखना है और स्वस्थ रहने के बारे में जानकारी दिया गया इस कैंप में सहिया रोशनी कुमारी और ग्रामीण मौजूद थे कुल 35 लोगों ने इस स्वास्थ्य कैंप का लाभ उठाया।

चेलंगदाग में करंट लगने से शंकर गंझू की मौत, गांव में छाया मातम

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के अति सुदूरवर्ती पंचायत अंतर्गत ग्राम चेलंदाग में बिजली की करंट लगने से एक व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। मामले को लेकर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सह समाज सेवी मुनेश्वर गंझू ने बताया कि चेलंगदाग गांव के शंकर गंझू उम्र 37 वर्ष पिता रमन गंझू खेत की ओर गया था ।इस दरमियान बिजली की करंट लगने से शंकर गंझू बुरी तरह घायल हो गया। जिसे आनन - फानन में उठाकर बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित कर दिया और फिर पोस्टमार्टम के पश्चात मृतक के शरीर को परिवार जनों को सौंप दिया गया। आगे बताया गया की मृतक शंकर गंझू अपने पीछे पत्नी एवं एक 12 वर्षीय पुत्र को छोड़ चल बसे। बताते चले की बिजली की करंट से बचने की जागरूकता को लेकर अखबार में प्रमुखता के साथ छापा गया था। बिजली की करंट से मौत को लेकर मुआवजा की मांग की गई है। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से पंचायत समिति सदस्य संगीता कुमारी, प्रतिनिधि मुनेश्वर गंझू , सुखदेव गंझू , मुकेश गंझू , रिझू गंझू , सरजू गंझू , राजू गंझू सहीत गांव के समस्त लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

उपायुक्त ने की कृषि एवं पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक

योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचे : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में कृषि एवं पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा योजनाओं के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा कृषि, आत्मा, मत्स्य, पशुपालन, गव्य विकास, भूमि संरक्षण, बागवानी, सहकारिता, पैक्स/लैंप्स सहित अन्य विभागों की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि संचालित योजनाओं का लाभ लक्षित एवं पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से पहुंचे। खरीफ फसल के मद में बीज वितरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को शत-प्रतिशत बीज वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत योग्य लाभुकों का चयन कर उन्हें लाभान्वित करने तथा केसीसी योजना में प्रगति लाने हेतु सभी बैंकर्स को साप्ताहिक रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया। गव्य विकास एवं पशुपालन योजनाओं के संबंध में उपायुक्त ने कहा कि सत्यापन के उपरांत ही योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। पशुओं के टीकाकरण की जानकारी लाभुकों तक सुलभ रूप से पहुँचाने हेतु वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से संदेश प्रेषित करने का सुझाव भी दिया गया। पैक्स/लैंप्स के माध्यम से खाद-बीज वितरण की व्यवस्था को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने एवं उनकी कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। हार्टिकल्चर विभाग को फसलों एवं संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। मत्स्य विभाग द्वारा तालाबों, जलाशयों, तिलैया एवं कोनार डैम में संचालित मत्स्य पालन गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस क्रम में उपायुक्त द्वारा समयबद्ध बीज वितरण सुनिश्चित करने एवं गोष्ठियों के माध्यम से मत्स्य पालकों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं का पारदर्शी, प्रभावी एवं धरातलीय क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा लाभुकों तक यथासमय लाभ पहुँचाने हेतु विभागीय समन्वय को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। बैठक के दौरान उन्होंने कार्यों की सतत मॉनिटरिंग पर भी बल दिया। उक्त बैठक में उपायुक्त के अलावे उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चार साल से अधूरी पड़ी सड़क पथलगड़ा गांव विकास से वंचित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित दैहर पंचायत के पत्थलगडा गाँव की सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष है। जंगल के किनारे बसे इस बेहद पिछड़े गाँव तक जाने वाली सड़क गड्ढों से भरी हुई है और बारिश के मौसम में तो हालत और भी दयनीय हो जाती है। कीचड़ और जलभराव के कारण दोपहिया वाहनों के फिसलने की घटनाएँ आम हो गई हैं, जिससे ग्रामीणों को रोजाना आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि बदहाल सड़क के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है, वहीं बीमार लोगों को अस्पताल पहुँचाना भी एक चुनौती बन गया है। इस रास्ते से रोजाना सैकड़ों लोग आते-जाते हैं, लेकिन सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण को लेकर अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय निवासी बिनोद यादव, राजेंद्र यादव, प्रकाश यादव, मिश्री यादव समेत दर्जनों ग्रामीणों ने क्षेत्रीय वन विभाग, स्थानीय विधायक और सांसद से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2018-19 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चतरा जिला सीमाना ग्राम पचमों से मुड़िया होते हुए पथलगडा तक सड़क निर्माण कार्य शुरू किया गया था, लेकिन लगभग एक किलोमीटर सड़क वन भूमि पर होने के कारण निर्माण अधूरा रह गया। परिणामस्वरूप, आज भी पथलगडा गाँव बरसात के मौसम में टापू में तब्दील हो जाता है और ग्रामीण जंगली जीवन जैसे हालात में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क न केवल आवागमन का साधन है, बल्कि क्षेत्र के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से भी जुड़ी है। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो जनता का गुस्सा भड़क सकता है।

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर सहिया दीदियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत चिकित्सक प्रभारी डॉ अविनाश कुमार के अगुवाई में एमडीए/ आईडीए कार्यक्रम को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कागांव में सहिया दीदियों का प्रशिक्षण भीबीडी सुपरवाइजर तरूण कुमार के द्वारा दिया गया। जिसमें उम्र के अनुसार 2 से 5 वर्ष के बच्चों को एक गोली डीईसी एवं एक गोली एलबेंडाजोल की एकल खुराक, 6 से 14 वर्ष के लोगो को दो गोली डीईसी एवं एक गोली एलबेंडाजोल की साथ में इवरमेक्टिन की दवा लंबाई के अनुसार, 15 वर्ष से ऊपर वाले सभी लोगों को तीन गोली डीईसी एवं एक गोली एलबेंडाजोल साथ में इवरमेक्टिन की दवा लंबाई के अनुसार देनी है, जिसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, बड़कागांव प्रखंड सभागार में प्रमुख फुलवा देवी के अगुवाई में पंचायत समिति सदस्यों एवं पत्रकारों के साथ प्रशिक्षण दिया गया। प्रचार - प्रसार पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। उपस्थित पंचायत समिति सदस्यों से फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग मांगी गई। तरुण कुमार ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 10 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक चलाया जाएगा।

फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ समापन, केवला ने जीता खिताब, उपविजेता टीम रही गंगाअहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के बेला पंचायत अंतर्गत झुमरी टांड़ मैदान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार की शाम किया गया। यह टूर्नामेंट नवयुवक कमेटी के बैनर तले आयोजित किया गया था। फाइनल मुकाबले में केवला व गंगाहार के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। जिसमे केवला ने यह मुकाबला जीत लिया। विजेता व उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि आजसू नेता मोनू अख्तर ने दोनो टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। आजसू नेता मोनू अख्तर ने कहा कि फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन होने से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलता है। खेल में अनुशासन हमारे खेल को और परिपक्व करके निखरता है। जो खिलाड़ी खेल के हर नियम का पालन करता है, उसे ही सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माना जाता है। लगातार दो दिनों से चल रहे खेल में हमारे प्रखंड के खिलाड़ियों ने शानदार एवं रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट के सफल संचालन में शेर खान, गुलाब रजक, मो० तौकीर, बीरबल साहू, शादाब हैदर, अशोक सर, भीम राणा, मो० अकीफ अली समेत अन्य सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

विद्यालय भवन बनने से स्थानीय बच्चों को मिलेगा बेहतर शिक्षा : रोशन लाल चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड पोटंगा टोला पारगढ़ा में डीएमएफटी मत से उत्क्रमित मध्य विद्यालय के नए विद्यालय भवन का निर्माण होना है। जिसका विधिवत शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया गया। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने उपस्थित सभी ग्राम वासियों से कहा कि यह विद्यालय भवन यहां के बच्चों के सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमारे क्षेत्र के बच्चे पढ़ेंगे तभी हमारा समाज हमारा गांव हमारा विधानसभा क्षेत्र आगे बढ़ेगा। उपस्थित सभी ग्रामीणों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह विद्यालय भवन आप सभी लोग अपने देखरेख में बेहतर तरीके से बनवाने का काम करें क्योंकि यहां आपके हैं बच्चे पढ़ाने आएंगे। आगे उन्होंने कहा कि मैं अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं और लगातार सड़क से लेकर सदन तक अपने विधानसभा की समस्याएं उठाने का काम कर रहा हूं। इस अवसर पर जिला परिषद के जिला अभियंता आशीष कुमार आनंद, मुखिया चरका करमाली, सुनील उराँव, सिकंदर उरांव, अकाल मुंडा, आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा,भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री दिनेश करमाली, मदन करमाली, बबलू मांझी, चितरंजन दांगी लखन प्रजापति, महेंद्र गंजू, अशोक बेदिया, राजेंद्र कुमार, छोटेलाल, पवन मुंडा रविंद्र गंझू, अनिल प्रसाद, बिरजू कुमार, श्रीराम वर्मा, अकल मुंडा मौजूद रहे।

बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय में पंचायत समिति की हुई अहम बैठक, कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय सभागार भवन में सोमवार को प्रखंड पंचायत समिति की मासिक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रमुख फुलवा देवी एवं संचालन बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने किया । बैठक में पंचायती कोऑर्डिनेटर आशीष कुमार ने मार्च मासिक बैठक में पारीत हुई हुई प्रस्ताव पर विशेष रूप से चर्चा हुई। पूर्ण हुई योजना एवं अधूरे पड़े योजनाओं को लेकर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई, वहीं बड़कागांव प्रखंड में राशि खर्च करने के मामले में वर्तमान में प्रखंड तीसरे स्थान पर है आने वाले समय में प्रथम स्थान में होगा। बैठक में आवास निर्माण एवं बाल विकास परियोजना में व्याप्त भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। जिसमें संबंधित पदाधिकारी ने अपने-अपनी ओर से सफाई दी और आरोप को बेबुनियाद बताया। सेविकाओं से प्रतिमाह हजार ,डेढ़ हजार रुपया लेने की बात सामने आई थी। वही खाद आपूर्ति पदाधिकारी भास्कर राज ने सदन को ध्यान आकृष्ट कराया कहा की सरकारी राशन उठाव कर रहे ,प्रतिवर्ष 25 लाख रुपया इनकम टैक्स भरने वाले 6 लोगों की पहचान हुई है ,इनका राशन कार्ड रद्द किया जाएगा इनके अलावा 6 लाख से अधिक सालाना इनकम टैक्स भरने वाले लोगों की भी पहचान हुई है जिसमें लगभग 650 लोगों का भी राशन कार्ड रद्द किया जाएगा। राशन कार्ड केवाईसी के लिए तीन दिन पूर्व पत्र आया है। जिसमें राशन कार्ड केवाईसी 1 महीने के लिए बढ़ाई गई, 31 जुलाई अंतिम तिथि है। परंतु अब तक पोर्टल बंद आ रहा है। वहीं बैठक में बड़कागांव मध्य पंचायत के पंसस रितेश ठाकुर ने प्रखंड के सभी पंचायत भवन में कम से कम सप्ताह में एक दिन हल्का कर्मचारी को बैठने के लिए कहा गया है ताकि लोगों जमीनी संबंधित कार्य में परेशानी नहीं हो। वही कृष्णा राम ने कहा कि नियमित रूप से प्रतिमाह पंचायत समिति सदस्य की बैठक होनी चाहिए। पंचायत के कर्मी ग्रामीणों की फोन उठाया करें ताकि उन्हें परेशान होना नहीं पड़े। प्रमुख फुलवा देवी एवं उप प्रमुख वचन देव कुमार ने प्रशासन से कहा कि सभी योजनाओं की जानकारी हम लोगों को मिलनी चाहिए, जो कर्मी अनुपस्थित रहते हैं उनकी भी जानकारी मिलना चाहिए। वहीं प्रभु राम ने नयाटांड़ पंचायत सचिव पर भेदभाव करने का गंभीर आरोप लगाया है इसे हटाकर दूसरे पंचायत सचिव की मांग की है। रंजीत चौबे ने पेयजल एवं प्रधानमंत्री आवास से संबंधित गंभीर मुद्दा उठाया जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जेई को योजना निर्माण कार्य पूरा होने जांचो उपरांत ही राशि का भुगतान करें।

संक्षिप्त खबरें

वीर स्वतंत्रता सेनानी सिंधु कानू जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के विरोध में हुई बैठक

हजारीबाग : प्रधान कैफेटेरिया के सभागार में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा हजारीबाग जिला इकाई के जिला अध्यक्ष दीपक नाथ सहाय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य विषय संत कोलंबस महाविद्यालय के समीप स्थित पार्क में एकीकृत बिहार पूर्व मुख्यमंत्री एवं हजारीबाग के धरतीपुत्र कृष्ण बल्लभ सहाय की आदमकद प्रतिमा को क्षतिग्रस्त एवं पी डब्लू डी चौक स्थित झारखंड के लाल सिद्धू कान्हू के प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की गई जो आक्रोश का विषय है साथ ही साथ अत्यंत निंदा का विषय है। महासभा ने इसे बहुत गंभीरता से लेते हुए हजारीबाग जिला के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से यह मांग करती है की उच्च प्राथमिकता देते हुए अपराधियों को जल्द से जल्द पड़कर कड़ी से कड़ी सजा दे ताकि भविष्य में नगर के मुख्य चौराहे पर देश के महा मानवों का आदमकद प्रतिमा सुरक्षित रह सके एवं भविष्य में इस तरह का कुकृत्य ना कर सके। एक सप्ताह के अंदर अगर अपराधी नहीं पकड़े जाते तो महासभा के लोग समाहरणालय पर एकदिवसीय भूख हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से कार्यकारी जिला अध्यक्ष अनिल कुमार लाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवल किशोर प्रसाद जिला मंत्री डॉ प्रभात कुमार प्रधान ,जिला संगठन मंत्री शशिकांत श्रीवास्तव जिला कोषाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा जिला महामंत्री राजीव रंजन जिला कार्यालय प्रभारी ललित मोहन उत्तरी शिवपुरी आदि शामिल थे।

मुखिया उषा देवी ने बच्चों में बाँटी खेल की ऊर्जा, फुटबॉल पाकर झूम उठे बच्चे

चौपारण : प्रखंड के ताजपुर पंचायत की मुखिया उषा देवी ने सोमवार को मरहेड़ी गांव के बच्चों के बीच फुटबॉल का वितरण कर एक नई पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गांव के बच्चे खेल के माध्यम से भी आगे बढ़ सकते हैं, जरूरत है उन्हें सही दिशा और संसाधन देने की। जैसे ही बच्चों को फुटबॉल मिला, उनके चेहरे पर खुशी छलक उठी। कई बच्चे तो मैदान में जाकर खेलना शुरू कर दिए, जिससे पूरे गांव में एक सकारात्मक ऊर्जा फैल गई। स्थानीय लोगों ने भी मुखिया की इस पहल की सराहना की। मौके पर फुटबॉल लाभुक में सोनू कुमार, राजन कुमार, अमित कुमार, चन्दन कुमार, राज कुमार, उज्ज्वल कुमार, मनु कुमार, अभिषेक कुमार, पंकज कुमार, रोहित कुमार, संदीप कुमार और अखिलेश कुमार सहित दर्जनों बच्चों को इसका लाभ मिला। मुखिया ने बताया कि यह पहल खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए की गई है, ताकि गांव के बच्चे मोबाइल और अन्य व्यसनों से दूर रहकर स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाएं। ग्रामीणों ने की सराहना- गांव के बुजुर्गों और अभिभावकों ने कहा कि इस तरह की पहल से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है, और खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

विधायक ने देर रात स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण इमरजेंसी में नहीं मिले एमबीबीएस डॉक्टर

चौपारण : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने देर रात चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां मिलीं। रोस्टर के अनुसार ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति का जायजा लेने के दौरान विधायक ने पाया कि रात्रि इमरजेंसी में मात्र एक आयुष चिकित्सक ही मौजूद थे। विधायक ने कहा कि हजारीबाग जिले के सबसे बड़े प्रखंड चौपारण में रात्रि इमरजेंसी के दौरान एमबीबीएस डॉक्टर का उपलब्ध न होना चिंता का विषय है। उन्होंने राज्य सरकार से अविलंब चौपारण में एमबीबीएस डॉक्टरों की पोस्टिंग करने की मांग करने की बात कही। इधर चिकित्सा प्रभारी के मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने की शिकायतें मिल रही थीं। इस पर संज्ञान लेते हुए विधायक ने हजारीबाग के सिविल सर्जन को निर्देशित किया है कि चिकित्सा प्रभारी सहित सभी चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी अपने मुख्यालय में ही रहें। विधायक ने स्पष्ट किया कि जनता के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। विधायक ने चिकित्सकों व स्वाथ्य कर्मियों से ईमानदारी अपनी ड्यूटी करने को कहा।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चैथी में चोरी की घटना, चार गैस सिलेंडर गायब

चौपारण : उत्क्रमित मध्य विद्यालय चैथी एक बार फिर चोरी की घटना का शिकार हो गया। रविवार को स्कूल परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब विद्यालय के प्लम्बर कार्य के लिए आए कर्मी ने पाया कि स्कूल का ताला टूटा हुआ है। जानकारी के अनुसार, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कौशल्या कुमारी ने मरम्मत कार्य के लिए प्लम्बर रोहित कुमार को विद्यालय बुलाया था। जब रोहित विद्यालय पहुंचा, तो देखा कि ताला टूटा हुआ है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना प्रधानाध्यापिका को फोन के माध्यम से दी। इसके बाद प्रधानाध्यापिका ने विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार को इस घटना की जानकारी दी। कुछ ही देर में दोनों विद्यालय पहुंचे और जांच की, जिसमें पाया गया कि विद्यालय के दो ताले टूटे है, जिसमें से चार गैस सिलेंडर चोरी हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौपारण थाना को इसकी सूचना दी गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि यह विद्यालय पहले भी चोरी की घटना का शिकार हो चुका है। अगस्त 2022 में अज्ञात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर वहां से बाजा (साउंड सिस्टम) की चोरी की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा किया जाना आवश्यक है, क्योंकि बार-बार ऐसी घटनाओं से बच्चों की शिक्षा पर असर पड़ रहा है और स्कूल की संपत्ति सुरक्षित नहीं रह पा रही है।

राज्यपाल ने कुलपतियों संग उच्च शिक्षा पर की समीक्षा बैठक, सुधार और पारदर्शिता को बताया प्राथमिकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को राज भवन में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने कई अहम निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समयबद्ध परीक्षा आयोजन, परिणाम प्रकाशन एवं शैक्षणिक कैलेंडर के कठोर अनुपालन को सुनिश्चित करना होगा। परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर देना अनिवार्य होना चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय को समयबद्ध दीक्षांत समारोह आयोजित करने का निर्देश भी दिया। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में ग्रोस इंरोलमेंट रेसियो वर्तमान में राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत कम है। इसके लिए विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करने की जरूरत है। कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता होते हैं। उनके दृष्टिकोण और प्रयास राज्य की उच्च शिक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने पीएचडी शोध की गुणवत्ता, मौलिकता एवं नवाचार पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि कुछ शिक्षकों की कक्षा न लेने के संदर्भ में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, ये गंभीर विषय है। सभी शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं लें और कुलपति स्वयं भी कक्षा लेकर प्रेरणा का कार्य करें। विश्वविद्याल रैंकिंग में सुधार के लिए ठोस प्रयास करें। अब समस्या नहीं, समाधान पर चर्चा करें। झारखंड को उच्च शिक्षा में देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाएं। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को समय पर वित्तीय अंकेक्षण कर उसकी प्रति राज भवन को उपलब्ध कराएं। क्रय-विक्रय एवं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति पूर्ण जीरो टॉलरेंस अपनाने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में प्लेसमेंट सेल औपचारिकता तक सीमित रहकर प्रभावी रूप में क्रियाशील बनाया जाए। छात्रावास, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा गार्ड और एंटी-रैगिंग सेल की सक्रियता अनिवार्य हो। खराब सीसीटीवी को बदला जाए और उनके सुचारू संचालन के लिए एएमसी करें। राज्यपाल ने स्किल डेवलपमेंट, बेहतर इंटर्नशिप और उद्योगों से साझेदारी बढ़ाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली लागू कर विद्यार्थियों से नियमित प्रतिक्रिया लेने की बात भी कही। शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के रिक्त पदों की नियुक्तियों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता आधारित शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया जाना चाहिए, जो जहां के लिए नियुक्त हुए हैं, वहीं रहेंगे।

एक नजर

नगड़ी में माइंड बूस्टर अबाकस कोर्स की शुरूआत

रांची : गुरुकुल द्रोणा अकादमी की ओर से सोमवार को नगड़ी स्थित सबसिला में टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन करते हुए माइंड बूस्टर अबाकस कोर्स की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगड़ी प्रखंड के प्रखंड प्रमुख मधुआ कच्छप ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक उषा एवं रंजीत के माध्यम से बच्चों में टैलेंट को उभारने के लिए जो कार्य किए जा रहे हैं। यह काफी सराहनीय है। इससे बच्चों का बौद्धिक विकास होगा। मौके पर संस्थान की संचालिका ऊषा प्रसाद ने बताया कि माइंड बूस्टर अबाकस के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कोर्स है जिससे बच्चे के ब्रेन विकसित की जाती है। पठन पाठन के लिए बच्चों की मेमोरी पावर को बढ़ाता है। टैलेंट हंट कंपटीशन मेंटल मैथ्स, ड्राइंग और राइटिंग कंपटीशन में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही फर्स्ट सेकंड और थर्ड आई विद्यार्थी को मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कई छात्रों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुकुल द्रोणा स्कूल के शिक्षक गन मिस्टर इमरान, प्रीति, मीनू, शालिनी एवं दीक्षा का सहयोग रहा। कार्यक्रम में सैकड़ो विद्यार्थी अभिभावक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विस के मॉनसून सत्र को लेकर एक अगस्त से लगेगी निषेधाज्ञा

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर झारखंड विधानसभा (नया विधानसभा) परिसर के 750 मीटर के दायरे में (हाई कोर्ट को छोड़कर) निषेधाज्ञा एक अगस्त से सात अगस्त तक लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि विधानसभा भवन में षष्ठम झारखंड विधानसभा के तृतीय (मानसून) सत्र आहूत होगा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी और अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था के आदेश पर इस विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन, घेराव आयोजित नहीं किया जा सकेगा। इसके मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टिकोण से एसडीओ सदर शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है। इसके अनुसार उक्त क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर चलने, धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली का आयोजन करने और किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर पाबंदी होगी। निषेधाज्ञा सुबह आठ बजे से रात के 10 बजे तक के लिए तक प्रभावी रहेगा।

रिश्वत मामले में आरोपी डॉ. राणा प्रताप को कोर्ट ने किया बरी

रांची : रांची एसीबी की विशेष अदालत ने रिश्वत मामले में आरोपित डॉ. राणा प्रताप को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने सबूतों और गवाहों की समीक्षा के बाद डॉ राणा प्रताप को बरी कर दिया। यह मामला रांची सदर विजिलेंस थाना कांड संख्या 67/2016 से जुड़ा है। मामले में डॉ. राणा प्रताप पर मृत पशुपालन कर्मचारी श्यामा मुंडा के पुत्र उदय भेंगरा से अनुकंपा नियुक्ति फाइल को आगे बढ़ाने के लिए 25,000 रिश्वत मांगने का आरोप था। प्राथमिकी के मुताबिक एसीबी ने डॉ राणा प्रताप को ट्रैप के दौरान रंगे हाथ पकड़ा था। कोर्ट में बचाव पक्ष के अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह महाराणा ने यह तर्क रखते हुए बताया कि आरोपित के खिलाफ प्रमाण अपर्याप्त हैं, गवाहों के बयान भी विरोधाभासी हैं और मामले की जांच में गंभीर त्रुटियां हैं। इसलिए आरोपित को बरी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इन तथ्यों को संज्ञान में लेते हुए आरोपित डॉ. राणा प्रताप को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

झारखंड में सभी जिला अस्पतालों को मिलेंगे चार-चार नए एंबुलेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सभी जिला अस्पतालों को चार-चार एंबुलेंस उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही प्रदेश भर के गांवों से मरीजों को लाने-लेजाने के लिए पंद्रह हजार स्ट्रेचर भी मुहैया करवाए जाएंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को रांची के मानकुम में आयोजित एक समारोह में इसकी घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इससे पहले रांची के नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कायाकल्प, एनक्वास, लक्ष्य और मुस्कान जैसी राष्ट्रीय गुणवत्ता योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 744 स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया। समारोह के दौरान रांची सदर अस्पताल को कायाकल्प श्रेणी में देशभर में पहला स्थान प्राप्त होने पर पचास लाख रुपये और इको-फ्रेंडली श्रेणी में दस लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। मंत्री इरफान अंसारी ने इस मौके पर कहा कि जबतक झारखंड की स्वास्थ्य सेवा को जनता के अनुरूप नहीं बना दिया जाता, देता, तबतक चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने बताया कि राज्य में छह नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है, जिनमें से एक की स्थापना उनके गृह जिला जामताड़ा में होगा। रिम्स-2 की स्थापना और रोबोटिक इलाज की शुरूआत को उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव की दिशा में बड़ा कदम बताया। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक जिला अस्पताल को चार-चार नए एम्बुलेंस दिए जाएंगे और गांव-गांव तक मरीजों को लाने-लेजाने के लिए पंद्रह हजार स्ट्रेचर जल्द उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने जनता दरबार में सुनी 52 फरियादियों की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में मंत्री ने लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान के लिए संबद्ध अधिकारियों को तीव्र गति से आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष लगभग 52 फरियादियों ने अपनी समस्याओं को रखा। इसमें प्रमुख रूप से सड़क निर्माण, नियुक्ति, मईंयां सम्मान योजना, जमीन संबंधी, अबुआ आवास, हजारीबाग में पूर्व मुख्यमंत्री केबी सहाय की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के निर्माण शामिल है। मौके पर मंत्री ने मामलों को लेकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित संज्ञान लेकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार के बाद मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जनता दरबार में सिर्फ सुनवाई नहीं होती बल्कि कार्रवाई भी होती है। उन्होंने बताया कि पिछले जनता दरबार में एक मामला आया था जिसमें इरम परवीन नामक महिला की तीन माह की बच्ची को पति की ओर से कश्मीर ले जाने का मामला आया था। इसपर पुलिस से संज्ञान लेने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला को उसकी बच्ची को वापस दिलाया। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में कई मामले ऐसे आते हैं जिनका तत्काल निपटारा हो जाता है और कई मामले ऐसे होते जो लंबी प्रक्रिया वाले होते हैं। इसके त्वरित प्रक्रिया के लिए निर्देशित किया जाता है और उनकी निगरानी भी की जाती है। उन्होंने कहा कि कई छात्रों के मामले ऐसे आए जिसमें जेएसएससी की परीक्षाओं में अभ्यर्थी सफल हो गए, लेकिन उनके प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं किया जा सका है।

व्यापारी सामाजिक और जन मुद्दों पर भी हों जागरूक : विजयवर्गीय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कोकर व्यापार सत्र 2023 - 2025 की वार्षिक आम सभा कोकर चौक स्थित स्वयंवर वाटिका में सोमवार को संपन्न हुई। वार्षिक आम सभा में पूर्व अध्यक्ष संजीव विजयवर्गीय, रतन अग्रवाल, विकास विजयवर्गीय, पूर्व सचिव बिपिन वर्मा शामिल हुए। वार्षिक आम सभा की अध्यक्षता कोकर व्यापार संघ के अध्यक्ष जयदेव धुत ने किया। वहीं मंच संचालन वीरेंद्र प्रसाद ने किया। सभा प्रबंधन संघ के सचिव विकास वर्णवाल ने किया। आम सभा में सत्र 2023- 2025 की में संपन्न हुए कार्यक्रम विवरणी और आय- व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। सभा में विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक मुद्दों पर प्रस्ताव पारित हुए। वार्षिक आम सभा में सत्र 2025- 2027 की नयी टीम की घोषणा की गयी। नए सत्र में मुख्य संरक्षक, संजीव विजयवर्गीय, जय प्रकाश भल्ला, रतन अग्रवाल, तुषार विजयवर्गीय, विकास विजयवर्गीय, उपाध्यक्ष, वीरेंद्र प्रसाद, प्रमोद सिंघानिया, अनिल अग्रवाल, विपिन कुमार वर्मा, सह सचिव गुड्डू प्रजापति, पवन सिंह, संतोष सिंह, मीडिया प्रभारी प्रदीप रवि, सोनू मिश्रा, कोषाध्यक्ष किशन बलदवा, सह कोषाध्यक्ष राजेश खेमका, अंकेक्षक, रंजीत अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमलेश कुमार, मणि वर्णवाल, अजय अग्रवाल, सुजाता कच्छप, उमेश चंद्र अग्रवाल बनाये गए। वार्षिक आम सभा में सत्र 2025-2027 की कार्यसमिति की घोषणा की गयी। सत्र में पूर्व अध्यक्ष संजीव विजयवर्गीय ने नयी टीम को बधाई देते हुए कहा कि नई टीम, नई जोश, नई उमंग के साथ काम करेगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी सिर्फ व्यापार न करें, बल्कि सामाजिक और जन मुद्दों पर भी जागरूक हों। अच्छे लोग आगे आएंगे तो नए तरह का आईडिआ आएगा। इससे व्यापार बढ़ने के साथ समाज का भी भला होगा। वार्षिक आम सभा में उन्होंने कहा कि व्यापार संघ की छोटी सी शुरूआत आज वट वृक्ष बन गयी हैं, इसे संजो कर रखने की जरूरत है।

पूर्व नक्सली कुंदन पाहन साक्ष्य के अभाव में अदालत से बरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची सिविल कोर्ट ने सोमवार को पूर्व नक्सली कुंदन को पाहन को साक्ष्य अभाव में बरी कर दिया है। कुंदन पाहन पर पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप था। 24 अक्टूबर 2009 को यह घटना हुई थी। रांची सिविल कोर्ट ने सरेंडर के बाद जेल में बंद पूर्व नक्सली कुंदन पाहन को पुलिस की टीम पर हमला करने के मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त संजीव झा की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनाई के बाद अलातल ने कुंदन को बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 2 गवाह पेश किए गए, जबकि कुंदन पाहन की ओर से अधिवक्ता ईश्वर दयाल ने पक्ष रखा। पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक पुलिस टीम पर जानलेवा हमले की यह घटना 24 अक्टूबर 2009 की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जोन्हा फॉल के पास उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना पर मूरी ओपी और अनगड़ा थाना की पुलिस वहां पहुंची। इसी दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच फायरिंग शुरू हो गयी। पुलिस को भारी पड़ता देख लक्सली भाग गए। पुलिस ने मौके से विस्फोटक और हथियार बरामद किया था।

ईआरपीसीसी की बैठक में नक्सलवाद और संगठित अपराध से लड़ने की बनी रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड और उसके सीमावर्ती राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के डीजीपी के बीच सोमवार को पूर्वी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति (ईआरपीसीसी) की बैठक हुई। इस दौरान झारखंड और पड़ोसी राज्यों ने नक्सलवाद और संगठित अपराध से लड़ने के लिए रणनीति बनाई। इस बैठक में नक्सलवाद और संगठित अपराधों के खात्मे के लिए एक ठोस रणनीति पर चर्चा की गई और उसे अंतिम रूप दिया गया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयोजित यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई, जिसमें झारखंड के पुलिस डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित सभी संबंधित राज्यों के शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न गंभीर मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। इस बैठक में सीमावर्ती नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के खिलाफ चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से संयुक्त अभियान चलाने की रणनीति पर जोर दिया गया। विशेष रूप से, ओडिशा सीमा पर सारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों पर शिकंजा कसने के लिए संयुक्त अभियान चलाने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा ब्राउन शुगर, अफीम, डोडा, नशीली दवाएं और अवैध शराब की तस्करी की संभावना वाले चिन्हित चेकपोस्टों पर जिलों के पुलिस एसपी की ओर से समय-समय पर औचक जांच करने का सुझाव दिया गया। हाल के दिनों में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिए आपसी तालमेल और सूचना साझा करने पर जोर दिया गया। फर्जी सिम कार्ड की खरीद-बिक्री की रोकथाम के लिए भी कदम उठाने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा मानव तस्करी और चिटफंड धोखाधड़ी, बांग्लादेशी अवैध प्रवासी, नए आपराधिक कानून और प्रशिक्षण मुद्दे पर चर्चा हुई। झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सीमावर्ती क्षेत्रों में उग्रवादियों की आवाजाही और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी अपने आसपास के थाना क्षेत्रों से साझा करने और खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती राज्यों के पुलिस अधीक्षकों को निरंतर आपसी समन्वय बैठकें करनी चाहिए और अंतर्राज्यीय सीमाओं पर नक्सली गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। सटीक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पुलिस बल के आपसी समन्वय पर भी बल दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पहाड़ी मंदिर सहित रांची के सभी शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

रांची: सावन मास की तीसरी सोमवारी को लेकर पहाड़ी मंदिर सहित रांची के सभी शिवालयों और मंदिरों में सोमवार सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी है। पहाड़ी मंदिर के पास बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है, ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव से पूरा वातावरण गूंज रहा है। लोग पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों पर जलार्पण कर सुख, समृद्धि और स्वस्थ रहने की कामना कर रहे हैं। रांची के कांके , कोकर, बूटी मोड, बरियातू, हिनू, चुटिया के सुरेश्वर धाम, हरमू, किशोरगंज, लालपुर सहित अन्य शिवालयों में भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना सुबह से कर रहे हैं। आचार्य मनोज पांडेय ने बताया कि सावन माह के सोमवार को भगवान शिव की उपासना करने से सुख-समृद्धि और सौभाग्य के साथ साथ संकटों से भी मुक्ति मिलती है। सावन के सोमवारी में भगवान शिव का चंद्रशेखर स्तोत्र का पाठ करना शुभ माना गया है। इस पाठ के करने से चंद्र दोष से मुक्ति मिलती है । साथ ही चंद्र ग्रह मजबूत होता है। पहाड़ी मंदिर में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, सुखदेव नगर थाना प्रभारी लगातार सुरक्षा का जायजा लेते देखे गए। सीसीटीवी कैमरे से पूरे मंदिर की निगरानी की जा रही है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में हासिल किया द्वितीय स्थान

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया है। भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता-2025 में विद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान अर्जित कर समस्त विद्यालय परिवार को गर्व का अनुभव कराया। इस प्रतियोगिता में रांची शहर के कुल नौ प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया, जहां सरला बिरला पब्लिक स्कूल के प्रतिभागियों ने अपनी भाव-प्रवण एवं हृदयस्पर्शी प्रस्तुति से न केवल निर्णायकों का, अपितु पूरे सभागार का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रक्त शिराओं में राणा का गीत तथा सांस्कृतिक गौरव को दशार्ता ह्यजय-जय हे भगवती गीतह्न अत्यंत सुर-लय और भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। यह उपलब्धि विद्यालय के उन समर्पित विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और उनके मार्गदर्शक शिक्षक की निःस्वार्थ साधना का प्रतिफल है, जिन्होंने पूरी निष्ठा से टीम को अभ्यास कराया और मंच पर प्रस्तुत होने हेतु आत्मविश्वास से पूर्ण रूप में तैयार किया। यह सफलता न केवल विद्यार्थियों की संगीतात्मक प्रतिभा को उजागर करती है, अपितु विद्यालय द्वारा सृजनात्मकता, सामूहिकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों की भी परिचायक है। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने विजयी टीम को हार्दिक बधाई दी तथा संगीत को शिक्षा का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास के साथ-साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

सेल-सीईटी ने 44वां स्थापना दिवस सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों और नवाचार के साथ मनाया

रांची : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईटी) ने कल देर शाम कई जीवंत समारोहों और सामुदायिक-केंद्रित पहलों के साथ अपना 44वां स्थापना दिवस मनाया। इस उत्सव का समापन कल देर शाम रांची स्थित सेल के इस्पात भवन सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में सेल की कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले कई समृद्ध प्रदर्शन हुए। संजय वर्मा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (मेकॉन), बी.के.तिवारी सेल के प्रभारी निदेशक (बीएसएल), एम.आर.गुप्ता निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएँ एवं कच्चा माल) और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों सहित विशिष्ट अतिथियों ने इस अवसर पर उपस्थित होकर सीईटी के योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम से पहले इन-हाउस एसेट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का उद्घाटन, बैकअप परामर्श सेवाओं और प्राइमा-वेंडर पंजीकरण सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा, नए कॉन्फ्रेंस हॉल 'सरस्वती' का उद्घाटन निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएँ एवं कच्चा माल) द्वारा किया गया। सांस्कृतिक समारोहों के अलावा, सामुदायिक जुड़ाव की भावना से, सीईटी ने सीईटी परिवार के बच्चों और महिलाओं के कलात्मक कौशल और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागरूकता पर केंद्रित दो सप्ताह तक चलने वाली गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। मुख्य आकर्षणों में 13 जुलाई 2025 को बच्चों के लिए एक उत्साहपूर्ण चित्रकला प्रतियोगिता और सीईटी परिवार की महिलाओं के लिए अल्पना चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शामिल था, जिसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर का चतुर्थ इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न

रांची: लायंस क्लब ऑफ रांची एकलव्य ग्रेटर का चतुर्थ इंस्टॉलेशन समारोह लालपुर स्थित होटल रेनडियू मे संपन्न हुआ।इस अवसर पर नए सत्र 2025 - 2026 के लिए अध्यक्ष लायन श्रवण बर्नवाल, सचिव लायन अमित साहू एवं कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल चुने गए। इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजीएफ लायन संजय कुमार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में इंस्टॉलेशन पदाधिकारी पुर्व जिलापाल पीएमजेएफ लायन राहुल वर्मा, इंडक्शन पदाधिकारी एमजेएफ लायन भी.के.गाडयान जी, प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन शुभ्रा मजूमदार, जीएमटी कोऑर्डिनेटर पीएमजेएफ लायन सुजीत कुमार, रीजन चेयर पर्सन पीएमजीएफ लायन गणेश प्रसाद सिंह, आईपीपी पूर्व अध्यक्ष लाइन सुबोध चौधरी,पूर्व जियापाल लायन सिद्धार्थ मजूमदार,लायन राजीवा सिंह, जीएसटी कॉर्डिनेटर लायन राजेश कसेरा, हरिकनक ग्रेटर क्लब के अध्यक्ष लायन अमित कुमार मिश्रा,पी.आर.ओ. शिव किशोर शर्मा आदि मौजूद थे। मौके पर मुख्यअतिथि लायन संजय कुमार ने कहा लायंस क्लब एक सामाजिक एवं बड़ी संस्था है सभी लायन सदस्यों को दया की भावना के साथ ही मानव की सेवा करनी चाहिए,वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रवण वर्णवाल ने 51 नए लायन सदस्यों के साथ शपथ ग्रहण करते हुए कहा सेवा ही समर्पण मेरी पहचान है। कार्यक्रम के आयोजक लायन सुजीत कुमार,संचालक लायन गणेश प्रसाद सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन लायन अमित साहू ने किया।

बोकारो में तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव आविर्भाव का भव्य शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों में भारतीय परंपराओं की भावना को जागृत करने, सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने तथा संगीत प्रतिभा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान को प्रोत्साहित करने के लिए आज सोमवार से तीन दिवसीय अंतर-सदन सांस्कृतिक उत्सव आविर्भाव का भव्य शुभारंभ किया गया। आज कार्यक्रम के पहले दिन वाद्ययंत्रों का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहाँ अंतर-हाउस ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता के प्रतिभागियों ने इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन संगीत की धुनों पर पियानो, गिटार, वायलिन, ड्रम, ट्रिपल, नाल, बाँसुरी, तबला, हारमोनियम सहित

अन्य वाद्ययंत्रों पर अपने कौशल दिखलाए। इस अवसर पर श्री शंभु कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर सतलज सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने स्पेनिश थीम पर प्रस्तुति दी, जबकि गंगा सदन ने चाइनीज थीम पर प्रस्तुति देकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। चेनाब सदन ने जापानीज थीम पर प्रस्तुति देकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विदित हो कि श्री सिंह 2016 बैच के आई. पी. एस. पुलिस पदाधिकारी हैं। वर्तमान में ये समादेश्टा झारखंड सशस्त्र पुलिस-4 बोकारो के पद पर कार्यरत हैं। इसके पूर्व गुमला जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य कर चुके हैं। झारखंड राज्य में विधि-व्यवस्था को बनाए रखने में इनका काफी महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कलाकारों की प्रतिभा तथा समन्वय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मनमोहक प्रदर्शन से वे बेहद प्रभावित हैं, बच्चों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से समर्पित होकर प्रदर्शन किया। बाल कलाकारों द्वारा वाद्ययंत्रों की बारीकियों को मनमोहक प्रस्तुतियों में ढालने से मंच जीवंत हो उठा। रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी पर गहरी छाप छोड़ी। चमचमाती वेशभूषा और प्रतिभाशाली कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने उत्सवी माहौल बना दिया। उन्होंने छात्रों को अपनी अंतर्निहित प्रतिभा को तलाशने और उसे निखारने के लिए उपयुक्त परिवेश उपलब्ध कराने के लिए डीपीएस चास परिवार को धन्यवाद दिया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके पधारो म्हारे देश स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के निर्णायक मंडली में डॉ. राकेश रंजन, धनंजय चक्रवर्ती तथा जगदीश बावला थे। इस अवसर पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने अपने संदेश में कहा कि संगीत दिव्य है।

स्वस्थ्य शिशु ही भारत का श्रेष्ठ नागरिक : डॉ अनुपमा वर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा चंदनक्यारी प्रखंड के चंद्रा स्थित चेतना महिला स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया ।रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोतर अवधि के दौरान मां को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। डिंपल ने कहा की स्वस्थ्य है मां ही स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दे सकती है ।डॉ अनुपमा वर्मा ने कहा की मातृ स्वास्थ्य में सुधार एक सतत प्रक्रिया है। डॉ वर्मा ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य में सुधार करके ही मातृ मृत्यु दर और गंभीर बीमारियों को कम किया जा सकता है ।डॉ परिंदा ने कार्यक्रम में अच्छे पोषण के महत्व को समझाया। इस अवसर पर डॉ सुमन ने कहा की स्वस्थ्य परिवार के लिए मां का स्वस्थ्य होना बेहद जरूरी है। चेतना महिला स्वास्थ्य केंद्र की संचालक लिंडसे बार्न ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मृत्यु दर को कम करने हेतु हमें ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक प्रयास करने होंगे। श्रीमती लिंडसे ने कहा की दूसरी बेटी के जन्म होने पर चेतना महिला स्वास्थ्य केंद्र मां के साथ खुशियां बांटेगा। लिंडसे बार्न ने रोटरी द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की प्रशंसा की।

सामाजिक संस्था लोक समपर्ण की ओर से तृतीय सोमवारी को महाभोग का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : समाज कल्याण को समर्पित शहर की सामाजिक संस्था लोग समर्पण की ओर से पवित्र सावन माह के तृतीय सोमवारी को महाभोग का आयोजन किया गया। भालूबासा मेन रोड स्थित काली मंदिर प्रांगण में दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक चले महाभोग कार्यक्रम में हजारों स्थानीय निवासियों के संग शहर के राजनीतिक, सामाजिक एवं कॉरपोरेट जगत से जुड़े कई गणमान्यजनों ने भाग लिया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष ललित दास की अगुवाई में संस्था के सदस्यों ने आगन्तुक अतिथियों का अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। वहीं, आयोजन स्थल पर

विशालकाय बाबा बफार्नी के दर्शन कर स्थानीय निवासी उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर संस्था लोक समर्पण के अध्यक्ष ललित दास ने कहा कि बाबा भोलेनाथ के सबसे प्रिय सावन माह के तृतीय सोमवारी पर बाबा भोलेनाथ को विधिवत भोग लगाने के पश्चात महाभोग का आयोजन प्रत्येक वर्ष होता है। जिसमें शहर के गणमान्य अतिथियों के संग स्थानीय निवासी पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव से भोग ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि महाभोग में सामाजिक समरसता की झलक देखने को मिली। वहीं, अध्यक्ष ललित दास ने आयोजन में शामिल हुए सभी अतिथियों के प्रति पूरे लोक समर्पण परिवार की ओर से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

सावन के तीसरे सोमवार को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : सावन की तीसरे सोमवार को प्रखंड के अलग अलग मंदिरों में शिव के भक्तों ने की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। दूध, बेल-पत्र व जलाभिषेक करते हुए महिलाओं ने बड़ी संख्या में भगवान शिव की अराधना की। चंदवारा में स्थित दोमुहानी बैकुंठ धाम दुर्गिनिया मंदिर में सुबह से ही लोगों की कतारें लगना शुरू हो गई। वहीं अन्य प्रमुख मंदिरों में सुबह से महिलाओं, युवाओं व वृद्धों ने महादेव को जलाभिषेक किया सहित कई छोटे-बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा सावन की रिमझिम बारिश के बीच कई श्रद्धालु नंगे पैर मंदिरों तक पहुंचे व भगवान की अराधना की।

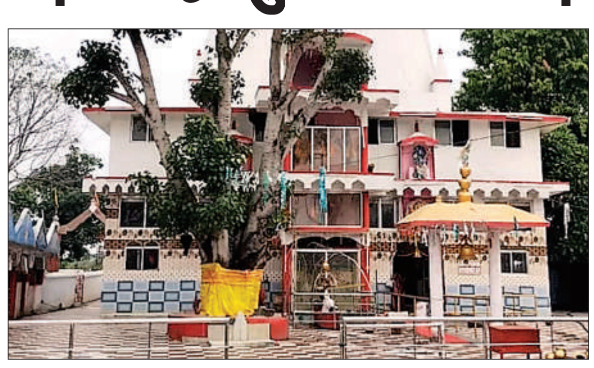

इस मौके पर सभी मंदिरों को खूबसूरत लरियों से सजाया गया। महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग अलग कतारों की सुविधा भी थी। बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों ने अपने परिजनों के उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं युवतियों ने भी अच्छे जीवनसाथी की कामना करते हुए शिव की अराधना की। साथ ही चौथे व अंतिम सोमवार की तैयारियां भी अभी से शुरू हो गई हैं।

शिवालयों में जलाभिषेक के लिए उमड़े शिवभक्त-

चंदवारा प्रखंड में बम भोले के भक्तों ने सावन मास के तीसरे सोमवार को शिवालयों में पूजा अर्चना की। हर हर महादेव व बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।

कांवर पदयात्रा सफल यात्रा लेकर सम्मान समारोह रखा गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कांवर पदयात्रा सफल यात्रा लेकर सम्मान समारोह रखा गया दो मुहानी धाम मंदिर के परिसर में यह बैठक के मुख्य अतिथि मंदिर के भगत बाबा सुंदेश्वर पुजारी जी थे और बैठक की अध्यक्षता चंदवारा प्रखंड के प्रमुख मंजू देवी के अगुवाई में हुई और बैठक की शुरूआत मंत्रो उच्चारण के साथ हुई मंत्र का उच्चारण करते हुए विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति झारखंड प्रांत के सह प्रमुख योगाचार्य सुषमा सुमन ने की, बैठक के संचालन पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव और योगाचार्य प्रदीप कुमार सुमन संयुक्त रूप से किये, पुजारी भगत बाबा को अंग वस्त्र और एक लाठी देकर सभी बहनों लोग ने सम्मानित किये, पुजारी बाबा ने सबको संबोधित करते हुए बोले धर्म से ही राष्ट्र की पहचान है और राष्ट्र तभी बचेगा जब आपकी धर्म मजबूत रहेगा यह जो कार्यक्रम शुरूआत हुई है धर्म को मजबूत इससे मिलेगा और आने

वाले पीढ़ी धर्म से जुड़े रहेगा इसलिए सभी कार्यकर्ता को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं और खासकर प्रदीप कुमार सुमन जी को विशेष आशीर्वाद देता हूं जो यह कार्य कांवर पदयात्रा का सूत्रधार रहे, चंदवारा प्रखंड के प्रमुख मंजू देवी संबोधित करते हुए बोली कांवर पदयात्रा जो शुरूआत हुई यह प्रत्येक वर्ष होगा और जो इसमें मूल सुविधा की जरूरत होगी पूरा सहयोग किया जाएगा और धर्म और सनातन के लिए यह कार्य बहुत सराहनीय कार्य रहा, पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव ने भी कार्य को सराहना किये और बोले इस बार प्रथम शुरूआती थी अगले वर्ष से और प्रचार प्रसार पर मजबूती किया जाएगा।

परियोजना बालिका विद्यालय में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत साइबर क्राइम पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : परियोजना बालिका विद्यालय, कोडरमा में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को साइबर क्राइम से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य बालिकाओं को डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन व्यवहार, और साइबर अपराधों से आत्मरक्षा हेतु जागरूक करना था। इस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन साइबर सेल, एसपी ऑफिस कोडरमा के सहयोग से किया गया। कार्यशाला में अक्षय कुमार, एसआई अभिमन्यु पडिहारी, एसआई हेमा कुमारी, तथा अर्चना ज्वाला ने भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विशेषज्ञों ने छात्राओं को

साइबर बुलिंग, फिशिंग, सोशल मीडिया फ्रॉड, और निजी डेटा की सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, ऑनलाइन खतरों से निपटने और कानूनी सहायता प्राप्त करने के उपाय भी बताए गए। विद्यालय की सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सवाल-जवाब सत्र में अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन ने पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बालिकाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एक नजर

महुआ टांड़ कर्मा धाम जाने वाली सड़क की हालत बदहाल, ग्रामीणों ने मरम्मत की मांग की

मरकच्चो : प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो के दक्षिणी पंचायत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो भगवान साव के घर से रकताही आहर होते हुए महुआ टांड़ मेहतरिया अहरी कर्मा धाम जाने वाली सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ के कारण पैदल चलना तो दूर दोपहिया व चार पहिया वाहनों का चलना भी दूभर हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी ब्यावर हो गई है। कीचड़ से लथपथ सड़क पर बाइक सवार अक्सर फिसल कर गिर रहे हैं ।वहीं स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भी आवाजाही में भारी दिक्कत हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से होकर प्रतिदिन सैकड़ो लोग मरकच्चो बाजार, अस्पताल और धार्मिक स्थल जैसे कमार्धाम तक आते जाते हैं परंतु वर्षों से इस मार्ग की मरम्मत नहीं करवाई गई है। उक्त समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों व प्रखण्ड प्रशासन से शिकायत की गयी। शिकायत के बावजूद अब तक कोई पहल नहीं हुई है। मामले को लेकर जे एम एम दिवाकर तिवारी, समाजसेवी रविशंकर तिवारी मंटू ,झामुमो जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद खलील, झामुमो अल्पसंख्यक जिला सचिव अफजल मियां, मोहम्मद अमानत, मोहम्मद सोहराब, मथुरा बिरहोर ,राजकुमार घटवार, भगवान साव, मोहम्मद फैयाज, वासुदेव नायक, ने जिला प्रशासन व प्रखंड प्रशासन से शीघ्र उक्त मार्ग की मरम्मत करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

जेनरल अस्पताल में किम्स के नेतृत्व में ठेका मजदूरों का विराट प्रदर्शन

सेल/बोकारो : इस्पात संयंत्र के ठेका मजदूरों ने सोमवार को अपने परिवार सहित इलाज की बेहतर व्यवस्था की मांग को लेकर बोकारो जेनरल अस्पताल में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय पर विराट प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ के नेतृत्व में हुआ। मजदूरों का कहना था कि वे महारत्न कंपनी के लिए अपनी मेहनत, स्वास्थ्य व परिवार की चिंता छोड़कर काम कर रहे हैं, फिर भी प्रबंधन से उन्हें उपेक्षा और घृणा ही मिली है। लगभग एक वर्ष से कई कुशल कामगार एरव्छ की सीमा से बाहर हो चुके हैं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। एरव्छ की वर्तमान सीमा 21,000 रुपए मासिक वेतन है, इससे अधिक कमाने वाले कर्मचारी इस योजना के दायरे में नहीं आते। मजदूरों ने बताया कि प्रबंधन सिर्फ गेट पास बनवाने या नवीकरण के समय मेडिकल चेकअप के बहाने मजदूरों को परेशान करता है, लेकिन जब मजदूर या उसके परिवार को इलाज की जरूरत होती है तो अस्पताल या प्रबंधन जिम्मेदारी से बच जाते हैं। मजदूरों ने बोकारो प्रबंधन पर 'दोहरी नीति' अपनाने का आरोप लगाया। यूनियन और मजदूरों की ओर से शशिभूषण, राजेश महतो, जुम्मन खान, बासुदेव कुम्भकार, आनंद कुमार, नागेंद्र कुमार, दीपक कुमार, सिराज अहमद, हरेराम, प्रमोद कुमार, अभय शर्मा और अखिलेश सिंह मुख्य रूप से प्रदर्शन में शामिल रहे। मजदूरों ने चेतावनी दी कि जब तक ESIC के नाम पर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना बंद कर परिवार सहित इलाज की व्यवस्था नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

जमशेदपुर में नारी शक्ति संघ का भव्य सावन मिलन उत्सव

जमशेदपुर : रविवार को होटल मिस्टी इन में नारी शक्ति संघ द्वारा भव्य सावन मिलन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मौसमी सिन्हा ने किया, जिसमें कुल 70 महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस दौरान महिला शक्ति संघ के सभी सदस्यों ने उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। सजावट से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक पूरे कार्यक्रम में सावन की उमंग और महिला सशक्तिकरण की झलक दिखाई दी। म्यूजिक, डांस, गिटार पर प्रस्तुति और रैंप वॉक ने माहौल को रोमांचक बनाया। कार्यक्रम में लॉटरी के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं की घोषणा की गई। सावन क्वीन का खिताब कविता घोष, बेस्ट रैंप वॉक का सम्मान मौसमी सिन्हा एवं बेस्ट गेटअप का खिताब प्रीति पंडित के नाम रहा। इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा साहू ने सभी महिलाओं को सावन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन आयोजनों से समाज में महिला सशक्तिकरण और संस्कृति के प्रति जुड़ाव मजबूत होता है। कार्यक्रम में शंपा, नंदिनी, भानु, ललिता, तृप्ति, रुमकी, बबली, रेणुका, लाखी, सुतपा, अपर्णा, भानु रामजी, रिंकू, शिल्पी, सुजाता, रीमा, शिखा, सुष्मिता, रंजना, लता, पुष्पा, दिशानी, अहोना एवं अनुष्का का सराहनीय योगदान रहा।

भाकपा माले ने मनाया चारु मजूमदार का शहादत दिवस फासीवादी ताकतों के खिलाफ संघर्ष का लिया संकल्प

जयनगर (कोडरमा) : भाकपा माले प्रखंड कमेटी ने पिपचो में प्रखंड सचिव अशोक यादव के अध्यक्षता में शहीद महान क्रांतिकारी चारु मजूमदार के 53 वें शहादत दिवस दो मिनट मौन रख कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया चारु मजूमदार के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं वक्ताओं ने कहा 1960 के दशक में भारत में जमींदारी व्यवस्था और सामंती शोषण के खिलाफ गरीब किसानों को संगठित कर वर्ग संघर्ष की क्रांतिकारी चिंगारी जलाने में अपना जीवन शोषितों वंचितों की मुक्ति के लिए समर्पित किया 1972 में कोलकाता में गिरफ्तारी के बाद राज्य सत्ता प्रायोजित द्वारा पुलिस विरासत में उनकी हत्या कर दी गई आज जब फासीवादी ताकते संविधान लोकतंत्र और मेहनतकशों के अधिकार पर हमला कर रही है तो इस दौर में देश में गरीबों को वोट से वंचित करने की साजिश जारी है इस दौर में चारु मजूमदार के विरासत हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देती है उन्होंने जनता का हित पार्टी का हित बताया उनकी विरासत को बढ़ाते हुए जनता के अधिकारों के लिए जनता की आवाज बुलंद करने की हम सभी शपथ लेते हैं कामरेड चारु मजूमदार अमर रहे उन्हें लाल सलाम तमाम शहीदों को लाल सलाम मौके पर माले नेता मोहम्मद इब्राहिम जिला कमेटी सदस्य मुंना यादव, असगर अंसारी जागेश्वर साव, चांद अख्तर कौलेश्वर राणा दुलारचंद दास शामिल थे।

बाबू के.बी. सहाय की क्षतिग्रस्त प्रतिमा पर कांग्रेस नेता मनोज सहाय ने मंत्री दीपिका पांडेय को सौंपा ज्ञापन

कोडरमा : संयुक्त बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू कृष्ण बल्लभ सहाय के पौत्र सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज सहाय पिंकू ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के जनता दरबार में उपस्थित होकर हजारीबाग संत कोलंबस कॉलेज के सामने स्थित कृष्ण वल्लभ पार्क में स्थापित एकीकृत बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू कृष्ण बल्लभ सहाय के आदमकद प्रतिमा को असमाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के विरुद्ध कार्रवाई हेतु आवेदन पत्र सौंपा। ज्ञात हो कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा विगत 24 मई की रात हजारीबाग के संत कोलंबस कॉलेज के सामने स्थित के बी पार्क में स्थापित बाबू कृष्ण वल्लभ सहाय जी के आदमकद प्रतिमा सहित वीर सिद्धू कान्हू के प्रतिमा को भी क्षत्रिग्रस्त किया गया था। हजारीबाग जिला कांग्रेस के अध्यक्ष ,पदाधिकारी सहित आमजनों ने रोष प्रकट करते हुए उपायुक्त हजारीबाग को ऐसे जघन्य कृत्य करने वालों की गिरफ्तारी तथा के.बी सहाय एवं वीर सिद्धू कान्हू की नई प्रतिमा स्थापित करने, सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं प्रतिमा की फैंसींग सहित उचित लाइट से सुरक्षा प्रदान करने का मांग किया था। 5 दिन बीतने के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा ना ही आसामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी हुई ना ही नए प्रतिमा को स्थापित करने एवं सुरक्षा के दृष्टि से किसी प्रकार का पहल किया गया है जो काफी निंदनीय है। सहाय ने माननीय मंत्री से मांग किया कि उपायुक्त हजारीबाग एवं आरक्षी अधिक्षक हजारीबाग को उक्त आशय हेतु आदेश पारित करने की कृपा की जाए। माननीय मंत्री महोदया ने तत्काल हजारीबाग आरक्षी अधीक्षक एवं उपयुक्त हजारीबाग से दूरभाष पर बात कर असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने एवं जिले में स्थापित सभी महापुरुषों के प्रतिमा को भविष्य में समुचित सुरक्षा प्रदान करने को कहा। जबकि माननीय मंत्री महोदया ने स्व के.बी सहाय के पारिवारिक सदस्यों को विश्वास दिलाया कि बाबू कृष्ण बल्लभ सहाय कांग्रेस पार्टी ही नहीं देश के धरोहर हैं उनके स्मृति के साथ छेड़छाड़ कतई बर्दाश्त नहीं करूंगी।

डीवाई पाटील इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्सदन नृत्य प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बोकारो : डीवाई पाटील इंटरनेशनल स्कूल, बोकारो में चारों सदनों एमरेल्ड, सफायर, तोपाज और रूबी के बीच अंतर्सदन नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय पौराणिक कथाओं से संबंधित रहा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी कला, आत्मविश्वास एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करना एवं विद्यार्थियों के अंदर अपने देश की सभ्यता व संस्कृति के प्रति सम्मान व ज्ञान वर्धन करना है। प्रतियोगिता में एमरेल्ड सदन ने राम स्तुति, सफायर सदन ने दुर्गा स्तुति, तोपाज सदन ने शिव तांडव व रूबी सदन ने भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न लीलाओं पर आधारित आकर्षक और सजीव प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक शास्त्रीय नृत्य में आधुनिक नृत्य शैली के मिश्रण की मनमोहक झलकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की सजगता, मंच पर प्रस्तुति तथा समन्वय दर्शनीय था। विद्यालय की प्राचार्य महोदया श्रीमती श्रीला लाल, उपप्राचार्य महोदय मनोज कुमार व सी .के. सिंह कार्यक्रम की निर्णायक मंडली के रूप में उपस्थित थे। जिन्होंने निष्पक्ष रूप से परिणाम घोषित किए। जिसमें सफायर सदन प्रथम, तोपाज और एमरेल्ड सदन दूसरे, और रूबी सदन तीसरे स्थान पर रहे ।

एक नजर

चोरी के आरोप में एक गिरफतार, भेजा सलाखों के पिछे

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के नीमडीह थाना कांड संख्या-32/2025, दिनांक 08.07.2025, धारा 303(2)/334(1) बीएन एस -2023. के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी ने बताया कि उक्त कांड वादी राकेश सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर वादी के चांडिल स्टेशन रोड़ स्थित राशन दुकान का दिनांक 3 जुलाई 2025 की मध्य रात्रि में करकट हटाकर एक बंडल सिगरेट एवं काउंटर से चार हजार रुपये चोरी कर लेने के आरोप में प्रतिवेदित हुवा था। कांड के अनुसंधान के क्रम में अभियुक्त पेलु सरदार उर्फ समर सिंह, उम्र 18 वर्ष जो ऊपर पितकी, थाना नीमडीह के निवासी हैं, उसे गिरफ्तार किया गया हैं, तथा उसकी निशानदेही पर चोरी किये गए 10 पैकेट सिगरेट बरामद कर विधिवत जप्त किया गया है।

सुल्तानगंज से सूर्यधाम तक भक्तिभाव से गूंजा 'हर हर महादेव', रघुवर दास ने निभाई आस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : सूर्य मंदिर समिति सिदगोड़ा द्वारा पवित्र श्रावण माह के तृतीय सोमवारी पर जलाभिषेक यात्रा पूरे धूमधाम, भक्तिभाव एवं भव्यता के साथ सम्पन्न हुई। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने बारीडीह हरि मंदिर मैदान से सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा के पवित्र गंगाजल को लेकर भक्तिमय संगीत, मनोरम झांकी, घोड़े, बैंड-बाजा और पुष्पवर्षा के बीच पैदल यात्रा कर सूर्यधाम शिवालय में जलाभिषेक कर आशीष प्राप्त किया। इस दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास पैदल नंगे पाव यात्रा कर सूर्यधाम शिवालय में बाबा भोलेनाथ को जलार्पण किया। इस दौरान उन्होंने जमशेदपुर समेत सम्पूर्ण झारखंडवासियों के सुख-समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। इससे पहले, बारीडीह हरि मंदिर मैदान में 11 सदस्यीय पंडितों के समूह द्वारा पवित्र गंगाजल के जलाभिषेक का संकल्प कराया गया। यात्रा में शामिल महिलाओं ने गेरुवा वस्त्र तो पुरुषों ने गेरुवा गमछा के साथ हाथों में केसरिया ध्वज लेकर यात्रा की शोभा बढ़ायी। प्रातः काल से ही बारीडीह हरि मंदिर मैदान में हर हर महादेव, बोल बम के जयघोष सुनाई देने लगे थे। हजारों की संख्या में कतारबद्ध महिलाएं, बुर्जुग, बच्चे बाबा भोलेनाथ के शीघ्र दर्शन को उत्साहित थे। भारी भीड़ को देखते हुए सूर्य मंदिर समिति द्वारा पूरे यात्रा को बैरिकेडिंग कर व्यवस्थित रूप दिया गया था। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो इसके लिए मंदिर परिसर के अंदर और बाहर में बड़े पंखे और पूरे रास्ते में जगह-जगह शीतल पेय की व्यवस्था की गई थी। जलाभिषेक यात्रा के दौरान कई स्थानों पर की गई सुंदर पुष्पवर्षा श्रद्धालुओं को उत्साहित कर रही थी। प्रातः 8:30 बजे से दोपहर तक श्रद्धालुओं ने बाबा बैधनाथ धाम की तर्ज पर बने अरघा के माध्यम से भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक यात्रा में श्रद्धालुओं के व्यवस्थित जलार्पण एवं सहयोग हेतु 200 सूर्यधाम सेवक के संग प्रशासन की ओर से पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं, यात्रा में एम्बुलेंस के साथ कई जगहों पर मेडिकल सहायता कैम्प लगाए गए थे। भव्य जलाभिषेक यात्रा में शामिल रहे पूर्व मुख्यमंत्री सह मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास ने सभी को पवित्र श्रावण माह के तृतीय सोमवारी पर शुभकामनाएं व्यक्त की। उन्होंने लौहनगरी की जनता के साथ देवी स्वरूपा नारी शक्ति के प्रति विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि सूर्यधाम के जलाभिषेक यात्रा में आध्यात्म, भक्ति और एकता का विहंगम दृश्य देखने मिला जो अकल्पनीय है।

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात में मृत महिला के परिजनों को आजसू नेताओं ने दी राहत, राशन सामग्री कराई उपलब्ध

अनगड़ा : अनगडा प्रखंड अंतर्गत हेसल मंझिला टोली में विगत दिनों खेत में रोपा रोपने के क्रम में वज्रपात से धर्मनाथ महतो की पत्नी सीता देवी की अकाल मृत्यु हो गई थी। दस कर्म हेतु आजसू पार्टी के जिला सह सचिव सह समाजसेवी अजीत महतो और अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो ने मृतक के परिवार को सूखा राशन सामग्री देकर सहयोग किया। और मृतक के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना किए। मौके पर प्रेमनाथ महतो, सहज नाथ महतो एवं अन्य उपस्थित रहे।

भाकपा ने मनाया कॉमरेड चारु मजूमदार का 53वां शहादत दिवस

सरिया : सोमवार को सरिया स्थित भाकपा पार्टी कार्यालय में पार्टी के संस्थापक और प्रथम महासचिव कॉमरेड चारु मजूमदार का 53वां शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के दूसरे महासचिव कॉमरेड जौहर और पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्रा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दो मिनट के मौन और कॉमरेड चारु मजूमदार के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुई। राज्य कमिटी सदस्य कॉ. भोला मंडल ने 70 के दशक की राजनीतिक परिस्थितियों, CPI और CPM के विभाजन से लेकर भाकपा के गठन के राजनीतिक कारणों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। प्रखंड सचिव कॉ. लालमणि ने चारु मजूमदार के जीवन, उनके विचारों और किसान-मजदूर आंदोलन पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चारु मजूमदार का जन्म बनारस के एक शिक्षित परिवार में हुआ था और बाद में उनका परिवार सिलीगुड़ी में बस गया। गिरीडीह जिले में कॉ. महेंद्र सिंह पर उनके विचारों के प्रभाव और किसान-मजदूर संघर्षों को मिली प्रेरणा का भी उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में पार्टी की केंद्रीय कमिटी द्वारा जारी संकल्प पत्र पढ़ा गया और देश में संभावित SIR के खतरे के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया गया।

जनता की ताकत से बदलाव का माध्यम बनेगा : सुदेश महतो

ईचागढ़ : ईचागढ के सीमावर्ती क्षेत्र पुरुलिया के बाघमुंडीह में आजसू पार्टी की चुनावी तैयारी को लेकर रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। आजसू पार्टी की एक अहम रणनीतिक बैठक मे पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठनात्मक मजबूती को लेकर आयोजित इस बैठक में सैकड़ों कार्यकताओं की भागीदारी रही। बैठक में केंद्रीय सचिव अशोक साव, सुनील सिंह, राजू अंसारी, मोहन लाल कोइरी, आजसू छात्र संघ के कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, कुकडू प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो सहित कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान वक्ताओं ने क्षेत्र में पार्टी की मजबूत होती पकड़ और जनता के बीच बढ़ते विश्वास की चर्चा की। सुदेश महतो ने कहा कि बाघमुंडीह में परिवर्तन की स्पष्ट लहर है, और जनता की ताकत से यह चुनाव बदलाव का माध्यम बनेगा। बैठक में बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी को प्राथमिकता देने का आह्वान किया गया। पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया कि बाघमुंडीह में वह पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।

जमशेदपुर के चार मंडलों में कांग्रेस की संगठन सृजन बैठक, पंचायतवार गठन के निर्देश

टाटानगर : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में संगठन सृजन बैठक का आयोजन जमशेदपुर प्रखण्ड के चार मण्डल में टाटानगर मण्डलअध्यक्ष मुन्ना मिश्रा, बागबेड़ा मण्डल अध्यक्ष राजनारायण यादव, घाघीडीह मण्डल अध्यक्ष रंजन सिंह, परसुडीह मण्डल अध्यक्ष नारायण डे के अध्यक्षता में संगठन सृजन बैठक का आयोजन ट्राफिक कॉलोनी, यादव भवन बागबेड़ा, मांझी बगान किताडीह पश्चिम, हलुदबनी परसुडीह में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने संगठन सृजन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी का गठन कर सक्रिय कार्यकर्ता को स्थान दें, बूथ कांग्रेस कमिटी का गठन करना है एवं BLA-2 का चयन करना है, BLA-2 का फार्म भरना अनिवार्य होगा। कार्य में तेजी लाने हेतू द्रुतगति से कार्य करने की आवश्यकता है। जिलाध्यक्ष ने सभी मण्डल अध्यक्षों को फार्म एवं नियुक्ति पत्र सौंपा। जिसे पंचायतवार बैठक आयोजित कर संगठन विस्तार करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने सभी प्रखण्ड पर्यवेक्षक, प्रखण्ड अध्यक्ष, प्रखंड संगठन प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, मण्डल पर्यवेक्षक से कहा कि पंचायत में जा कर बैठक का आयोजन प्रारंभ करें। आमजनता के समस्याओं का संकलन एवं समाधान करने का प्रयास करें। जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने सभी 55 पंचायत में कमिटी गठन एवं बुथ कमिटी गठन, BLA-2 का चयन करने का आह्वान किया। परसुडीह मण्डल कांग्रेस कमिटी के द्वारा आयोजित संगठन सृजन बैठक में अचानक जिला कांग्रेस के प्रभारी बलजीत सिंह बेदी संगठन सृजन अभियान का निरिक्षण करने के लिए हलुदबनी में परसुडीह मण्डल कांग्रेस कार्यालय पर पहुँच गये। इस दरम्यान बैठक को संबोधित करते हुए मण्डल कांग्रेस के अन्तर्गत 11 पंचायत के कार्यकत्ताओं के मनोबल को बढाते हुए आह्वान किया कि मण्डल कमिटी का एक-एक कार्यकर्त्ता पंचायत कांग्रेस कमिटी, बुथ कमिटी एवं BLA-2 का गठन मजबूती के साथ करे, हम आने वाले समय में मजबूत केंद्र सरकार जनहित में लायेंगे। बैठक में जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रखण्ड पर्यवेक्षक अखिलेश सिंह यादव, प्रखण्ड अध्यक्ष आशीष ठाकुर, प्रदेश सचिव खगेनचन्द्र महतो, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, संजय सिंह आजाद, करनडीह-घाघीडीह मण्डल अध्यक्ष रंजन सिंह, परसुडीह मण्डल अध्यक्ष नारायण डे, कमालुद्दीन सहित कांग्रेसजन शामिल हुए।

पुलिस एवं डॉक्टर की पहल से जच्चा बच्चा सुरक्षित

तिलैया : पुलिस ने रात में ड्यूटी पर तैनात पीसीआर वैन में ए.एस.आई ओम प्रकाश और आर्यन हॉस्पिटल के डॉ प्रवीण और उनके कर्मचारियों ने मानवीयता का परिचय दिया। कल रात बिहार के सहरसा जिले से रांची के लिए बस में सफर कर रही राधा देवी की अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। बस चालक ने तुरंत तिलैया थाना के पीसीआर वाहन से संपर्क किया। पीसीआर की टीम ने तत्परता से राधा देवी को आर्यन हॉस्पिटल पहुंचाया,जहां बस में ही महिला का सफलतापूर्वक प्रसव कराया गया। सोमवार सुबह महिला एवं उसके नवजात बच्चे को आर्यन हॉस्पिटल से सुरक्षित रूप से डिस्चार्ज कर दिया गया। इस तरह तिलैया पुलिस और आर्यन अस्पताल के डॉक्टर एवं कर्मचारियों ने मानवता की एक मिसाल पेश की।

ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति पर हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त सतीष चंद्रा की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना, और अंबेडकर आवास योजना की प्रखंडवार विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी योजनाओं की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करना और निर्धारित लक्ष्य तिथि 15 अगस्त 2025 तक कार्य पूर्ण कराने हेतु दिशा-निर्देश देना था।बैठक में प्रस्तुत प्रजेंटेशन के अनुसार, पीएमएवाई-जी योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों की संख्या एवं उनके चरणवार भुगतान तथा निर्माण की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही, 2016-2022 तक की कुल लंबित आवासों की रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। आवास प्लस डेटा के माध्यम से ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित अंतिम पीडब्ल्यूएल में शामिल लाभुकों की स्थिति और लंबित स्वीकृतियों पर भी विशेष जोर दिया गया। पीएम जनमन योजना की प्रगति रिपोर्ट में चिन्हित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास की स्थिति की समीक्षा की गई। एएवाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की प्रगति, विशेषकर 60 दिनों से अधिक समय से लंबित जियो टैगिंग मामलों पर कड़ी नाराजगी जताई गई। संबंधित प्रखंडों को कार्य में तेजी लाने और जियो टैगिंग शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

सावन के तीसरे सोमवार को सरिया के शिव मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सावन मास, जो भगवान शिव का प्रिय महीना माना जाता है, में शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। जैसे-जैसे सावन समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, सरिया प्रखंड क्षेत्र के शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सावन के तीसरे सोमवार को भी शिव शक्ति धाम, राजदह धाम, सदाशिव धाम, बलिडीह, केशवारी, पोखरियाडीह, मंदरामो, अमनारी, मोकामो सहित अन्य गांवों के शिव मंदिरों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर ₹हर हर महादेव₹ और ₹बोल बम₹ के जयघोष से गूंज उठे। कहीं रुद्राभिषेक का आयोजन हो रहा था, तो कहीं भक्त कांवर लेकर भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर रहे थे। भजन-कीर्तन के आयोजनों ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। मंदिरों में चहल-पहल और श्रद्धा का अनोखा संगम देखने को मिला। शिवभक्तों ने मंदिरों में जल, दूध, बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि सावन के इस पावन महीने में भगवान शिव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन और मंदिर समितियों ने भी विशेष इंतजाम किए थे। सावन का यह तीसरा सोमवार सरिया के शिव मंदिरों में भक्ति और उत्साह का प्रतीक बन गया, जहां हर ओर भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा का माहौल दिखाई दिया।

प्रतिभा सम्मान समारोह सह तकनिकी शिक्षा प्रचार कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड के हेसल पंचायत भवन कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटेकनिक बहेया रांची के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान सह तकनीकि शिक्षा प्रचार प्रसार कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम को सफल बनाने में हेसल पंचायत मुखिया कविता देवी का अहम योगदान रहा । सम्मान समारोह में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेट्रिक के 22 और इंटर के 29 विद्यार्थियों को मोमेंटो और पुष्प देकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में वतौर मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार सह वाणिज्य विभाग के डिन डॉ अमर कुमार चौधरी उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अनगड़ा प्रखंड के उपप्रमुख जयपाल हजाम उपस्थित थे। डॉ चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा से ही भविष्य आसानी से गढी जा सकती है। इस क्षेत्र में स्व डॉ बहादुर सिंह के द्वारा स्थापित कैंब्रिज इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी दीप प्रज्वलित करने का काम किया है इंस्टिट्यूट से हजारों विद्यार्थी अपने भविष्य को उज्जवल किए हैं यहां से पढ़कर छात्र छात्राएं देश-विदेश के अच्छे संस्थान में योगदान देकर क्षेत्र का मान बढ़ा रहे हैं। उप प्रमुख जयपाल हजाम ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रतिष्ठित संस्थान कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक की यह पहल काफी सराहनीय है. आज के दौर में तकनीक के बढ़ते प्रयोग और इस क्षेत्र में जीविका की असीम संभावना ने तकनिकी शिक्षा के महत्व को काफी बढ़ा दिया है. ऐसे में विद्यार्थियों को इसके लिए जागरूक करना प्रशंसनीय कार्य है. वंही मुखिया कविता देवी ने कहा कि स्थानीय विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में जनप्रतिनिधियों व कैंब्रिज ग्रुप की ओर से हर संभव मदद उपलब्ध कराया जायेगा. उन्होंने कैंब्रिज पॉलिटेक्निक की ओर से एससी एसटी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए महज पांच सौ रुपए में डिप्लोमा इंजीनियर बनने सम्बन्धी स्कीम की जानकारी दी. कार्यक्रम में मौजूद लगभग 100 विद्यार्थियों ने तकनिकी शिक्षा ग्रहण करने में अपनी रूचि जताते हुए. नामांकन के लिए पंजीकरण कराया. इस कार्यक्रम को मुख्य रूप से डॉ रिझु नायक, ने सिरका पंचायत मुखिया रोशन लाल मुंडा, हेसल ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली, मासू ग्राम प्रधान देवराज पाहन आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सखीचंद महतो ने किया।बता दें कि इसके पूर्व शुक्रवार को क्षेत्र में जागरूकता रथ को रवाना किया गया था. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमुखिया दुर्गा महतो, संतोष पाठक, कृष्णा भगत, विष्णु महतो, गबेश्वर महतो,बलराम मुंडा, रामेश्वर महतो के अलावे कैंब्रिज ग्रुप के अधिकारी डॉ रणवीर कुमार, मनीष नाथ, संतोष महतो, प्रो. अंकित सिंह, धर्मेन्द्र तिवारी, मंतोष करमाली, लखिन्द्र महतो आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यालय, परियोजना निदेशक समेकित जनजाति विकास अभिरकण, सिमडेगा (ITDA)

अति अल्पकालीन निविदा

सिमडेगा जिलान्तर्गत कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, गरजा सिमडेगा, कुलामारा बाँसजोर, सोगड़ा पाकरटांड एवं अनुसूचित जनजाति, आवासीय बालक मध्य विद्यालय, हाटिंगहोड़े (बानो), अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, सेवई (सिमडेगा) एवं आश्रम आवासीय विद्यालय, मतरामेटा, ठेठईटांगर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में पोशाक आपूर्ति हेतु इच्छुक संवेदक से दिनांक 26.07.2025 को पूर्वाहन् 11.00 बजे तक आमंत्रित मुहरबन्द निविदा जिसका PR No 357620 Simdega (25-26) D प्रकाशित की गई थी।

निर्धारित तिथि को किसी भी निविदादाता द्वारा निविदा प्राप्त नहीं होने के कारण पुनः दिनांक 06.08.2025 को पूर्वाहन् 11.00 बजे तक जिला कल्याण कार्यालय, सिमडेगा में संबंधित मुहरबन्द निविदा आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा दिनांक 06.08.2025 को अपराहन् 12.00 बजे परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0 सिमडेगा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में खोली जाएगी। जिसमें संवेदक या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निविदा की अन्य शर्त्ते यथावत् रहेंगे।

निविदा संबंधी शर्त्त एवं नियम तथा सामग्रियों की सूची जनसर्म्पक विभाग, झारखण्ड के वेबसाईट www. Prdjharkhand.gov.in एवं कार्यालय दिवस में जिला कल्याण कार्यालय, सिमडेगा के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0,
–सह– जिला कल्याण पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 358327 (Simdega)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गुमला
mail-rdsdgumla123@gmail.com

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/09/2025-26

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	RENOVATION WORK OF OCTAGONAL CLASS ROOM, KITCHEN ROOM & STOR ROOM AT GOVT. UPGRADED MIDDLE SCHOOL, TINTANGAR, BLOCK- CHAINPUR, DISTRICT - GUMLA	6,94,865.00	13,900.00	1250.00	03 माह
2	CONSTRUCTION OF G.I SHEET SHED FOR KITCHEN/DINING SHED WORK AT GOVT. UPGRADED MIDDLE SCHOOL, TINTANGAR, BLOCK- CHAINPUR, DISTRICT - GUMLA	8,75,728.00	17,600.00	1250.00	03 माह
3	RENOVATION WORK OF CIVIL, ELECTRIFICATION, HAND PUMP AND WATER SUPPLY AT GOVT. UPGRADED MIDDLE SCHOOL, TINTANGAR, BLOCK- CHAINPUR, DISTRICT - GUMLA	14,90,690.00	29,900.00	2500.00	06 माह
4	Rennovation Work of Science Centre Gumla, Block- Gumla, District- Gumla	6,71,400.00	13,500.00	1250.00	03 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –05.08.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 05.08.2025 से दिनांक 12.08.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 14.08.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गुमला

PR 358388 Rural Development(25-26).D

कार्यालयः– असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग।
(जिला स्वास्थ्य समिति,जिला अस्पताल कैपस, हजारीबाग–
mail ID :– nuhmhazaribagh@gmail.com)
(UAAM under 15th FC)

Walk in Interview

15वें वित्त आयोग अंतर्गत संचालित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (Urban Ayushman Arogya Mandir - UAAM) – कुद व शिवपुरी में रिक्त हुए चिकित्सा पदाधिकारी (MBBS) की सेवा प्राप्त करने के लिये Walk in Interview हेतु निम्नांकित अहर्ताओं/शर्तों के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:–

क्र.सं.	विवरणी	आवश्यक शर्तें
	चिकित्सा पदाधिकारी (MBBS)हेतु	
1	Urban Ayushman Arogya Mandir - UAAM, शिवपुरी, वार्ड स0–22	रिक्त चिकित्सा पदाधिकारी की संख्या– 01
2	Urban Ayushman Arogya Mandir - UAAM, कुद, वार्ड सं0– 24	रिक्त चिकित्सा पदाधिकारी की संख्या– 01
अहर्ता/शर्तें	चिकित्सा पदाधिकारी हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल काउन्सिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से M.B.B.S. की डिग्री। अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से मेडिकल डिग्रीधारी इच्छुक उम्मीदवार के लिये FMGE-Foreign Medical Gradute Examin ation(by NBE -National Board of Examination) की परीक्षा उतीर्ण करना अनिवार्य होगा, साथ ही NMC (National Medical Commission) / MCI (Medical Council of India) के द्वारा NOC रहना अनिवार्य होगा। इच्छुक MBBS उम्मीदवार को झारखण्ड मेडिकल कॉसन्सिल से पंजीकृत प्रमाणप त्र रहना अनिवार्य होगा।
	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष
	मानदेय	रू0 63000.00 प्रत्येक माह।
	कार्य का समय	09.00 बजे पूर्वाह्न से 05.00 बजे अपराहन् तक।
	चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा भविष्य के लिए नियमितीकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
नोट	Walk in Interview में उपस्थित होने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। अहर्ताओं/शर्तें/ अन्य जानकारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचनापट्ट एवं NIC, हजारीबाग पोर्टल www.hazaribag.nic.in पर देखा जा सकता है।	

• सामान्य जानकारी

1. इच्छुक आवेदकों का आवेदन Speed Post अथवा Registered Post के माध्यम से सिविल सर्जन कार्यालय, हजारीबाग के पते पर दिनांक– 11.08.2025 तक ही स्वीकार किया जायेगा। दिनांक– 13.08.2025 को समय पूर्वाहन् 11:00 बजे से सिविल सर्जन सभागार, हजारीबाग में Walk in Interview का आयोजन निर्धारित है। इच्छुक उम्मीदवार Walk in Interview के लिए अपना बायोडाटा एवं सभी मूल प्रमाण पत्र तथा इसकी छाया प्रति के साथ निर्धारित तिथि को समय पूर्वाहन् 10:00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग।

PR 358395 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

मानसिक स्वास्थ्य की सुविधाओं के प्रति उदासीनता घातक

स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए पर समकालीन परिवेश में ज्यादातर लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है । स्वास्थ्य में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव तो ठीक होता है और वह जल्दी ही संभल भी जाता है पर परेशानी ज्यादा होने पर वह असह्य हो जाता है और तब व्यक्ति को 'बीमार' या 'रोगी' कहा जाता है। तब मन बेचैन रहता है, शरीर में ताकत नहीं रहती और दैनिक कार्य तथा व्यवसाय आदि के दायित्व निभाना कठिन हो जाता है, जीवन जोखिम में पड़ता सा लगता है और उचित उपचार के बाद ही स्वास्थ्य की वापसी होती है।

किसी स्वस्थ आदमी का अस्वस्थ होना व्यक्ति, उसके परिवार, सगे-सम्बन्धी और परिजन और मित्र सभी के लिए पीड़ादायी होता है और जीवन की स्वाभाविक गति में ठहराव आ जाता है। तीव्र सामाजिक परिवर्तन के दौर में लगातार बदलाव आ रहे हैं और युवा पीढ़ी इनसे कई तरह प्रभावित हो रही है। उच्च शिक्षा के परिसरों में आत्म हत्या, मानसिक शोषण और अस्वास्थ्य की दुर्घटनाएं लगातार सुनाई पड़ रही हैं। प्रतिभाशाली छात्रों को कोचिंग केंद्रों में शोषण की प्रवृत्ति कितनी घातक है इसका अनुभव बार-बार हो रहा है। ये सब घटनाएं प्रशासन को ध्यान देने के लिए चीख रही हैं। इधर यूजीसी और सुप्रीम कोर्ट ने युवा वर्ग की स्वास्थ्य की बिगड़ती स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लिया है और इसके लिए टास्क फोर्स भी गठित हुई है।

गौरतलब है कि शारीरिक स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य को आसानी से पहचान लिया जाता है परंतु मानसिक रोगों की उपेक्षा की जाती है। मानसिक रोगों के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है। मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेज में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है और इसमें एमडी की विशेषज्ञता भी होती है। इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलोजी और काउनसेलिंग भी हैं जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं और मानसिक स्वास्थ्य । अध्ययन की यह व्यवस्था यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत है और भारत में भी मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की व्यवस्था की गई है।

गौरतलब है कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या की दृष्टि बहुत कम और अपर्याप्त हैं। क्लिनिकल साइकोलोजी के अध्ययन की कुछ चुनिंदा संस्थाएं हैं जहां जरूरी और प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से एमए करने के बाद क्लिनिकल साइकोलोजी में एमफिल की एक प्रोफेशनल डिग्री का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और उपचार के लिए गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षुओं को थेरेपी देने के लिए योग्य बनाया जाता है। इस तरह के पाठ्यक्रम निमहैंस बेंगलुरु जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चलते हैं और रिहैबिलिटेशन कौंसिल आफ इंडिया (आरसीआई) द्वारा इनकी निगरानी भी की जाती है। नई शिक्षा नीति में एमफिल की डिग्री को एक सामान्य नीतिगत निर्णय के तहत बंद करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले के फलस्वरूप अन्य विषयों के तर्ज पर क्लिनिकल साइकोलोजी में भी एमफिल डिग्री को बंद करना होगा।

ध्यातव्य है कि इस एमफिल डिग्री की उपादेयता को अन्य विषयों में एम फिल के साथ जोड़कर और उनके बराबर रख कर देखना घातक है। इसका स्वरूप, उद्देश्य और अध्ययन पद्धति भिन्न है। इसको बंद करने से मानसिक स्वास्थ्य के देखरेख के लिए जो भी थोड़े बहुत मानव संसाधन तैयार हो रहे थे उसे भी बन्द कर दिया जाएगा। यह समाज के लिए निश्चय बड़ा ही आत्मघाती कदम साबित होगा। किसी नीति को बिना बिचारे आंख मूंद कर लागू करना हानिकर होता है। सरकार को मानासिक स्वास्थ्य सुविधाओं और उसके प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के प्रयास को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

मनसा का मातम : अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरूआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं।

मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

सनातन में नागों की उपासना का वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और जनजातीय वृतांत

डॉ. आनंद सिंह राणा

हिन्दू धर्म , 'आत्मवत सर्वभूतेषु' और ' सर्वे खल्विदं ब्रह्म' के आलोक में पशु - पक्षी, पेड़ - पौधे सहित सबके साथ आत्मीय संबंध जोड़ता है। हमारे यहां गाय की माँ के स्वरुप में पूजा होती है। अनेक बहनें कोकिला-व्रत करती हैं। कोयल के दर्शन हो अथवा उसका स्वर कान पर पड़े तब ही भोजन लेना, ऐसा यह व्रत है। हमारे यहां वृषभोत्सव के दिन वृषभ का पूजन किया जाता है। वट-सावित्री जैसे व्रत में बरगद की पूजा होती है, परन्तु नाग पंचमी के दिन नागों का विशिष्ट पूजन हमारी संस्कृति का वैशिष्ट्य है।

जनजातियों में नाग पूजा का विशेष महत्व है और गढ़ा - कटंगा के गोंडवाना साम्राज्य के संस्थापक नागवंशी ही थे। तात्पर्य यह है हिन्दू और जनजाति पृथक नहीं हैं, इनका अद्वैत है। सावन शुक्ल पंचमी की तिथि नागपंचमी को समर्पित है।आईये जानते हैं कि महादेव के प्रिय नाग एवं गण "वासुकी" के बारे में और उन्होंने विशुद्ध चक्र में वासुकी को क्यों रखा? इसके साथ ही कश्मीर में "अनंतनाग" (शेष नाग) भगवान् विष्णु के प्रिय नाग के राज्य का भी मुक्ति दिवस है।

नागों और उनके महत्व के परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक तथ्य तो हैं ही और यह भी सत्य है कि नाग के ध्यान किये बिना कुण्डलिनी जागरण असंभव है। क्योंकि कुण्डली हमारे शरीर में नाग स्वरुप में ही विद्यमान है। वैज्ञानिक तथ्य है कि नाग "मदर नेचर" अर्थात् पृथ्वी पर लेटा हुआ सर्वाधिक स्पर्श करता है इसलिए अतिसंवेदनशील होता है। यह तथ्य भगवान् शिव ने जाना और कुण्डली जागरण कर विशुद्ध में जहर को रोक लिया।

अब जीव विज्ञान कहता है कि प्राणियों के निर्माण में संयोजक कड़ी (कनेक्टिंग लिंक) है, वैंसे लेमार्क, नव लेमार्क वाद और उत्परिवर्तन वाद के सिद्धांत भी पुष्टि करते हैं। अर्थात् सर्प मानव होते थे इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है और भारत में नागवंशियों के राज्य और नाम नागपुर नागदाह, अनंतनाग, शेषनाग, नागालैंड जैंसे सैकड़ों नाम नाग पर ही हैं।

इसलिए ये भी सत्य ही है कि हिम युग के समय कश्मीर बर्फ से आच्छादित और पिघल रहा था तभी ऋषि कश्यप ने सती के साथ मिलकर एक राक्षस को पराजित कर दिया था और कश्मीर पर कश्यप ने अपना राज्य आरंभ किया। उनकी दो पत्नियों क्रमशः कद्रु और वनिता में से कद्रु ने पुत्रों के रूप में हजारों पुत्रों का आशीर्वाद मांगा और फलीभूत हुआ वो सर्प मानव के रूप में थे। उनमें 8 प्रमुख थे जिनमें 5 सर्वप्रमुख थे अनंत (शेष), वासुकी, तक्षक, कर्कोट्क (कश्मीर में कर्कोट वंश इन्ही का द्योतक है) पिंगला। अनंत (शेष नाग) के अनंत सिर हैं और सृष्टि के विनाश के समय शिव के आशीर्वाद से वही शेष रहेगा इसलिए शेषनाग कहा जाता है, जब गरुड़ सभी नागों का वध कर रहे थे तब वासुकी ने शेषनाग को यह सलाह दी और वासुकी स्वयं महादेव की सेवा में चले गये। इन्हीं नागों ने ही सर्वप्रथम शिवलिंग पूजा आरंभ की थी।

अब प्रश्न यह है कि वासुकी ही नागराज क्यों बने? और शिव के विशुद्ध में कैंसे आए? ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर इन प्रश्नों उत्तर इस तरह से हैं कि समुद्र मंथन के समय वासुकी ने रस्सी की जगह स्वयं रखा और घर्षण के कारण घायल हुए उसके उपरांत महादेव ने जब जहर ग्रहण किया तब वासुकी ने अपने सभी नागों के साथ महाकाल के साथ जहर का अल्पांश ग्रहण किया इसलिए शिव के प्रिय हो गये। शरीर में 114 होते हैं जिनमें 7 प्रमुख हैं शिव ने वासुकी के सहयोग से 114 चक्र जाग्रत किये।

नागराज वासुकी ने शिव के विशुद्ध में स्थित जहर के प्रभाव कम करने के लिए गले में धारण करने के लिए आग्रह किया। महादेव ने अनुमति दे दी। महादेव वासुकी से अति प्रसन्न रहते हैं, यहाँ तक कि जब महादेव विवाह करने जा रहे थे तो अपने श्रृंगार की जिम्मेदारी वासुकी को दी थी और अंत में वासुकी श्रृंगार को बढ़ाने के लिए स्वयं तैयार होकर शिव के गले में लिपट गये।

एक युद्ध में शिव के धनुष पिनाक की डोरी टूटने पर डोरी के रुप में वासुकी ने भूमिका अदा की। वहीं वासुकी ने तक्षक को भी बचाया। तक्षक ने राजा परीक्षित को मार डाला था, क्योंकि शमीक ऋषि के कारण ऋंगी ने शाप दिया था परीक्षित के पुत्र जनमेजय ने तक्षक नागों के वध के लिए "नागदाह" यज्ञ करवाया। तब एक ही तक्षक बचा जिसे भी वासुकी ने अपनी बुद्धि के प्रयोग से आस्तीक नामक ब्राम्हण की सहायता से बचा लिया।

यह वृतांत इस प्रकार है कि आज के दिन भगवान् ब्रम्हा ने नागों को वरदान दिया कि जब परीक्षित का पुत्र जनमेजय - नागदाह यज्ञ करेगा - तब आस्तिक ऋषि वासुकी की सहायता से नागों की रक्षा करेंगे, इसलिए यह पंचमी नागों को अतिप्रिय है अतः इस दिन नागों के 12 कुलों या 8कुलों या 5 कुलों (विभिन्न साक्ष्यों के आधार पर) पूजा करने पर नागदंश का भय समाप्त हो जाता है।

मूलतः कालसर्प दोष 12 प्रकार के होते हैं - सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दिन - कालसर्प दोष समाप्त हो जाता है। यदि यह पूजा माँ नर्मदा के किनारे की जाती है तो सर्वाधिक श्रेयस्कर है।

नागों ने महादेव की पुत्री नर्मदा को अपनी सर्वप्रिय बहिन माना है, इसलिए नर्मदा जी का यह मंत्र पढ़ने से सर्प विष से भी बचा जा सकता है "नर्मदाय नमः प्रातः, नर्मदाय नमःनिशि, नमोस्तु नर्मदे नमः, त्राहिमाम् विषसर्पतः"। नर्मदा जयंती को तो आप चाँदी के नाग - नागिन प्रवाहित कर दें तो कालसर्प योग से मुक्ति हो जाती है, मंत्र है -"ॐ कुरुकुल्य हुं फट स्वाहा" कालसर्प का संबंध राहू - केतु से है। नागराज वासुकी कुल के नाग माँ नर्मदा के पास ही रहते हैं।

यह भी सर्वश्रुत है कि भगवान कृष्ण ने कालिया नाग को हराया था। जब उसे प्रतीत हुआ कि वह कोई साधारण बालक नहीं है, तो उसने कृष्ण से दया की भीख मांगी। श्री कृष्ण ने उसे जीवन दान देते हुए उससे वचन लिया कि वह अब गोकुल के निवासियों को कोई कष्ट नहीं पहुँचाएगा। नाग पंचमी का दिन भगवान कृष्ण की कालिया नाग पर विजय का प्रतीक है और इसी विजय के उपलक्ष्य में भारत में मल्ल युद्ध खेल का भी शुभारंभ हुआ ।

महान् गोंडवाना साम्राज्य के संस्थापक जादोराय (यदु राय) नागवंशी ही थे। यह प्रचलित है कि गढ़ा - कटंगा में सकतू गोंड नाम के योद्धा रहते थे । जिनके पुत्र धारूशाह थे । इन्हीं धारूशाह के पौत्र जादोराय थे जिन्होंने गढ़ा में गोंड राज्य की नींव रखी थी। उनका विवाह नागदेव की कन्या रत्नावली से हुआ था। दमोह के सिलापरी में उनके वंशजों के पास जो वंशावली है उसमें जादोराय ही वंश का मूल पुर्स्ष माना गया है। बालाघाट में भी नागवंशियों का साम्राज्य था। प्राचीन काल में और गोंड शासन में नागवंशियों को विशेष महत्व दिया जाता था। क्योंकि युद्ध के समय यही नागवंशी सर्प युक्त तीरों को उपलब्ध कराते थे जो दुश्मनोंपर हमला करने के काम आते थे।

भारतवर्ष कृषि प्रधान देश है और नाग खेतों का रक्षण करते हैं, इसलिए उसे क्षेत्रपाल कहते हैं। जीव-जंतु, चूहे आदि जो फसल को नुकसान करने वाले तत्व हैं, उनका नाश करके नाग हमारे खेतों की फसलों की रक्षा करते हैं। नाग हमें कई मूक संदेश भी देता है। सांप के गुण देखने की हमारे पास गुणग्राही और शुभग्राही दृष्टि होनी चाहिए। भगवान दत्तात्रेय की ऐसी शुभ दृष्टि थी, इसलिए ही उन्हें प्रत्येक वस्तु से कुछ न कुछ सीख मिली। वस्तुतः सनातन में नागपंचमी हिंदुत्व के एकत्व का प्रतीक है।

(लेखक, इतिहास के प्राध्यापक एवं इतिहास संकलन समिति महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष हैं।)

सूडोकु नवताल- 7505

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7504 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

बाल कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में मध्य प्रदेश में हुआ बड़ा काम

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत एक ओर डिजिटल क्रांति, बुलेट ट्रेन और अंतरिक्ष अभियानों को लेकर उत्साहित है, वहीं दूसरी ओर कुपोषण जैसी बुनियादी सामाजिक समस्या अभी भी उसे चिंता में डाले हुए है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए पोषण ट्रैकर के ताजा आंकड़े यही दिखाते हैं कि आज भी देश का एक बड़ा हिस्सा पर्याप्त पोषण से वंचित है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि देश के 63 जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। यह एक सच्चाई है कि वर्तमान में देश के 199 जिलों में कुपोषण का स्तर 30 से 40 प्रतिशत के बीच है। कुछ जिलों में यह आंकड़ा कहीं अधिक है। महाराष्ट्र का नंदुरबार (68.12%), झारखंड का पश्चिम सिंहभूम (66.27%), उत्तर प्रदेश का चित्रकूट (59.48%), और मध्य प्रदेश का शिवपुरी (58.20%) इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण की दर 37.07 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि 0 से 6 वर्ष के 8.19 करोड़ बच्चों में से 35.91 प्रतिशत कुपोषित हैं।

यह आंकड़े केवल रिपोर्ट नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक संकट की सच्ची तस्वीर हैं, जो भविष्य की पीढ़ी को प्रभावित कर रहा है। फिर भी बात यदि समग्रता से देश के सभी राज्यों के बीच मध्य प्रदेश में बाल कुपोषण को दूर करने की होगी तो राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करनी ही होगी। मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति बीते दो दशकों में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती हुई दिखी है। वर्ष 2005-06 में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-3) के अनुसार राज्य में कुपोषण की स्थिति बेहद चिंताजनक थी। उस समय प्रदेश में 60 प्रतिशत बच्चे कम वजन, 50 प्रतिशत लंबाई के हिसाब से कमजोर, और लगभग 35.4 प्रतिशत बच्चे उम्र के हिसाब से कम वजन वाले थे। इन आंकड़ों ने भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन दोनों के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी की थी।

वर्ष 2015-16 में जब एनएफएचएस-4 आया, तब निश्चित ही इसमें बड़ा सुधार दिखा। कम वजन वाले बच?चों की दर घटकर लगभग 42.5 प्रतिशत रह गई, स्टंटेड 42 प्रतिशत के करीब आ गया और उम्र के हिसाब से कम वजन वाले बच्चे लगभग 25.8 प्रतिशत पर आ पहुंचे थे। इसके बाद वर्ष 2019-21 में एनएफएचएस-5 के आंकड़े आए, जिसमें पाया गया कि कम वजनी बच्चों की दर घटकर 33 प्रतिशत पर आ गई है। उम्र के हिसाब से लम्बाई में कम 35.7 प्रतिशत पर बच्चों का आंकड़ा पहुंचा और आयु अनुसार कम वजनी बच्चे मात्र 19 प्रतिशत ही रहे। इसका सीधा मतलब है कि बीते 16 वर्षों (2005 से 2021) में कम वजनी बच्चों की दर में लगभग 45 प्रतिशत, लम्बाई में 46 पतिशत और आयु के हिसाब से तय वजन में 29 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इस बीच हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि लगातार प्रदेश की जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। जहां वर्ष 2005 में छह वर्ष तक के बच्चों की संख्या 10.78 लाख के लगभग संभावित है। वर्ष 2021 में यह संख्या 12.6 लाख के करीब रही और अभी 2025 की स्थिति में यह जनसंख्या 0-6 वर्ष तक की 13.25 लाख बच्चों की है। कहने का अर्थ है कि हर वर्ष बच्चों की संख्या प्रदेश में बढ़ रही है और इसके साथ ही कुपोषण भी समय के साथ कम होता हुआ दिखता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार की सुपोषित मध्य प्रदेश 2030 नीति के अंतर्गत अब कुपोषण को केवल स्वास्थ्य या महिला-बाल विकास विभाग का विषय न मानते हुए इसे बहुविभागीय जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। इस नीति के अंतर्गत पंचायती राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा जैसे विभागों को मिलाकर एकीकृत कार्य योजना पर जोर दिया गया है। राज्य में तीव्र कुपोषण का एकीकृत प्रबंधन (आईएमएएम) और तीव्र कुपोषण का समुदाय-आधारित प्रबंधन (सीएमएएम) योजनाओं के माध्यम से गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) बच्चों की पहचान और पुनर्वास का कार्य समुदाय स्तर पर किया जा रहा है। यह मॉडल विशेष रूप से कोविड-19 के दौरान प्रभावी सिद्ध हुआ, जब स्वास्थ्य ढांचा दबाव में था। अब यह पहल संस्थागत स्वरूप ले चुकी है और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से लेकर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को इसमें सक्रिय भूमिका दी जा रही है।

वर्ष 2025 में आयोजित सातवें पोषण पखवाड़े (8-22 अप्रैल) के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी की अध्यक्षता में "पहले 1000 दिन", "स्वच्छ आहार-स्वस्थ बाल", और "सीएमएएम-टीएचआर की दक्षता" जैसे विषयों पर प्रदेशव्यापी अभियान चलाए गए। इसके अलावा, 'ईट राइट स्कूल' कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को पोषण सुरक्षा, स्वच्छ भोजन और जीवनशैली में सुधार के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। स्कूलों में सेहत क्लब और न्यूट्री गार्डन जैसी पहलें चलाई जा रही हैं।

सरकार ने पोषण आहार सुधार की दिशा में भी कदम उठाए हैं। नई रेसिपी में चीनी की मात्रा घटाकर 16 प्रतिशत कर दी गई है, जबकि दूध पाउडर और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाई गई है, जिससे यह आहार 3.5 मिलियन बच्चों तक पहुँच पा रहा है। राज्य में आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण का केंद्र न मानते हुए अब इन्हें सामुदायिक शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संवेदनशीलता के केंद्रों में बदला जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए अभियान में सरकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्वयंसेवी संस्थाएं इन केंद्रों को विकसित करने में भागीदारी निभा रही हैं। प्रदेश में आज मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार के लिए "संजीवनी रोडमैप" लागू किया गया है, जिसके तहत गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों को पोषणयुक्त खाद्य सामग्री (दूध, अंकुरित अनाज आदि) वितरित की जा रही है। डिजिटल ट्रैकिंग के लिए "पोषण ट्रैकर" ऐप का उपयोग शुरू कर दिया गया है।

दैनिक पंचांग

29 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

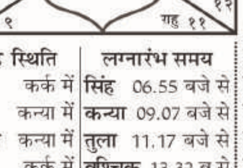

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.55 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	09.07 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.17 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.32 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.48 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.53 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.13 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.43 बजे से
राहुकाल		वृष	00.23 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	02.21 बजे से
बजे तक		कर्क	04.35 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 210 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** पंचमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 19.28 बजे को समाप्त। **योग** शिव 03.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.01 बजे तदनन्तर बालव 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872420
जूलियन दिन 2460885.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 03
विशेष नाग पंचमी, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

उपायुक्त के निर्देश पर बरही चौक व शहरी क्षेत्र में युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश के आलोक में आज बरही प्रखंड अंतर्गत बरही चौक एवं शहरी क्षेत्र में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। शनिवार को उपायुक्त द्वारा क्षेत्र भ्रमण के क्रम में बरही चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में फैली गंदगी पर गहरी नाराजगी जताई गई थी और उन्होंने तत्काल नगर निगम को साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उक्त निर्देश के अनुपालन में नगर निगम,हजारीबाग द्वारा आज सुबह से ही सफाई हेतु कर्मियों की तैनाती कर सघन सफाई कार्य प्रारंभ किया गया। नालियों की सफाई, कचरा उठाव, सार्वजनिक स्थलों की धुलाई तथा कचरा निस्तारण की प्रक्रिया तेजी से संचालित की जा रही है। उपायुक्त द्वारा स्वच्छता को प्राथमिकता देते आम नागरिकों से कहा है कि अपने आसपास सफाई बनाए रखने को लेकर खुद भी जिम्मेवार बनें और प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करें।

रक्षाबंधन से पहले ब्रह्माकुमारी बहनों ने विधायक प्रदीप प्रसाद को बांधी राखी

हजारीबाग : रक्षाबंधन पर्व से पूर्व रविवार को हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय सभागार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने एक सादगीपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में विधायक प्रदीप प्रसाद को राखी बांधकर स्नेह, भाईचारे का संदेश दिया। शुरूआत बहनों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ तिलक, रोली-चावल और रक्षा सूत्र के साथ हुई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने बहनों से राखी बंधवाकर भावुकता के साथ कहा कि यह राखी मात्र एक धागा नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और आत्मिक सुरक्षा का प्रतीक है। ब्रह्माकुमारी बहनों का यह स्नेह समाज को प्रेम, एकता और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें एक-दूसरे के प्रति आत्मीयता, समर्पण और सेवा की भावना से जुड़ने की प्रेरणा देता है। यह पर्व भौतिक सुरक्षा से कहीं आगे, आत्मिक सशक्तिकरण और आध्यात्मिक रिश्तों को मजबूत करने का भी प्रतीक है।

डुमरिया टांड आदिवासी हरिजन टोला का मुख्य मार्ग बना नाली

बिष्णुगढ़ : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मडमो के आदिवासी हरिजन टोला डुमरिया टांड तेतरिया मोड़ से उत्कर्मित प्रथमिक बिद्यालय डुमरिया टांड होते हुवे हरिजन टोला परडुमरिया टांड मुख्य मार्ग बनासो टू मडमो पी. डब्लू. डी. रोड कारीमाटी तक बरसात मे कच्ची सडक नाली बन गया है। मडमो पंचायत के पंचायत समिति सदस्य बहराम हांसदा ने जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन से सवालकरते हुवे कहा है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी हो अपने अभिभाषण आदिवासी दलित पिछड़ा वर्गो की विकास से सुरु करते है। पर दुर्भाग्य है कि आजादी के 80वर्ष होने चला लेकिन आज भी आदिवासी गाँव मे चलने के लिए सडक नहीं इलाज के लिए स्पताल नहीं पढ़ने के लिए बिद्यालय नहीं, हलाकी थोड़ा सुधार जरूर हुआ है। लेकिन जैसा होना चाहिए वैसे सुधार नहीं हुआ है, ग्राम पंचायतबनासो के आदिवासी बहुल क्षेत्र तेलियादाह से पिपरा बेड़ा ग्राम पंचायत मडमो के आदिवासी बहुल टोला डुमरिया टांड मे तेतरिया मोड़ से कारीमाटी तक लगभग 2 किमी हेमलाल मांझी घर से बहराम हांसदा घर तक लगभग 1 किमी अघणु मांझी घर से खेसार तक लगभग 3 किमी जो दूसरे जगह देखेंगे रोड पहले बना था अभी खराब हो गया है जबकी डुमरिया टांड के ये तीनो जगह कभी सड़क बना ही नहीं है।

रामगढ़ में दो लाख लोगों को सीपीआर व फर्स्ट एड देने का लक्ष्य, प्रखंडों में शुरू हुआ प्रशिक्षण अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर रामगढ़ जिला अंतर्गत 2 लाख लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाना है। इसे लेकर पूर्व में जिला स्तर पर सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण देकर 3229 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। इसी क्रम में सोमवार से प्रखंड स्तर पर लोगों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सोमवार को रामगढ़ जिला अंतर्गत गोला, चितरपुर, पतरातू एवं मांडू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवी चिकित्सकों एवं जिला स्तर से तैयार किए गए मास्टर ट्रेनरों के द्वारा ग्रामीण एवं आम जनों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड उपयोग को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही लोगों को प्रैक्टिकल कराकर भी आकस्मिक परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों जैसे कार्डियक अरेस्ट, चोकिंग, ब्लीडिंग, बर्न, फ्रैक्चर, वज्रपात, डूबना, शॉक, सांप का काटना एवं दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया एवं सभी की दुविधाओं को दूर किया गया। गौरतलब होकि अगले एक माह में अभियान मोड में जिले के पंचायतों, विद्यालयों, कारखानों, खदानों आदि में सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संबंध में उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा सभी जिले वासियों से अपने नजदीकी प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड इस्तेमाल करने संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की गई है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत साइबर क्राइम पर छात्राओं को किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सोमवार को रामगढ़ जिलान्तर्गत कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय कैथा में बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजनान्तर्गत डिजिटल साक्षरता एवं साइबर क्राइम से संबंधित विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्राचार्य कस्तुरबा गाँधी विद्यालय एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजनन्दनी चाइल्ड राईट ने छात्राओं को साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा से बचने के उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रणजीत कुमार, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी द्वारा बतलाया गया कि डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे है और सर्तक रहने की आवश्यकता है साथ ही छात्राओं को कानुनी अधिकार टोल फ्री न0 1098, 181,1930 के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में सोशल मिडिया पर सर्तकता, ओ०टी०पी० साझा नहीं करना, अनजान लींक पर क्लीक न करना जैसी महत्वपूर्ण बातो पर जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं को साइबर सुरक्षा से संबंधित हैंड बील का वितरण एवं इस संबंध में शपथ भी दिलवाया गया । कार्यक्रम में विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी, रणजीत कुमार, चाइल्ड राईट राज नन्दनी, महिला पर्यवेक्षिका कौशल्या देवी एवं नसीमा खातुन, बाल संरक्षण के आंकडा विश्लेषक सोबन कुमार, कस्तुरबा गाँधी की प्राचार्या अल्पना देवी साथ ही विद्यालय के शिक्षक गण उपस्थित थे।

श्रावण की तीसरी सोमवारी पर एसएल गुप्ता ट्रस्ट ने पूजन सामग्री का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : एस एल गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पवित्र श्रावण मास की तीसरी सोमवारी को शहर के प्राचीन बुढवा महादेव स्थित माँ वैष्णव मंदिर में पूजन समाग्री का वितरण किया गया। फल एवं पूजन समाग्री वितरण कार्यक्रम सुबह सात बजे शुरूआत हुई। जिसमें श्रद्धालुओं को फल, दुध, फुल, बेलपत्र, माचिस एवं अगरबत्ती का वितरण किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं को भस्म भी लगाया गया। जिसकी शुरूआत एस एल गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष उर्मिला देवी ने पूजन सामाग्री वितरण कर किया। एस एल गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक राकेश गुप्ता ने अतिथियों एवं प्रमुखजनो को अंगवस्त्र देकर संस्थान के द्वारा सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दान पुण्य करने से जीवन में चमत्कारिक बदलाव आता है। इससे बौद्धिक एवं समाजिकता की भाव का विकास होता है। कहा कि श्रावन माह में दान पुण्य करना काफी सौभाग्य की बात होती है। सच्चे मन से इस तरह के दान पुण्य करें तो अभीष्ट लाभ की प्राप्ति होती है। हर समाजिक संस्थान को धार्मिक कार्यो में योगदान देना चाहिए तथा अपनी जिम्मेदारियों को भी निर्वहन करना चाहिए। राकेश गुप्ता ने हजारीबाग जिला वासियों को अंतिम सोमवारी को बुधवार महादेव प्रांगण में संस्था द्वारा आयोजित संध्या 06 से विशाल भण्डारा में आमंत्रित किया है तथा विशाल भण्डारा में प्रसाद ग्रहण कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने का अपील किया है।

शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं ने राखी मेकिंग प्रतियोगिता में दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सोमवार को बीएड सत्र 2023-25 के छात्र- छात्राओं के द्वारा राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र- छात्राओं ने मनमोहक रखिया बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने छात्र-छात्राओं के राखी बनाने की कला को सराहा और कहा कि यह पर्व सिर्फ भाई- बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक ही नहीं है, यह त्योहार हमे प्रकृति से भी जोड़ता है और सभी को शुभकामनाएं दीं। सचिव प्रियंका कुमारी ने सभी को रखी पर्व की अग्रिम बधाई दी। कार्यक्रम का नेतृत्व शिक्षा विभाग के व्याख्याता अर्चना राणा ने की। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार,शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

कुजू में रफ्तार का कहर: गश्ती दल के होमगार्ड की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : ओपी क्षेत्र से बड़ी घटना सामने आ रही है। यहां गश्ती दल में शामिल होमगार्ड जवान को एक तेज वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। जिससे होमगार्ड जवान की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। हालांकि होमगार्ड के जवान को सदर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कुजू पुलिस की गश्ती टीम सोमवार के अहले सुबह करीब 3:30 बजे नया मोड़ फोरलेन मुख्य चौराहा के निकट गश्ती कर रही थी। गश्ती दल में शामिल सुरेंद्र मेहता पदाधिकारी को शौच जाने के लिए बोलकर निकला। इसी दौरान होमगार्ड के जवान सड़क पार कर रहे थे। तभी हजारीबाग से रांची तेज गति से जा रहा 709 वाहन संख्या एनएल 07 एए 4469 ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे होमगार्ड के जवान को बाएं सीना, हाथ और सर पर गंभीर चोट लगी। आनन-फानन में दल में शामिल पदाधिकारी और कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह एवं बेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी दीपक कुमार सिंह होमगार्ड के जवान को लेकर सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचे। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना होमगार्ड के जवान के परिजनों को दे दी गई है। सूचना पाकर परिजन सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचे हैं। जहां उनका रो-रो कर बुरा हाल है। जवान को टक्कर मारने के बाद वाहन का रफ्तार इतना तेज था कि एक दुकान में जाकर घुस गाया। जिसके बाद वाहन का चालक भागने में सफल रहा। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

नवीन सिन्हा बने राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री, बरही एके पैलेस में हुआ भव्य सम्मेलन समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के झारखंड प्रदेश महामंत्री पद पर नवीन सिन्हा की नियुक्ति के उपलक्ष्य में बरही स्थित अङ पैलेस में एक भव्य सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष (झारखंड) कृष्ण प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पाण्डेय एवं स्टेट वेलफेयर सेक्रेटरी सोमेन बनर्जी ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद संगठन के कार्यों, उद्देश्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर नवीन सिन्हा को प्रदेश महामंत्री (झारखंड) के रूप में नियुक्त किए जाने की औपचारिक घोषणा की गई, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि नवीन सिन्हा जैसे कर्मठ और समर्पित व्यक्तित्व के हाथों में प्रदेश की कमान सौंपकर संगठन को मजबूती मिलेगी। राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन ने बताया कि झारखंड राज्य में मानवाधिकार के प्रति जागरूकता अभियान और मजबूत किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण प्रजापति ने नवीन सिन्हा को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनके अनुभव और सामाजिक सक्रियता से राज्य संगठन को नई दिशा मिलेगी। वहीं नवीन सिन्हा ने अपने प्रथम भाषण में कहा कि वे संगठन की नीति व सिद्धांतों का पालन करते हुए हर जिले में मानवाधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और बुद्धिजीवियों ने भी भाग लिया। अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की गई।

संक्षिप्त खबरें

गृहरक्षक सुरेंद्र मेहता के निधन पर पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

रामगढ़ : गृहरक्षक सुरेंद्र कुमार मेहता सोमवार की अहले सुबह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। इसे लेकर पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर सलामी दी गई। इस दौरान एसपी अजय कुमार, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मुख्यालय डीएसपी चंदन वत्स सहित पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। साथ ही दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर एसपी अजय कुमार ने कहा कि मृतक के परिवार को हर संभव मदद की जाएगी। इन लोगों ने भी दी श्रद्धांजलि मेजर मंटू यादव, रजरप्पा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार, यातायात थाना प्रभारी गजेंद्र कुमार पांडे, मांडू सर्किल इंस्पेक्टर रजत कुमार, पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार, घाटो ओपी प्रभारी दीपक कुमार, कुजू प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, दिगंबर पांडे, रंजीत यादव, मो नौशाद, आशीष गौतम सहित पुलिस मेंस एसोसिएशन के तपेश्वर साव, दिनेश कुमार सुमन, लव कुश मेहता, इंद्रदेव कुमार, रघु पासवान सहित कई पुलिस अधिकारी और कमी ने भी श्रद्धांजलि दी।

प्रतिभागियों ने वीडियो बनाने तथा एडिट करने की कला सीखी : डॉ इंद्रजीत कुमार

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पीएम उषा के मेरु कार्यक्रम के तत्वावधान में मूक: डिजाइन और डेवलपमेंट₹ विषय पर आयोजित कार्यशाला के सोमवार को तीन दिन पूरे हुए। कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा की पहल पर आयोजित कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए कोऑर्डिनेटर डॉ इंद्रजीत कुमार ने बताया कि पहले तीन दिन एनसीईआरटी, नई दिल्ली के डॉ गौरव सिंह ने बेहतरीन अंदाज में कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने बताया कि डॉ गौरव सिंह ने ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार करने की बारीकियों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। इसके अलावा पाठ्यक्रम के अनुसार मॉड्यूल तैयार करना तथा मॉड्यूल में शिक्षण के विभिन्न आयामों को समायोजित करने की कला बताई। सोमवार को डॉ गौरव सिंह ने प्रतिभागियों को शिक्षण सामग्री पर वीडियो बनाने तथा उसकी एडिटिंग करने की भी तकनीक सिखाया। डॉ इंद्रजीत कुमार ने बताया कि अगले तीन दिनों की कार्यशाला का संचालन हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मधुसूदन जे वी तथा इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अजीत कुमार सिंह संसाधन पुरुष के रूप में करेंगे। यह लोग कई नई चीजों की जानकारी के साथ-साथ पहले के तीन दिन के कार्यशाला में तैयार किए गए शिक्षण सामग्री को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में अपलोड करने की तकनीक की जानकारी देंगे।

विभावि भौतिकी विभाग के छात्रों ने सफलता का परचम लहराया

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग के सत्र 2023-25 के छात्र राहुल कुमार रब्बानी और सत्र 2021-23 के छात्र अरविंद कुमार ने बहु प्रतिष्ठित जॉइंट एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट 2025 में सफलता हासिल की है। इसके अलावा सत्र 2021-23 के छात्र सोनू कुमार ने नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण कर एनपीएल, नई दिल्ली में पीएचडी के लिए चयनित हुआ है। वहीं सत्र 2019-21 के छात्र संतोष कुमार तथा 2022-24 के छात्र अरविंद कुमार, आलोक कुमार और राहुल ने नेट-पीएचडी में सफलता प्राप्त की है। विभाग के 2017-19 सत्र के विद्यार्थी शशांक शेखर ने नेट-जेआरएफ में सफलता प्राप्त कर आईआईटी मुंबई में पीएचडी में सफलतापूर्वक भारती प्राप्त किया है। भौतिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ लक्ष्मी शिवेशवरी, पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ निहारिका यादव तथा शिक्षक डॉ राखो हरि, डॉ नवीन चंद्रा एवं डॉ राकेश पांडे ने इस वर्ष सफलता प्राप्त किया सभी छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम हेतु संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

हजारीबाग : सोमवार को जिला मलेरिया कार्यालय एवं पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हजारीबाग जिले में दिनांक 10 से 25 अगस्त 2025 तक आयोजित मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन टाउन हॉल, हजारीबाग में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उपविकास आयुक्त, हजारीबाग द्वारा की गई। कार्यशाला में ज़िले के सभी विभागों से संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित हुए जिसमे नगर आयुक्त, जिला परिषद् के अध्यक्ष, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सहायक नगर आयुक्त, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी ब्लाक प्रमुख, बाल विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सभी लेखा प्रबंधक एवं बी.टी.टी. उपस्थित हुए. प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ज़िले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, दवा वितरण की रणनीति, जनजागरूकता अभियान, तथा विभिन्न विभागों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने सभी विभागों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

एक नजर

17 बच्चों में निशुल्क चश्मे का वितरण किया गया

साहिबगंज: मारवाड़ी युवा मंच शाखा साहिबगंज की ओर से दीप अस्पताल एवं संस्था सुंदर के सहयोग से पिछले दिनों नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें बच्चों को दवा दी गई थी, साथ ही जिन बच्चों को चश्मे की आवश्यकता थी उसका नंबर संग्रहित किया गया था। उक्त 17 बच्चों का निशुल्क चश्मा वितरण आज कर दिया गया है। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष गोकुल टीबडेवाल, कोषाध्यक्ष ऋषभ खुडानिया, सचिव शवेता चौधरी उपस्थित थे।

गंगा कटाव निरोधक कार्य का हिस्सा ढहा विडिओ वायरल

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर से श्रीधर क्लोनी नम्बर दस तक गंगा पम्प नहर साहिबगंज की ओर से 7.54 करोड़ की लागत से गंगा कटाव निरोधक कार्य अभी आधा भी पूरा नहीं हुआ है। इधर सोमवार के दोपहर बोल्डर पिचिंग का एक हिस्सा गंगा कटाव में समा गया। जिसका वीडियो क्षेत्र में वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने इससे पूर्व कार्य के गुणवत्ता को लेकर शिकायत किया था। हालांकि शिकायत मिलने के बाद विभाग के कार्यपालक अभियंता बलेश्वर मुर्मू के नेतृत्व में टीम ने जांच भी किया था। जांच के दौरान कार्य में प्रयुक्त घटिया समाग्री को हटाने का निर्देश दिया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके वावजूद संवेदक द्वारा कार्य में कोई सुधार नहीं किया है।

तेज रफ्तार कार के धक्के से अधेड़ घायल, रेफर

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा पंचगढ़ निवासी राजेश सिंह को एक तेज रफ्तार कार ने धक्का मार दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उक्त व्यक्ति किसी कार्य के लिए जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। परिजनों ने तुरंत उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने इलाज किया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने एंबुलेंस की मदद से लेकर चले गए। जिरवाबाड़ी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर ली है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

ऑटो चालकों को बड़ी राहत, परिवहन विभाग ने लगाया विशेष निबंधन शिविर

साहिबगंज: जिले के परिवहन कार्यालय में आज साहिबगंज जिले में चल रहे जांच अभियान के तहत हड़कंप मचने के कारण आज साहिबगंज जिले के परिवहन विभाग द्वारा ऑटो चालकों के लिए राहत का दिन रहा। परिवहन विभाग ने विशेष शिविर लगाकर ऑटो चालकों को निबंधन हेतु 3150 रुपए का निबंधन शुल्क 5 साल के लिए निर्धारित किया है। आज साहिबगंज जिले के ओटो चालकों के लिए राहत भरा खबर रहा विशेष कुछ दिनों से गाड़ी के लाइसेंस और कागजात की जांच पड़ताल उच्च स्तर पर की जा रही थी। इससे ऑटो कर्मियों के साथ-साथ आम जनों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान हेतु परिवहन पदाधिकारी ने विशेष शिविर आयोजित कर ऑटो चालकों के लिए बहुत बड़ी राहत देते हुए समस्या के समाधान हेतु कदम उठाया है, जिससे कि ऑटो चालकों में हर्ष का माहौल देखा गया।

सावन की तीसरी सोमवारी पर सूर्य मंदिर धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सावन की तीसरी सोमवारी के अवसर पर सीदगोड स्थित सूर्य मंदिर धाम में भव्य जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की अगुवाई में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ पर सुल्तानगंज से लाए गए पवित्र गंगाजल से जलाभिषेक किया। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह परंपरा पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ निभाई गई, लेकिन इस बार श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या को देखते हुए पहली बार मंदिर परिसर में अर्घ्य प्रणाली का प्रयोग किया गया, जिससे भक्तों को व्यवस्थित ढंग से जल चढ़ाने की सुविधा मिल सकी। भव्य कलश यात्रा हरि मंदिर के पास से शुरू हुई और सूर्य मंदिर तक पहुंची। यात्रा में शामिल भक्त 'हर हर महादेव', 'जय भोलेनाथ', 'बोल बम' के नारे लगाते हुए बैंड-बाजे के साथ झूमते, नाचते मंदिर परिसर पहुंचे। पूरा वातावरण शिवमय हो गया था। गंगा जल से भगवान शंकर का जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस मौके पर कहा कि पिछले 18 वर्षों से यह आयोजन सतत रूप से होता आ रहा है। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम नहीं जा पाते, उनके लिए यह स्थान वैकल्पिक तीर्थ बन चुका है। यहां सुल्तानगंज से लाया गया गंगाजल चढ़ाकर भक्तजन बाबा भोलेनाथ से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने भगवान शिव से सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव भक्त मंडल, स्थानीय सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जलपान, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह चाक-चौबंद रही, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

समाहरणालय में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अधिकारियों ने रखा दो मिनट का मौन

- समाहरणालय स्थित सभागार में शोक सभा का हुआ आयोजन
- सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार समेत अन्य सभी पदाधिकारियों और कर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पदाधिकारियों और कर्मियों द्वारा परमात्मा से दिवंगत को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवार को दुख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

एक प्लास्टिक का बोरा लायेगा नया सवेरा

- प्लास्टिक अपशिष्ट कचरा प्रबंधन के लिए एक जन आंदोलन शुरू करें और अपने पाकुड़ को स्वच्छ और स्वस्थ बनाएं
- दैनिक जीवन में लाएं बदलाव प्लास्टिक की जगह दूसरी चीजों का करें इस्तेमाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 अंतर्गत जिला जल स्वच्छता समिति पाकुड़ के द्वारा कचरा प्रबंधन को लेकर वृहद स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसमें एक मुख्य बिंदु है प्लास्टिक अपशिष्ट कचरा प्रबंधन तथा पॉलिथीन को एक जगह एकत्रित करके रखना इस बाबत जिले के प्रत्येक गांव में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के जलसहिया दीदी के द्वारा घर-घर गृह भ्रमण कर घर के आसपास एक प्लास्टिक का बोरा रखने का आह्वान किया जा रहा है जिसमें पॉलिथीन या सिंगल युज जैसे प्लास्टिक को जमा करके रखा जा सके क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि हम कोई भी खाद्य सामग्री बाजार हाट से लाते हैं तो उसके साथ प्रतिदिन कई तरह के प्लास्टिक सिंगल युज प्लास्टिक घरों में यूं ही कचरा के रूप में आ जाता है। इसके उचित प्रबंधन को लेकर जिले में एक उपाय अपनाया जा रहा है कि हम उस सिंगल यूज प्लास्टिक अथवा पॉलिथीन को इधर-उधर ना फेंक कर उक्त प्लास्टिक के बोरे में ही इसको एकत्रित करें तथा इसका प्रबंध घरेलू स्तर पर ही करें क्योंकि यदि इस पॉलिथीन या प्लास्टिक को हम इधर-उधर फेंकते हैं तो यह अनावश्यक रूप से एक कचरा का रूप ले लेता है और कई तरह के पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है जैसे प्लास्टिक कूड़ा नाले में बह कर जाता है और पानी के स्रोत को बंद कर देता है। रिसाव के कारण भूमि के ऊपर और भूमि के नीचे के जल का स्रोत दूषित हो जाता है। खाद्य पदार्थों के साथ फेके जाने पर आवारा पशु उसे खा जाते हैं जिससे कि उनकी मौत भी हो जाती है। कुछ लोग इसे जलाकर समाप्त करने की कोशिश करते हैं जो कि यह गलत है और यह पर्यावरण को दूषित करता है।

स्वास्थ्य विभाग बरहरवा की ओर से लगातार पांच दिन तक डायरिया शिविर लगाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : सोमवार को स्वास्थ्य विभाग बरहरवा द्वारा डायरिया की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे विशेष नियंत्रण अभियान के अंतर्गत आज लगातार पांचवे दिन भी राणिग्राम हेल्थ सब सेंटर अंतर्गत माधोपाड़ा ग्राम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार के मार्गदर्शन एवं निगरानी में आयोजित हुआ। इस अभियान में सीएचओ रणवीर, एएनएम कनिका रॉय, जयदेव और बीपीएम की सक्रिय भागीदारी रही। इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य डायरिया जैसी जलजनित बीमारी की रोकथाम, समय पर जाँच, आवश्यक औषधियों की आपूर्ति, और ग्रामीणों को स्वच्छता एवं सुरक्षित जल सेवन के प्रति जागरूक करना रहा। स्वास्थ्य जाँच और उपचार शिविर में ग्रामीणों विशेषकर बच्चों, वृद्धों एवं महिलाओं की प्राथमिक जांच की गई। दस्त, उल्टी, बुखार जैसे लक्षणों पर विशेष ध्यान दिया गया। संदिग्ध लगभग 90 रोगियों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। पेयजल स्रोतों का सर्वेक्षण स्वास्थ्य टीम द्वारा माधोपाड़ा के प्रमुख जल स्रोतों कुएँ हैंडपंप एवं नल का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान यह जानकारी मिली कि कुछ ग्रामीण अब भी कुएँ का जल पीने का प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे सभी स्रोतों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर उन्हें कीटाणु रहित किया गया।

दो दिनों के भीतर लाभुकों का भौतिक सत्यापन का कार्य पूरा करें : जीपीएस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में सोमवार को प्रभारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन की अध्यक्षता में सभी पंचायत सचिव व पंचायत सहायकों की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान प्रभारी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सुमन ने विभिन्न पंचायतों में चल रहे वृद्धा पेंशन योजना के लाभुकों का भौतिक सत्यापन कार्यों की बारी-बारी से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान भौतिक सत्यापन का कार्य धीमी गति को लेकर नाराजगी जताई। कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं प्रभारी जीपीएस ने बताया कि पूरे प्रखंड क्षेत्र में कुल 4763 में से 2564 लाभुकों का भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया गया है। जबकि भौतिक सत्यापन के क्रम में 300 लाभुक मृत्य पाए गए है। उन्होंने शेष बचे 1899 लाभुकों का भौतिक सत्यापन का कार्य दो दिनों के भीतर हर-हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्यों से अपील किया कि लाभुकों को चिह्नित कर उनका भौतिक सत्यापन करने को कहा गया। वहीं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद ने कहा कि वृद्धा पेंशन योजना के लाभुकों का भौतिक सत्यापन का कार्य पंचायत सहायकों को शत प्रतिशत पूरा करने की जिम्मेदारी है।

तीसरा सोमवारी को बाबा मोतीनाथ धाम में 35 हजार कांवरियों ने पूजा अर्चना किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी : प्रखंड के महराजपुर स्थित बाबा मोतीनाथ धाम मंदिर में सावन की तीसरी सोमवारी को करीब पैंतीस हजार कावरियों ने जलार्पण किया। सोमवार को सुबह से ही कावरियों की भीड मोटरसाइकिल, टेम्पु ,टोटो,चार चक्का वाहन,बस एवं ट्रेन से महराजपुर में रात्रि को ही गंगा घाट में उमड़ने लगी थी।महराजपुर स्टेशन से मोती झरना मोतीनाथ धाम तक हर हर महादेव, बोलबम, बोलबम के नारे से क्षेत्र से गुंजयमान हो रहा था। मोती झरना स्थित मोतीनाथ धाम में महादेव के दर्शन के लिए रात्रि एक बजे से ही कावरिया पहुंचने लगे थे। तीसरी सोमवारी को भी बिहार, पश्चिम बंगाल व झारखंड समेत आसपास के इलाको से हजारों- हजार की संख्या में कावरियो ने मोतीनाथ धाम में जलार्पण किया। मंदिर परिसर में कावरियों के जरूरत का हर सामान बाबा के दरबार में मिल रहा था। फूल माला, प्रसाद, मखाना, चुड़ा, माला आदि की बिक्री की जा रही थी। पवित्र सोमवार होने के कारण स्थानीय श्रद्धालु भी पूजा अर्चना को लेकर मोती नाथ धाम में शाम तक भीड़ लगा रहा। सावन की तीसरी सोमवारी पर फूल, बेलपत्र, दुध, प्रसाद एवं नारियल की अच्छी बिक्री हुई। कावरियों का कहना है की सावन पर नवविवाहित व कन्या व्रत करती है और फूल व बेलपत्र माला बनाकर भगवान शंकर को चढ़ाने से वे काफी प्रसन्न होते है उनकी मुरादें पुरी करते है। मोतीनाथ धाम विकास समिति के सदस्य तन मन से कावरियों की सेवा में जुटे है। बाहर से आये कावरियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय के द्वारा चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है एवं इसका विशेष ध्यान रखा गया। कमेटी के द्वारा मुख्य गेट से लेकर मंदिर प्रांगण तक अपने सदस्यों को देख रेख के लिए लगाया गया। समिति के सदस्य कावरियों को सुविधा देने में लगे है। सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया की मंदिर में जलार्पण के लिए पुख्ता इंतजाम है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मेडिकल कैंप लगाया गया था। जिसमें श्रद्धालु को किसी भी तरह के स्वाथय संबंधित समस्या होने पर उसका तुरंत उपचार किया जा सके। मौके पर तालझारी थाना से थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय, एसआई अनिल कुमार, कन्हैया प्रसाद साह, एएसआई , चंदु राय मुंडा सहित थाना एवं जिला से अतिरिक्त पुलिस बल, मोती नाथ धाम के कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी के साथ दुष्कर्म मामले में पुलिस ने एक अधेड़ व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दुष्कर्म करने के आरोप में एक अधेड़ व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार हाजीपुर राज गांव निवासी शिव शंकर ठाकुर का 58 वर्ष पुत्र भिखारी ठाकुर ने कक्षा 9 के किशोरी के साथ जनवरी 2025 से दुष्कर्म कर रहा था। जब परिजनों को 25 जुलाई 2025 को मालूम हुआ तो परिजनों ने 26 जुलाई 2025 को किशोरी से पूछा तो उन्होंने बताया कि उक्त अभियुक्त भिखारी ठाकुर गोतिया में बड़े पापा लगते हैं जो उक्त अभियुक्त के नतनी के साथ खेलती थी और उक्त किशोरी के साथ कुछ महीनो से शारीरिक संबंध बना रहा था, शारीरिक संबंध बनाने से गर्भधारण हो गया था। जहां मामला का खुलासा होने के बाद सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करने के बाद उक्त किशोरी का चार महीने का गर्भधारण पॉजिटिव पाया गया। मुफस्सिल थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट दर्ज कर उक्त अभियुक्त को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया करने के उपरांत सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के बाद न्यायिक रियासत में जेल भेज दिया है।

मानव तस्करी के विरुद्ध आरपीएफ ने चलाया अभियान, चार नाबालिग बच्चे बरामद

बरहरवा: मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक कुरीति के खिलाफ रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा लगातार सजगता बरती जा रही है। इसी क्रम में 27 जुलाई 2025 की रात 8 बजे से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा एक विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने किया, जिनके साथ सहायक उप निरीक्षक सुरेश पासवान, आरक्षी अनील कुमार सह, आरक्षी जय कुमार सिंह तथा बाल संरक्षण संस्था ₹बाल मंथन₹ की प्रतिनिधि अंशु मालाकार मौजूद थीं। अभियान के दौरान जब जांच टीम प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर स्थित लिफ्ट के समीप पहुँची, तो उन्होंने तीन नाबालिग लड़कों को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाया। पूछताछ करने पर दो बच्चों ने स्वयं को साहिबगंज जिला अंतर्गत रांगा थाना क्षेत्र का निवासी बताया। उन्होंने बताया कि वे घर से बिना बताए भागकर पहले बरहरवा, फिर हावड़ा होते हुए चेन्नई काम की तलाश में जा रहे थे। तीसरे नाबालिग ने अपना निवास स्थान उधवा थाना, साहिबगंज बताया और कहा कि वह अपने माता-पिता को बिना सूचित किए दिल्ली जाने के लिए घर से निकला है। आरपीएफ की टीम जब तीनों नाबालिगों को लेकर पोस्ट की ओर लौट रही थी, उसी दौरान बरहरवा रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार के पास एक नाबालिग लड़की संदिग्ध स्थिति में घूमती मिली। पूछताछ में उसने बताया कि वह बरहेट थाना क्षेत्र, साहिबगंज की निवासी है। उसने यह भी बताया कि उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और वह अपने भैया-भाभी के साथ रहती है। बिना किसी को कुछ बताए वह लखनऊ काम की तलाश में जा रही थी। सभी चारों बच्चों की गतिविधियों और कथनों से आरपीएफ टीम संतुष्ट नहीं हो सकी, जिसके कारण उन्हें बाल सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल आरपीएफ पोस्ट, बरहरवा लाया गया। वहां सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। इसके उपरांत चारों नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रूप से बाल संरक्षण संस्था 'बाल मंथन', साहिबगंज की प्रतिनिधि अंशु मालाकार के हवाले कर दिया गया, ताकि बच्चों के भविष्य की रक्षा हो सके और उन्हें सही परामर्श व पुनर्वास मिल सके। सुरक्षा और सतर्कता का परिचय देते हुए आरपीएफ की इस तत्परता से एक बार फिर यह संदेश गया है कि रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी या बच्चों के शोषण जैसे मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने आरपीएफ और बाल मंथन संस्था की इस सराहनीय कार्रवाई की जमकर प्रशंसा की है।

रेलवे स्टेशन साहेबगंज में बाल संरक्षण पर को ऑर्डिनेशन बैठक आयोजित

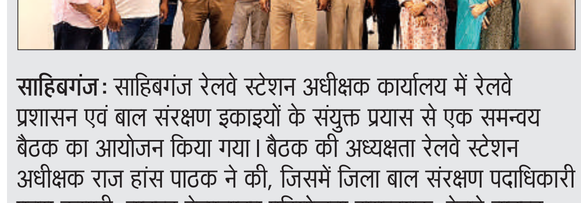

साहिबगंज: साहिबगंज रेलवे स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में रेलवे प्रशासन एवं बाल संरक्षण इकाइयों के संयुक्त प्रयास से एक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता रेलवे स्टेशन अधीक्षक राज हांस पाठक ने की, जिसमें जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक, रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मी, आरपीएफ तथा जीआरपी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशन परिसर में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण से संबंधित मामलों की रोकथाम के लिए साझा रणनीति तैयार करना था। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि जोखिमग्रस्त अथवा भटके हुए बच्चों की समय पर पहचान और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करने की दिशा में समन्वित प्रयास जरूरी हैं। साथ ही, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के प्रचार-प्रसार को स्टेशन परिसर में प्राथमिकता दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक होकर बच्चों की सहायता कर सकें। विभागीय समन्वय और सूचना साझाकरण की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया गया।

शादी का झांसा देकर अपहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत शादी की नीयत से बालिका को अगवा करने के मामले में एहतेशाम शेख नाम के युवक को राजमहल थाना की पुलिस ने गिरफ्तार जेल भेज दिया है। वही जानकारी देते हुए राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने बताया कि आरोपी युवक राजमहल थाना क्षेत्र के हाजी टोला निवासी है और उसने शादी की नीयत से एक बालिका को अपहरण कर लिया था। इस मामले में बालिका की परिजनों ने युवक के विरुद्ध थाने में अपहरण करने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर बालिका को बरामद कर लिया।

पटना जंक्शन में ट्रैक डूबे, ट्रेनें फंसी

पटना। बिहार में मानसून एक्टिव है। पटना में रविवार पूरी रात हुई बारिश से हालत बिगड़ गए हैं। सोमवार को भी बारिश हो रही है। पटना जंक्शन में रेलवे ट्रैक डूब गए हैं। जिसके कारण कई ट्रेनें फंसी हुई है। खास कर पटना-गया लाइन की पैसेंजर ट्रेन अलग-अलग स्टेशन पर रुकी हुई है। जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। स्टेडियम, गांधी मैदान, नालंदा मेडिकल कॉलेज कैंपस समेत कई इलाके में भारी जलजमाव है। इधर, पटना स्टेशन के बाहर 2 फीट पानी भर गया है। कंकड़बाग और पटना सिटी में भी ऐसे ही हालात हैं। लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है।

पटना के राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के बाहर भी पानी भरा हुआ है। डाकबंगला चौराहे पर भी पानी भरा हुआ है। बारिश की वजह से पटना के कुछ प्राइवेट स्कूल आज बंद हैं। खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कटिहार दौरा रद्द हो गया है। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाएगा।मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को राज्य के 27 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, इन जिलों में बारिश और गर्जन के साथ बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना भी जताई गई है। इन जिलों में लोगों को बाहर निकलने से पहले मौसम की जानकारी लेने की सलाह दी गई है, ताकि वे आंधी, बिजली और तेज बारिश की स्थिति में सतर्क रह सकें। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में 1 जून से 27 जुलाई 2025 तक औसतन 258.0 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 43% कम है। यानी राज्य के अधिकांश हिस्सों में अब तक सूखे जैसे हालात बने हुए हैं। केवल गया एकमात्र ऐसा जिला है, जहां सामान्य से 20% अधिक बारिश हुई है। नवादा जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है। वीडियो नवादा के ओल्ड पावर हाउस का है। जहां ओल्ड पावर हाउस पानी में भर गया है। जिसके कारण कादरगंज टाउन वन और दो फीडर पूरी तरह से ठप है। सोमवार सुबह से ही बिजली सप्लाई को ठप कर दी गई है। पानी के कारण पावर हाउस में लगे कई उपकरण भी खराब हुए हैं। जिसे ठीक करने का काम जारी है। वहीं पावर हाउस के पूरे यार्ड में पानी भर गया है जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बहाल करना काफी मुश्किल हो रही है। फिलहाल बिजली विभाग व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगा है, देर शाम तक ही बिजली सप्लाई शुरू होने की बात कही जा रही है।

मुंगेर में रविवार रात से रुक-रुक कर लगातार बारिश हो रही है। पहाड़ से उतरने वाले बारिश की पानी से पाटम रेलवे हॉल्ट के पास पुलिया के नीचे से पानी का तेज बहाव देखा गया। समस्तीपुर में पिछले 1 घंटे से झमाझम बारिश हो रही है। कुछ इलाकों में पानी भर गया है। 12-13 घंटे की बारिश से पटना पानी-पानी हो चुका है। पटना जंक्शन में रेलवे ट्रैक डूब गए हैं। चिरैयाटांड़ पुल से पटना जंक्शन का नजारा देखिए। जिनके जिम्मे पूरे शहर की व्यवस्था है, वो नगर निगम खुद पानी में डूबा है।बांकीपुर में पटना नगर निगम ऑफिस में पानी भर गया है। भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव देखा गया। वीडियो बिहार विधानसभा के बाहर से है।पटना के राजेन्द्र नगर इलाके में भारी जल जमाव हो गया है। सड़क की दोनों लेन डूबी हुई है। जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पटना के कदमकुआं में मोइनुल हक स्टेडियम के पास भारी जल जमाव है। बिहार में मानसून पूरी तरह एक्टिव है। सोमवार को किशनगंज में तेज बारिश हो रही है। पटना का बिहार बोर्ड ऑफिस भी पानी में डूब गया है। कर्मचारी घुटने भर पानी में चल कर आना-जाना कर रहे हैं। पटना के बहादुरपुर फ्लाई ओवर के नीचे भी पानी भर गया है। गाड़ियों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। ओल्ड बाईपास पर राजेंद्रनगर कोचिंग कॉम्प्लेक्स के पास भी पानी भर गया है। लोगों को आनेजाने में परेशानी हो रही है। नालंदा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में भी पानी भर गया है। अस्पलात-कॉलेज जाने वाले रास्ते में पानी ही पानी है। पटना में जल जमाव के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। इंजन में पानी भरने से गाड़ियां बंद हो गई। एक युवक अपनी स्कूटी धकेलता दिखा। पटना के बेली रोड में भी 3 फीट तक पानी भर गया है। घुटनों तक भरे पानी में बच्चियां स्कूल जाती दिख रही हैं। 10-11 घंटों की बारिश में पटना पानी-पानी हो गया है। पटना सदर ब्लॉक जाने के रास्ते में भारी जलजमाव है। पटना के पॉश इलाके बोरिंग रोड में कई जगह पानी भर गया है। घुटने भर जमा पानी में लोग चलने को मजबूर हैं। नालंदा में लगातार हो रही बारिश से रांची रोड के भैंसासुर देवी स्थान के पास मुख्य सड़क पर 2 फीट पानी भर गया है। पटना के पॉश इलाके में शामिल बोरिंग रोड के नेहरू मुहल्ले में पानी भर गया है। नवादा में देर रात बारिश के बाद कई इलाकों में जल जमाव हो गया है। सदर अस्पताल में पानी ही पानी नजर आ रहा है। मरीजों और परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पटना के बाढ़ के पंडारक प्रखंड में कोन्दी पंचायत के पूरनबीघा गांव के वार्ड नंबर 13 में बारिश के बाद पानी भर गया है। वीडियो पटना सिटी के गुलजारबाग हाट का है। जहां बारिश से हुए जलजमाव में बच्चे खेलते नजर आए।

पटना एम्स में डॉक्टरों की ड्यूटी का नया रोस्टर जारी

पटना। एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने डॉक्टरों के लिए नया ड्यूटी रोस्टर जारी किया है। अब जूनियर डॉक्टरों को 36 घंटे की लंबी शिफ्ट के बजाय सिर्फ 8 घंटे की ड्यूटी करनी होगी। यह बदलाव एम्स के एमएस प्रथम वर्ष के डॉक्टर यदुवंश साहू की दुखद मौत के बाद छात्रों की मांग पर किया गया है। नए रोस्टर के अनुसार, डॉक्टरों की ड्यूटी सुबह 9 से शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। विभाग की प्रमुख डॉक्टर मुक्त अग्रवाल के तैयार किए गए इस रोस्टर में ओपीडी वार्ड, इलेक्ट्रिक ओटी, माइनर ओटी और लेबर रूम के लिए अलग-अलग डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। ओपीडी में डॉक्टर पूजा, डॉक्टर प्रीति, डॉक्टर दिव्या, डॉक्टर सुशील और डॉक्टर निधि को तैनात किया गया है।

वार्ड में डॉक्टर वरसानी, डॉक्टर एलीना, डॉक्टर पूर्णिमा, डॉक्टर गरिमा और डॉक्टर प्रिया की ड्यूटी लगाई गई है।इलेक्ट्रिक ओटी में डॉक्टर सुप्रिया, डॉक्टर किशोरी, डॉक्टर प्रगति, डॉक्टर आकांक्षा और डॉक्टर निकिता नव्या को नियुक्त किया गया है। माइनर ओटी के लिए डॉक्टर मुस्कान और डॉक्टर इरम को जिम्मेदारी दी गई है। लेबर रूम के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। टीम ए में डॉक्टर रणवीर, डॉक्टर एनम और डॉक्टर चीचीव शामिल हैं। टीम बी में डॉक्टर अंजली, डॉक्टर हीरा और डॉक्टर मोनिका हैं। टीम सी में डॉक्टर आकांक्षा, डॉक्टर लादिया और डॉक्टर सेजल को रखा गया है। एक टीम छुट्टी पर रहेगी इस व्यवस्था के तहत, अगर टीम ए को सुबह की शिफ्ट और टीम बी को रात की शिफ्ट मिलती है, तो टीम सी को उस दिन छुट्टी दी जाएगी।

बीमा भारती पर धमकी देने और मारपीट का आरोप

पूर्णिया। के रुपौली से पूर्व विधायक और RJD की प्रदेश उपाध्यक्ष बीमा भारती पर मारपीट का आरोप लगा है। उनके पति अवधेश मंडल की दूसरी पत्नी गुड़िया मंडल ने जान से मारने की धमकी देने, मारपीट और मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। इस संबंध में भवानीपुर थाने में आवेदन दिया है। वहीं, बीमा भारती ने आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। इसे साजिश बताया है। थाना को दिए आवेदन में गुड़िया मंडल ने कहा, 'शनिवार शाम बीमा भारती अपने सहयोगियों के साथ भवानीपुर वार्ड 9 स्थित आवास पर पहुंची। मुझसे थार की चाभी मांगने लगी। इस पर मैंने कहा कि चाभी तो पति अवधेश मंडल के पास है। आप उनसे मांग लीजिए। इतना सुनते ही मुझे भद्दी-भद्दी गालियां देने लगी। अपने सियासी रसूख की धमकी देते हुए जान से मरवाने की धमकी दी। बीमा भारती के सहयोगी संजय कुमार, पंकज कुमार और बिजली कुमार ने हाथ पकड़कर जबरदस्ती मेरा मोबाइल छीन लिया।'गुड़िया मंडल ने आगे कहा, 'इससे पहले भी बीमा भारती ने मारपीट की थी। जान से मारने की धमकी भी दे चुकी है। इसके बाद मेरे सहयोगी अशोक शर्मा की बेटी गुड़िया शर्मा की चप्पल से पिटाई कर दी। उसे इस घर में आने से मना करा दिया। धमकी देते हुए कहा कि अगर यहां आओगी तो जान से मरवा देगी।'गुड़िया शर्मा ने कहा, 'बीमा भारती और उनके सहयोगियों ने अभद्र व्यवहार किया है। पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है। ये काम रामचंद्र मंडल के इशारे पर किया गया है। रामचंद्र मंडल की गतिविधि आपराधिक है। जिसकी जांच होनी चाहिए।' वहीं, इस मामले पर अपना पक्ष रखते हुए बीमा भारती ने कहा, शनिवार को अपने घर पर थार लेने आई थी। उस समय भवानीपुर थाना के एसआई मनोज कुमार भी दल बल के साथ मौके पर मौजूद थे। मेरे ऊपर लगाए गए आरोप पूरी तरह वे बुनियाद है। फंसाने की साजिश है। साजिश के तहत मेरे खिलाफ आवेदन दिया गया है।' आवेदन के आधार पर जांच में जुटी पुलिस इस संबंध में भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि समूचे घटनाक्रम को लेकर आवेदन मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति की लाश पड़ी थी, मैं संबंध बना रही थी

मर्डर के बाद साढ़े 4 घंटे बॉयफ्रेंड के साथ कमरे में रही, अस्मिता ने बताई पूरी कहानी

'समस्तीपुर। पति की लाश जमीन पर पड़ी थी और मैं अपने प्रेमी के साथ संबंध बना रही थी। मैं करीब साढ़े 4 घंटे तक बॉयफ्रेंड के साथ कमरे में रही। मेरा पति सोनू रोजाना देर रात शराब के नशे में आता था और मुझे गालियां देता था, मारपीट करता था। ये सब कुछ मैं लंबे समय से बर्दाश्त कर रही थी।' ये बातें पति की हत्या में शामिल पत्नी ने अपने कबूलनामा में समस्तीपुर पुलिस से बताई है। पेशे से ई-रिक्शा चलाने वाले 30 साल के सोनू झा की हत्या मामले में उसकी पत्नी 27 साल की अस्मिता झा से रविवार को पुलिस ने 8 घंटे तक पूछताछ कीसमस्तीपुर पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान अस्मिता झा से कई सवाल पूछे गए। हालांकि, शुरूआत में उसने सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। लेकिन जब महिला पुलिसकर्मियों की ओर से सख्ती बरती गई तो उसने बताया कि पति सोनू को शराब पीने की आदत थी। उसकी कमाई भी उतनी नहीं थी, जिससे मैं अपने शौक पूरा नहीं कर पाती थी। 6 साल की बेटी और 4 साल के बेटे को पढ़ाना-लिखाना था, लिहाजा उनके लिए गांव में रहने वाले ट्यूशन टीचर 25 साल के हरिओम झा को मैंने दोनों बच्चों को पढ़ाने के लिए कहा। 1500 रुपए फीस देती थी। एक दिन सोनू झा ने मुझसे मारपीट की थी, मेरे चेहरे पर सूजन था। हरिओम झा ने ये सब देखा तो पूछा कि भइया ने मारपीट की है क्या? इसके बाद मैंने सिलसिलेवार तरीके से हरिओम झा को पूरी कहानी बताई। जब उसने मेरी कहानी सुनी तो मुझसे हमदर्दी जताई। अस्मिता झा के मुताबिक, हरिओम झा के पास मेरा नंबर था। वो हमदर्दी जताने के लिए अक्सर फोन करता था और हालचाल जानता-पूछता था। ये सबकुछ मुझे अच्छा लगता था। एक दिन मैंने उससे प्यार का इजहार कर दिया। इसके बाद उसने मेरा प्यार स्वीकार किया और जब भी वो ट्यूशन पढ़ाने आता था, हम लोग क्वालिटी टाइम स्पेंड करते थे। इस दौरान हम दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। पति की हत्या की आरोपी पत्नी अस्मिता झा ने पुलिस को ये भी बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से सोनू मुझसे देहव्यापार करने का दबाव बनाता था। शराब के नशे में घर आता था और रात में तीन से चार बार शारीरिक संबंध बनाता था। इससे काफी ज्यादा परेशान हो गई थी। शुक्रवार की रात सोनू झा शराब पीकर घर पहुंचा था। मैंने उससे खाना खाने के लिए पूछा, लेकिन उसने खाना नहीं खाया और कमरे में आ गया। बेटी दूसरे कमरे में थी। सोनू ने पहले मुझसे शारीरिक संबंध बनाया। करीब 10 मिनट के बाद दोबारा शारीरिक संबंध बनाने को कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया। इसके बाद सोनू मुझसे मारपीट करने लगा और गाली-गलौच करने लगा। इसी दौरान मैंने चाय बनाने वाली केतली से उसके सिर पर पीछे से वार कर दिया, जिसके बाद वो जमीन पर गिर गया। सोनू के सिर से खून बहने लगा। इस घटना के बाद मैंने अपने प्रेमी हरिओम झा को कॉल कर घर बुलाया। जब हरिओम घर पहुंचा तो सोनू और हरिओम के बीच मारपीट हुई। इसी बीच सोनू का सिर दीवार से टकरा गया। फिर हम दोनों ने मिलकर चाय की केतली से सोनू के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। सोनू बेहोश हो गया। हम दोनों को लगा कि इसकी मौत हो गई है। लेकिन मौत को कन्फर्म करने के लिए हरिओम बिजली का तार लेकर आया और सोनू के बाएं हाथ और गर्दन में उसे लपेट दिया। इसके बाद गला घोंटा गया, फिर तार को करंट से जोड़ा गया। करीब पांच मिनट तक छटपटाने के बाद सोनू शांत हो गया। सोनू की मौत के बाद हम दोनों ने शारीरिक संबंध बनाया अस्मिता झा ने बताया कि सोनू की मौत के बाद हम दोनों को कोई घबराहट नहीं हुई। करीब दो घंटे तक हरिओम मेरे घर ही ठहरा रहा और इस दौरान हम दोनों ने शारीरिक संबंध भी बनाए। मारपीट के दौरान हरिओम के बाएं हाथ में चोट लग गई थी, जिसके बाद वो करीब चार बजे घर से निकलकर चला गया। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लगुनिया रघुकंठ गोरियारी टोल का है, जहां की रहने वाली अस्मिता झा ने अपने प्रेमी हरिओम झा के साथ मिलकर अपने पति सोनू की शुक्रवार की देर रात हत्या कर दी थी।

प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली पत्नी अस्मिता झा को पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लगुनिया रघुकंठ गोरियारी टोल का है, जहां की रहने वाली अस्मिता झा ने अपने प्रेमी हरिओम झा के साथ मिलकर अपने पति सोनू की शुक्रवार की देर रात हत्या कर दी थी। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली पत्नी अस्मिता झा को पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया।

संक्षिप्त डायरी

बाबा गरीबनाथ मंदिर में लगातार तीसरे सोमवार हंगामा

मुजफ्फरपुर। के बाबा गरीबनाथ मंदिर में लगातार तीसरे सोमवार को हंगामे की तस्वीरें सामने आई। आज सुबह आमगोला मुख्य कांवरिया पथ से लेकर मंदिर के गर्भगृह तक शिवभक्तों की सेवा में लगे युवाओं और पुलिस के बीच भिड़ंत के वीडियो सामने आई। इससे पहले भी पहली और दूसरी सोमवारी को मारपीट और अफरातफरी की तस्वीरें सामने आईं थीं। 28 जुलाई यानी तीसरी सोमवारी पर आमगोला स्थित मुख्य कांवरिया पथ पर भारी भीड़ के बीच सेवा दलों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान सेवादल में जुटे युवाओं की ओर से कुर्सी और बाल्टी फेंकने की घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया और सेवा में लगे युवक एक-दूसरे पर हमला करने लगे। इस दौरान श्रद्धालुओं को धक्का-मुक्की और भगदड़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें सेवा दल की मयार्दा तार-तार होती दिख रही है। पहली सोमवारी को सेवादल का सदस्य दूसरे सेवादल के सदस्यों, पुलिसकर्मियों से उलझा था इससे पहले पहली सोमवारी यानी 14 जुलाई को एक सेवा दल का सदस्य अपने परिचित को विशेष प्रवेश दिलाने के प्रयास में मंदिर में तैनात दूसरे सेवा दल और पुलिसकर्मियों से उलझ गया। अरघा के पास कहासुनी इतनी बढ़ी कि मौके पर तैनात सुरक्षा बल को बीच-बचाव करना पड़ा था। वहीं, दूसरी सोमवारी यानी 21 जुलाई को हालात और बिगड़े थे। इस बार मंदिर के अंदर ही सेवा दल के कुछ सदस्यों ने पुलिसकर्मियों से हाथापाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि किसी रूट या एंट्री को लेकर विवाद हुआ था। वीडियो में साफ देखा गया कि सुरक्षा में लगे जवानों को खुद अपनी सुरक्षा में मोर्चा लेना पड़ा। पुलिस की भूमिका और प्रशासन की चुप्पी तीनों सोमवारी की घटनाओं में स्थानीय पुलिस को हर बार मौके पर पहुंचकर हालात काबू में लेने पड़े। बावजूद इसके किसी सेवा दल पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं की गई। उधर, हर सोमवारी की इस अव्यवस्था से श्रद्धालुओं में भारी नाराजगी है।

मुजफ्फरपुर में छात्रा से रेप, 25 KM दूर झाड़ियों में फेंका

मुजफ्फरपुर। के औराई थाना क्षेत्र में अगवा कर नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। बेहोशी की हालत में घर से 25 किलोमीटर दूर सीतामढ़ी जिले के बॉर्डर पर झाड़ी में मिली है। सिर पर चोट के निशान हैं। प्राइवेट पार्ट से ब्लीडिंग हो रही थी। सबसे पहले उसे सीतामढ़ी में उसे भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर SKMCH रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने न्यूरो सर्जन से संपर्क किया है। पीड़िता अब तक बेहोश है। इस मामले में 2 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। बच्ची रविवार सुबह झाड़ियों में मिली थी। 24 घंटे बाद उसे होश आया है। उसके सिर में 10 टांके लगे हैं। हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़िता के पिता ने बताया कि बेटी 26 जुलाई को सुबह 11 बजे मोबाइल ठीक कराने के लिए घर से निकली थी। रात तक घर नहीं लौटी। इसके बाद खोजबीन शुरू की। रात भर खोजा, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। 27 जुलाई को सुबह जानकारी मिली कि सीतामढ़ी के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती है। वहां पहुंचने पर वह बेहोश पड़ी मिली। मोबाइल दुकानदार पिंटू शर्मा और उसके सहयोगी गणेश कुमार साह मेरे गांव के ही रहने वाले हैं। मिंटू शर्मा के दुकान पर मोबाइल ठीक कराने गई थी। पिंटू ने ही बेटी के साथ रेप किया है। बताया जा रहा है कि लड़की शनिवार सुबह 11 बजे घर से निकली थी। 12 बजे दुकान पर उसके साथ रेप किया गया। 12:30 बजे आरोपी अपने साथी गणेश के साथ अल्टो कार से लड़की को ले गया। रविवार को सीतामढ़ी के नेशनल हाईवे 527-उ पर झाड़ियों में फेंक दिया। रविवार को 2 बजे परिवार को इसकी जानकारी मिली। अभी SKMCH में छात्रा का इलाज जारी है।आरोपी और सहयोगी गिरफ्तार औराई थानाध्यक्ष राजा सिंह ने बताया कि किशोरी के पिता ने पहले अपहरण का आवेदन दिया था। जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

होटल में आग, खिड़कियों से कूदे लोग

पटना। के कोतवाली इलाके के डाकबंगला इलाके में मेफेयर होटल में सोमवार की रात आग लग गई। 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। होटल के अंदर मौजूद 15 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। बताया गया कि जिस वक्त आग लगी, उस वक्त होटल के अंदर 25 से 30 लोग मौजूद थे। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंची।इसके बाद एंबुलेंस भी मंगाई गई है। 5 लोगों को PMCH में भर्ती कराया गया है। वहीं, जान बचाने के लिए होटल के कमरे की खिड़की से 3 लोगों ने छलांग लगा दी थी। हालांकि सभी लोग सुरक्षित हैं। कोतवाली लॉ एंड ऑर्डर डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि '5 लोगों को PMCH में रेस्क्यू कर के भेज गया है। एक व्यक्ति को गंभीर रूप से कमर में चोट आई है। उन्होंने होटल के कमरे से छलांग लगा दी थी। फिलहाल स्थिति सामान्य है। जिस वक्त आग लगी उस वक्त काफी तेज बारिश हो रही थी। कोतवाली पुलिस की गश्ती गाड़ी वहां से गुजर रही थी। जैसे गश्ती गाड़ी पर मौजूद पदाधिकारी ने देखा कि आग लगी है, उन्होंने फौरन फायर और कोतवाली इंस्पेक्टर राजन कुमार को सूचना दी। फिर मौके पर तब तक अग्निशमन की गाड़ी पहुंच गई। लॉ एंड ऑर्डर डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद, जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजित कुमार, कोतवाली इंस्पेक्टर राजन कुमार, गश्ती पदाधिकारी ज्योति बसु ने खुद रेस्क्यू शुरू कर दिया। तब तक तीन लोगों ने आग की लपट देखकर कमरे से छलांग लगा दी। 15 लोग फंसे थे जिनको निकाला गया है जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने बताया कि 'आग पर काबू पा लिया गया है। लगभग 2 घंटे का समय लगा। आग की लपटें इतनी तेज थी कि पास वाली बिल्डिंग भी खाली करानी पड़ी।''आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव

बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।

अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।

बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।

नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।

समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

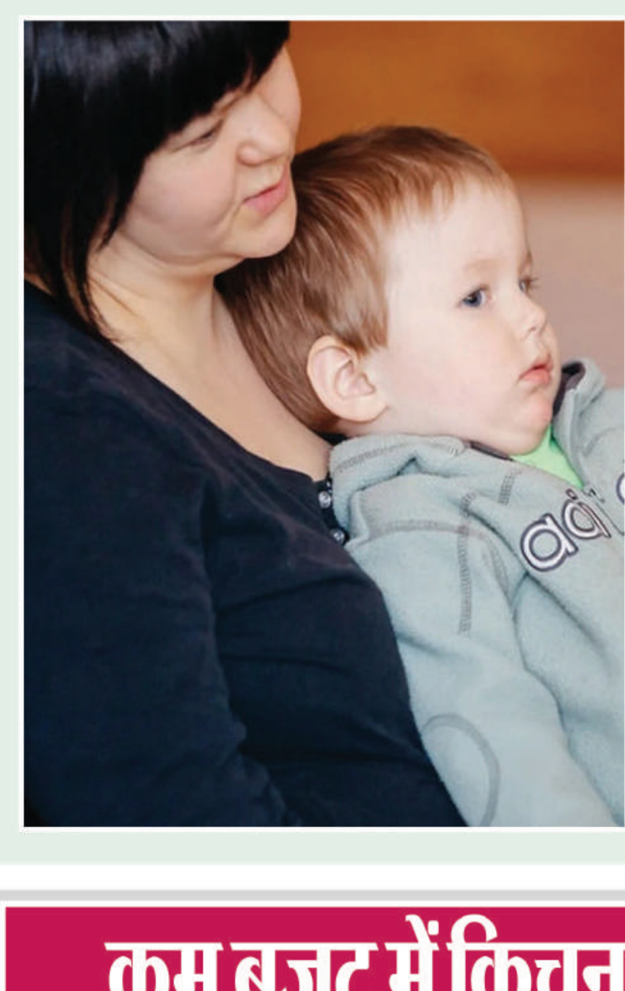

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी-इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं – मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं – तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं – तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं – अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें फ? नमो भगवते वासुदेवायफ या फहरि ?फ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला –तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर – यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल –

तुलसी को सूखने न दें, रोज पानी दें।

–उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।

–तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

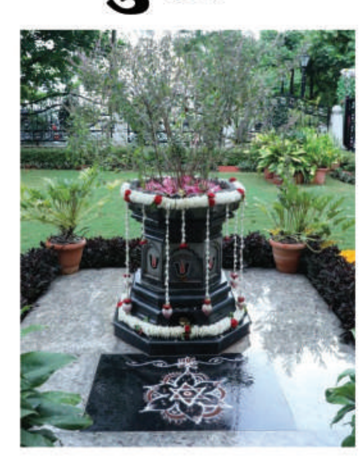

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लांट्स को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

रचा इतिहास! 19 साल की दिव्या देशमुख ने जीता चेस वर्ल्ड कप, बनीं पहली भारतीय महिला चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा चेस सनसनी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है! सिर्फ 19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया के बाटुमी में हुए इस प्रतिष्ठित वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हंपी को शिकस्त देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह चेस वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला चेस स्टार बन गई हैं।

यह दिव्या के करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने पिछले साल ही जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। अब इस खिताबी जीत के साथ ही वह भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं।

भारत ने पक्का किया था खिताब

जॉर्जिया के बाटुमी में पिछले करीब 3 हफ्तों से महिला चेस वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा था। दिव्या देशमुख ने पहले फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा, और फिर भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी भी फाइनल में पहुँच गईं। इससे यह तय हो गया था कि जीत चाहे जिसकी भी हो, खिताब भारत के हिस्से में ही आएगा और पहली बार कोई भारतीय महिला चेस वर्ल्ड कप चैंपियन बनेगी। मगर इस बार युवा जोश के आगे अनुभव को शिकस्त मिली।

कांटे की टक्कर और टाईब्रेक में फैसला

दिव्या और कोनेरू के बीच शनिवार, 26 जुलाई को फाइनल में पहली टक्कर हुई थी। इसमें 19 साल की इंटरनेशनल मास्टर दिव्या जीत के करीब नज़र आ रही थीं, मगर आखिरी मौके पर उन्होंने एक गलती की और कोनेरू ने वापसी करते हुए मैच को ड्रॉ करवा दिया। फिर रविवार को दोबारा दोनों की टक्कर हुई और इस बार भी मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऐसे में चैंपियन का फैसला करने के लिए टाईब्रेक की नौबत आई।

फाइनल के शुरुआती दोनों मैच क्लासिकल फॉर्मेट में खेले गए, लेकिन टाईब्रेक रैपिड फॉर्मेट में खेला जाना था। इस फॉर्मेट में 38 साल की कोनेरू को दिव्या की तुलना में ज्यादा मजबूत खिलाड़ी माना जा रहा था। मगर सोमवार, 28 जुलाई को हुए टाईब्रेक मुकाबले में कहानी एक दम पलट गई। दिव्या ने अपनी दोगुनी उम्र की कोनेरू को उनके ही गेम में फंसाया और गलती के लिए मजबूर कर दिया। आखिरकार दिव्या ने टाईब्रेक में शानदार जीत दर्ज करते हुए

खिताब अपने नाम कर लिया। सिर्फ 19 साल की उम्र में यह खिताब जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह भी एक संयोग ही है कि उन्होंने यह बड़ी उपलब्धि भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर को हराकर ही हासिल की है।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कहा, 'ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा।'

पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

गांगुली एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेले जाने के समर्थन में उतरे

कोलकाता (एजेंसी)। एक ओर जहां पहलगाम आतंकी हमले के बाद क्रिकेट प्रशंसक भारतीय टीम के पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में मैच खेलने का विरोध कर रहे हैं। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि मैच होने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का 14 सितंबर को आमने-सामने होंगे। गांगुली ने कहा कि खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम जैसी घटना नहीं होनी चाहिए थी पर खेल में बाधा नहीं आनी चाहिये। आतंकवाद को रोका जाना चाहिये। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार आतंकवाद रोकने के लिए पूरी

ताकत से प्रयास कर रही है। देश ने ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रुख अपनाया है पर खेलों को रोकना ठीक नहीं हैं।'

वहीं गांगुली के इस बयान की आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से हमारे देश में लोगों की जान जा रही है तक उससे कैसे खेला जा सकता है। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों और लोगों ने सोशल मीडिया पर गांगुली से यह पूछ है कि क्रिकेट मैच को पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सामान्य करने का जरिया किस कारण से माना जाना चाहिए जबकि उसकी ओर से लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं ? वहीं गत दिवस ही पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरउद्दीन ने कहा था कि एशिया कप में पाक के साथ नहीं खेला जाना चाहिये। हाल में भारतीय रिटारर्ड क्रिकेटरों ने भी पाकिस्तान के साथ लंदन में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दिया था।

ऋषभ ने टीम को दिया संदेश, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराबरी पर लायें

मैनचेस्टर ।भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा है कि वे अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करें।अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है।पैर में फैक्चर के कारण ऋषभ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गये हैं।भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान ऋषभ ने दाहिने पैर में फैक्चर के बाद भी जबरदस्त बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया था।वह तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की यॉर्कर पर चोटिल हुए थे।चोट के कारण वह रिटायर हो गये थ पर जरुरत पड़ने पर दोबारा मैदान पर उतरे।अंतिम दिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच बराबरी पर ला दिया।कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों और केएल राहुल की जुझारू 90 रनों की पारी की बदौलत मेजबान इंग्लैंड को ड्रॉ के लिए मजबूर कर दिया।मैच के बाद ऋषभ ने एक वीडियो में कहा, यह मेरी तरफ से बस एक छोटा-सा भाव था।व्यक्तिगत लक्ष्य के बारे में सोचने के बजाय, टीम को जीत दिलाने या आगे बढ़ाने के लिए, जो कुछ भी करना पड़े करना चाहिये।उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से सभी ने मेरा समर्थन किया, वह वाकई शानदार था।टीम पर दबाव था, हालात कठिन थे, लेकिन जब पूरा देश एक ही उद्देश्य के लिए आपके साथ खड़ा हो जाता है, तो वह अहसास कुछ अलग ही होता है।इस भावना को शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं कितना गर्व महसूस करता हूं।मैं अपनी टीम को बस यही संदेश देना चाहता हूं कि दोस्तों, चलो इस सीरीज को जीतते हैं।चलो, हमें देश के लिए ऐसा करना है।वहीं इस बल्लेबाज की सराहना करते हुए हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, जो ऋषभ ने टीम के लिए किया है, वही जज्बा मौजूदा टेस्ट टीम का आधार होगा।

इंडिया चैम्पियंस हार के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर हुई

लंदन।यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया।इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है।वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है।इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये।इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये।मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए।वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये।हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए।चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए।दूसरी ओर पवन नेगी ने 4 ओवर में 62 और विनय कुमार ने 4 ओवर में 54 रन दिये।इसके बाद जीत के लिए मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया चैम्पियंस 8 विकेट पर 200 रन ही बना पाये।

पहले की अपेक्षा आज के दौर में बल्लेबाजी आसान हुई : पीटरसन

लंदन।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का कहना है कि आज के दौर में बड़े स्कोर बनाना पहले से काफी आसान हो गया है। इसलिए भी खिलाड़ी आसानी से नये रिकार्ड बना रहे हैं।पीटरसन के अनुसार ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली टीमों के पास पहले जैसे घातक गेंदबाज नहीं हैं।इससे मुकाबले बल्लेबाजों की ओर झुक गये हैं।पीटरसन के इस बयान से एक नई बहस शुरु हो सकती है।इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की

सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद पीटरसन का ये बयान आया है।अब तक दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग थे।इसी को लेकर पीटरसन ने सोशल मीडिया में कहा, 'मेरी बात पर नाराज न हों पर ये सही है कि आजकल बल्लेबाजी करना 20 से 25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। पहले के दौर में खौफनाक गेंदबाजों के कारण बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना कठिन था।पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी-20 मैच खेले।उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए।पीटरसन ने अपने जमाने के कई गेंदबाजों के नाम लिए और पूछा है कि आज इनके स्तर का कोई भी गेंदबाज किसी भी टीम के पास है क्या ? साथ ही कहा कि अगर है तो वे केवल 10 गेंदबाजों के नाम बताएं जिनकी तुलना पहले के गेंदबाजों से की जा सकते। उन्होंने कहा, 'वकार यूनुस, शोएब अख्तर, वसीम अकरम, सकलेन मुश्ताक, अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह, डोनाल्ड, शॉन पोलाक, मैक मैक्ग्रा, बैट ली, शेन वार्न, डेनियल विटोरी व कर्टली एंबोस जैसे गेंदबाजों को सामना करना बेहद कठिन होता था।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज : पोंटिंग

मैनचेस्टर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरुआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा।

पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

पोंटिंग ने भारतीय प्रबंधन से अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जैसे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स

और कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और ओली पोप प्रमुख उदाहरण हैं। अपनी असंगतियों और अक्सर खराब फॉर्म के बावजूद वे सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के रूप में टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप उन पर भरोसा करते हैं और उनका समर्थन करते रहेंगे, तो वे किसी न किसी मोड़ पर आपके लिए बड़ी, मैच विजेता पारियां जरूर खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों पर खेलने के लिए तैयार रहें इंग्लैंड के बल्लेबाज : स्मिथ

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज आजकल घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर उन्हें आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में हालात बिलकुल अलग होंगे।स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज अभी सपाट पिचों पर बड़े स्कोर बनाकर खुश हो रहे हैं पर ये उनके लिए अच्छा नहीं होगा। साथ ही कहा कि बल्लेबाजों को अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया में ऐसी पिचें नहीं मिलेंगी।स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार साल के दौरान देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए विकेट काफी कठिन रहे हैं।यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी पर यह एक शानदार सीरीज होने वाली है।एशेज की तैयारी कर रहे स्मिथ इंग्लैंड-भारत सीरीज पर भी नजर रख रहे हैं।उन्होंने कहा, मैं भारत और इंग्लैंड की सीरीज देख रहा हूं और वहां शानदार क्रिकेट खेला गया है, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है।स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर अंकुश लगाते हुए दर्शकों का मनोरंजन करने की जगह पर अब मैच जीतने पर ज्यादा ध्यान देना शुरु कर दिया है।इस क्रिकेटर ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने हालातों के हिसाब से खेलना शुरू कर दिया है जबकि पहले वे आक्रामक खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते थे।वे अब मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जो शायद उनकी पिछली टिप्पणियों से अलग है।ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेल रही है पर स्मिथ, जो आगामी हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर की कप्तानी करेंगे अभी इंग्लैंड में ही हैं।हालांकि उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक टी20 प्रारूप में खेलते रहेंगे जिससे कि ओलंपिक में भागीदारी कर सकें।स्मिथ ने कहा, मैंने एकदिवसीय क्रिकेट खेलना बंद करने का फैसला किया जिससे मैं और अधिक फेंचाइजी के लिए खेल सकूं और ओलंपिक टीम में जगह बना सकूं।

गंभीर , बोले इंग्लैंड के खिलाड़ी शतक के करीब होने तो भी ड्रॉ की पेशकश करते यही करते स्टोक्स?

मैनचेस्ट ।भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच के अंतिम दिन भारतीय बल्लेबाजों रवींद्रे जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को ड्रॉ का प्रस्ताव देने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की आलोचना की है।गंभीर ने कहा कि अगर मेजबान टीम का कोई बल्लेबाज शतक के करीब होता तो क्या स्टोक्स मैच समय से पहले समाप्त करने (ड्रॉ) के लिए तैयार होते। स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को आउट करने में असफल रहने पर मैच ड्रॉ कराने का प्रस्ताव रखा।इसे भारतीय बल्लेबाज ने ठुकरा दिया जिससे मामले में विवाद हो गया।गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने करारा जवाब दिया।स्टोक्स ने मैच को ड्रॉ करने का प्रस्ताव दिया उस समय 15 ओवर शेष थे।रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर अपने शतक के करीब थे और इसी कारण भारत ने ड्रॉ की पेशकश ठुकरा दी।जडेजा और सुंदर दोनों ने शतक बनाए।गंभीर ने ड्रॉ न लेने के फैसले का पूरी तरह समर्थन करते हुए कहा कि क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के शतक के करीब होने पर भी समय से पहले ड्रॉ का फैसला लेता।गंभीर ने कहा, 卐अगर कोई 90 पर बल्लेबाजी कर रहा है और दूसरा 85 पर हो तो क्या वे अपने शतक के अधिकारी नहीं हैं? क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के इसके करीब होने पर मैदान छोड़ देता? नहीं हमारे खिलाड़ियों ने विपरीत हालात में बल्लेबाज कर ये शतक लगाये हैं।

'उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है', शुभमन गिल की कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को गौतम गंभीर की दो टूक

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद कप्तान शुभमन गिल का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने उन आलोचकों को आड़े हाथों लिया है, जो गिल की कप्तानी और मानसिक ताकत पर सवाल उठा रहे थे। गंभीर का कहना है कि गिल में अपार प्रतिभा है और वो लगातार खुद को साबित कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल का शानदार शतक

मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। कप्तान शुभमन गिल ने जबरदस्त शतक लगाया, जिसने भारत को मैच ड्रॉ कराने की दिशा में मजबूत कर दिया। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने भी शतक जड़ते हुए टीम को संकट से निकाला।

आलोचकों को गंभीर का जवाब

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने कहा, 'शुभमन गिल की प्रतिभा पर कोई शक नहीं होना चाहिए। जो लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन जो लोग खेल को समझते हैं, वो पहले से जानते हैं कि गिल क्या कर सकते हैं।' गंभीर ने आगे कहा कि अगर गिल शतक नहीं भी बनाते, तो टीम उनके साथ खड़ी रहती। 'शुभमन को ड्रेसिंग रूम में हर किसी का समर्थन है। वो एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और कप्तानी का बोझ लेकर नहीं खेलते। जब वो क्रीज पर उतरते हैं, तो सिर्फ बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, कप्तान की नहीं।'

क्यों हुई गिल की आलोचना?

दरअसल, इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रनों की बड़ी बढ़त ली थी। इस दौरान गिल के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए। उन्होंने अनुभवी मोहम्मद सिराज की जगह डेब्यू कर रहे अंशुल कम्बोज को नई गेंद सौंपी। साथ ही वॉशिंगटन सुंदर को काफी देर बाद गेंदबाजी पर लगाया, जब तक इंग्लैंड के टॉप बल्लेबाज रन बना चुके थे।

रिकॉर्ड पर बनाया गिल ने इतिहास

शुभमन गिल इस सीरीज में अब तक तीन शतक लगा चुके हैं। वह इंग्लैंड की सरज़मीं पर एक टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उनका यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ कप्तान ही नहीं, बल्कि शानदार बल्लेबाज भी हैं।

सीरीज में भारत अब भी पीछे

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद इंग्लैंड अब भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 31 जुलाई से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। अगर भारत यह टेस्ट जीतता है, तो सीरीज 2-2 से बराबर होगी, वरना इंग्लैंड सीरीज जीत जाएगा।

स्टोक्स ने की थी जडेजा से मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर ।यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया।इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही।इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरुआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया।जिससे मेजबान टीम और भी झल्ला गयी।

लुधियाना में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप नहर में गिरी, 4 की मौत, कई लापता

- नैना देवी के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना जिले में देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें हिमाचल प्रदेश के माता नैना देवी मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी महिंद्रा पिकअप गाड़ी जगेड़ा नहर पुल के पास असंतुलित होकर नहर में जा गिरी। इस हादसे में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 से 4 लोग अभी भी लापता हैं। पिकअप में लगभग 24 से 26 लोग सवार थे, जो लुधियाना के मानकवाल गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि गाड़ी ओवरलोड थी और एक वाहन को ओवरटेक करते समय गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह सीधे नहर में गिर गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मदद के लिए आवाज लगाई और रेस्क्यू टीमों को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासन की टीमों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। अब तक करीब 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा और प्रशासन ने बचाव कार्यों को तेजी से अंजाम देने के लिए टीमों को अलर्ट पर रखा है। हादसे में घायल हुए कई लोग हुसैनपुरा गांव के निवासी हैं, जिनमें सरबजीत कौर, सुरिंदर सिंह, जसविंदर कौर, स्वर्णजीत कौर, भाग सिंह, काका सिंह, कमलजीत कौर और संदीप कुमार शामिल हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान जरनैल सिंह (52), मंजीत कौर (58), सुखमन कौर (डेढ़ साल) और आकाशदीप सिंह (8 वर्ष) के रूप में हुई है। शवों को रात लगभग 2 बजे लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायतार्थ हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

अमरनाथ यात्रा : 1,635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी रवाना

-अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। । 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। सोमवार को 1635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर में दशनामी अखाड़ा भवन के अंदर श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह हुआ। अधिकारियों ने बताया कि छड़ी पूजन 29 अगस्त को नाग पंचमी के दिन इसी मंदिर में मनाया जाएगा। वहीं, छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा 4 अगस्त को पवित्र गुफा से शुरू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि सोमवार को 1,635 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू से रवाना हुआ। 17 वाहनों का पहला काफिला 374 यात्रियों को लेकर सुबह 3.25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 42 वाहनों का दूसरा काफिला 1,261 यात्रियों को लेकर सुबह 4 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। अमरनाथ यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन का दिन है।

धरहरा में जन सुराज की 439वीं सभा, युवाओं ने उठाए शिक्षा-पलायन जैसे अहम मुद्दे

धरहरा(मुंगेर)। जनसूराजी सिपाही ऋतुराज बसंत,प्रशांत किशोर के निदेर्शों पर जमालपुर विधानसभा में लगातार छोटे बड़े सभा का आयोजन कर रहे हैं, अपनी 439वि सभा का आयोजन धरारा प्रखंड के इटवा पंचायत के पचरुखी गांव में हुआ इस सभा में युवाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया,युवा और महिलाओं की शक्ति को बिहार का भविष्य तैयार करने की कुंजी बताई गई, पलायन,भ्रष्टाचार,शिक्षा जैसे अहम मुद्दों पर युवाओं ने जमालपुर विधानसभा के संभावित प्रत्याशी ऋतुराज बसंत से घंटे भर चर्चा की और डटकर साथ देने का भरोसा भी दिलाया। संभावित प्रत्याशी ऋतुराज बसंत ने अपने बयान में कहा जमालपुर विधानसभा का चुनाव तिकोना हो चुका है क्योंकि यहां की जनता खास तौर पर युवा अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेवारी को समझते हुए सामूहिक प्रयास कर रहे हैं, अगस्त महीने के पहले हफ्ते में प्रशांत किशोर जमालपुर विधानसभा का दौरा करने वाले हैं जिसकी जिम्मेदारी यहां के युवा उठा रहे हैं आगामी 1 महीने के भीतर पूरा क्षेत्र जन सुराज मय हो जाएगा।

भाजपा ने विधानसभा कार्यशाला का किया आयोजन

धरहरा(मुंगेर)। भाजपा धरहरा दक्षिणी मंडल द्वारा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बुथ शक्तिकरण को लेकर सारोबाग स्थित निजी सभागार में मंडल अध्यक्ष चंद्रचूड़ साक्षी की अध्यक्षता में विधानसभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला की शुरूआत वंदे मातरम गीत व द्वीप प्रचलित कर किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रभारी राजेश झा उर्फ राजू झा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण पौदार व विधान पार्षद लालमोहन गुप्ता थे। आयोजित कार्यशाला में मौके पर जमालपुर विधानसभा पभारी प्राण रंजन विकास,भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्यूटी विश्वास,विधानसभा संयोजक कर्नल अरुण कुमार सिंह, जमालपुर विधानसभा विस्तारक सिंटू राज,मीडिया सेल रितेश रंजन,आईटीसी राजस्थान के रोहित कुमार,जिला महामंत्री राजेश सिंह राजू,धरहरा उत्तरी मंडल अध्यक्ष प्रीतम साह अर्पित राज व सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कौन होगा नया उपराष्ट्रपति, एनडीए-इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार को लेकर कर रहे मंथन

–राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदारों में, चुनाव आयोग ने शुरु की प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को जल्द ही नया उपराष्ट्रपति मिलने वाला है और इसके लिए सियासी हलचल तेज हो गई है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही अपने-अपने उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप दे रहे हैं। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है और राज्यसभा के महासचिव को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी अपने संगठन से जुड़े किसी अनुभवी और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध चेहरे को उम्मीदवार बना सकती है। इसके लिए साथी दलों की सहमति भी ली जाएगी। ओबीसी समुदाय से आने वाले किसी नेता का नाम चर्चा में है, तो वहीं जेडीयू से राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदार माने जाते हैं। उनके सरकार से अच्छे संबंध हैं। बीजेपी ने हमेशा इन पदों के लिए चौंकाने वाले नाम दिए हैं।

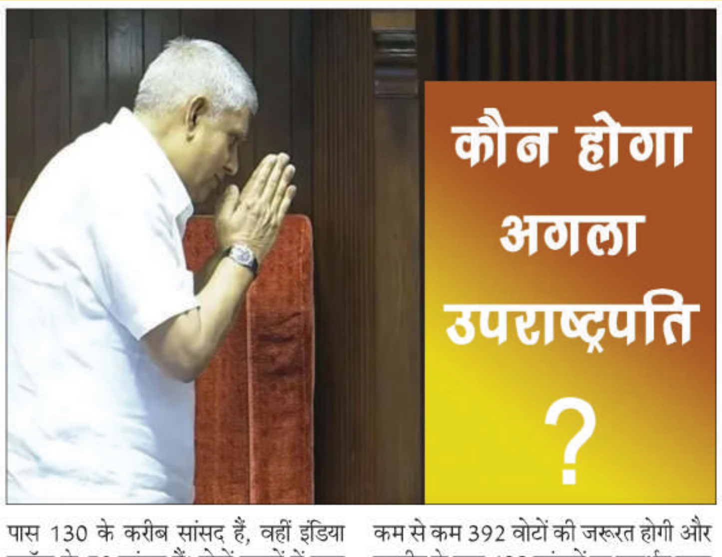

बता दें लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है, जबकि इंडिया ब्लॉक के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में एनडीए के पास 130 के करीब सांसद हैं, वहीं इंडिया ब्लॉक के 79 सांसद हैं। दोनों सदनों में कुल सदस्य संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद के लिए कम से कम 392 वोटों की जरूरत होगी और एनडीए के पास 423 सांसदों का समर्थन माना जा रहा है। ऐसे में एनडीए के उम्मीदवार का उपराष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है।

एनडीए के पास साफ बहुमत है, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन ने साफ कर दिया है कि वे इस चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार उतारेंगे, ताकि राजनीतिक संदेश दिया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों कहा था कि इंडिया ब्लॉक की बैठक जल्द होगी और सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष का मानना है कि संख्या पूरी तरह उनके खिलाफ नहीं है और उन्हें मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए। बता दें पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर कहा कि वे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और डॉक्टरों की सलाह मानने के लिए इस्तीफा दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ राज्यसभा के सभापति भी थे, इसलिए इस पद की खाली जगह को भरना संसदीय कार्यप्रणाली के लिहाज से बेहद जरुरी है।

योगी आदित्यनाथ के नाम रिकॉर्ड, यूपी के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री पद पर रहकर रचा इतिहास

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए राज्य के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत का आठ वर्ष 127 दिन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब तक आठ वर्ष चार माह और 10 दिन का प्रभावी कार्यकाल पूरा कर लिया है। इससे पहले

मुलायम सिंह यादव छह वर्ष 274 दिन, संपूर्णानंद पांच वर्ष 345 दिन,अखिलेश यादव पांच वर्ष चार दिन और नारायण दत्त तिवारी तीन वर्ष 314 दिन मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे हैं। भाजपा का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का यह कार्यकाल न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक है, बल्कि शासन के प्रत्येक क्षेत्र में सुधार, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास की गति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने वाला कालखंड भी है। अपराध और अराजकता से जूझते यूपी को मुख्यमंत्री योगी ने 'नए उत्तर प्रदेश' में बदलने का काम किया, जहां कानून का राज सर्वोपरि है और शासन व्यवस्था सुशासन का पर्याय बन चुकी है। विगत आठ वर्षों में योगी सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। गोरखपुर से एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई मेगा प्रोजेक्ट्स इसके उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

महुआ मोइत्रा मामले में सीबीआई ने लोकपाल को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने लोकसभा में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से जुड़े पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के कथित मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी जानकारी देकर बताया कि सीबीआई ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बीते साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

महुआ पर भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने और हीरानंदानी से रिश्वत व अन्य अनुचित लाभ लेकर 'अपने संसदीय विशेषाधिकारों से समझौता करने का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने लोकसभा सदस्य होने के नाते मिली लॉगिन आईडी और पासवर्ड शेयर करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने मामले में अपनी जांच के निष्कर्ष लोकपाल को सौंप दिए हैं, जो आगे की कार्रवाई तय करेगा।

बात दें कि मोइत्रा बीते लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से जीती थीं। दिसंबर 2023 में उन्हें 'अनैतिक आचरण के आरोप में सदन से निष्कासित किया था। महुआ ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लोकपाल ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की ओर से मोइत्रा पर लगे आरोपों की प्रारंभिक जांच के आधार पर सीबीआई को निर्देश जारी किए। बीजेपी सांसद दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कैश और गिफ्ट लेकर संसद में सवाल पूछे थे।

आयोग के ताजा आंकड़ों ने चौंकाया- बड़ी संख्या में घट सकती है मतदाताओं की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या आमतौर पर बढ़ती रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 1977 के बाद से हुए सभी विधानसभा चुनावों (2000 में झारखंड बनने के बाद बिहार की बची विधानसभा सीटों के आधार पर) और 2004 के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों (झारखंड बनने के बाद पहला लोकसभा चुनाव) के आंकड़ों की जांच की। इस दौरान हर लगातार चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी, सिवाय 2005 के फरवरी और अक्टूबर विधानसभा चुनावों के बीच, जब मतदाताओं की संख्या 52.7 मिलियन से घटकर 51.3 मिलियन (2.5 प्रतिशत की कमी) हो गई।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (सर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तरह बिहार में मतदाताओं की संख्या में स्पष्ट कमी आई है। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होनी है। 2005 में हुए दो विधानसभा चुनावों के बाद से पहली बार कमी आई है।

बिहार जैसे उच्च प्रजनन दर वाले राज्य में मतदाताओं की संख्या में कमी आना 2005 में भी हैरान करने वाला था, जब 2003 के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दो साल बाद और लोकसभा चुनाव के बाद यह कमी देखी गई। बिहार की उच्च प्रजनन दर के कारण 2001 से 2011 की जनगणना के बीच राज्य में वयस्कों की संख्या 28.5 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, इस दौरान राज्य से पलायन की दर भी तेज हुई। 2025 में अब तक के एसआईआर में देखी गई मतदाताओं की संख्या में कमी को अभी सुधारने का समय है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्ति की अवधि में मतदाताओं को फिर से सूची में जोड़ा जा सकता है। साथ ही, जो युवा 1 अक्टूबर तक 18 साल के हो जाएंगे, उन्हें भी इस दौरान मतदाता सूची में शामिल किया जा सकता है। इससे आंकड़ों में थोड़ा बदलवा हो सकता है। 2005 का रुझान दिखाता है कि बिहार में मतदाताओं की संख्या में कमी आना असंभव नहीं है। लेकिन, अगर 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2020 के विधानसभा चुनाव (73.6 मिलियन) या 2024 के लोकसभा चुनाव (77.3 मिलियन) से कम रहती है, तो यह बिहार में दुर्लभ घटना होगी। 24 जून को 78.9 मिलियन मतदाताओं से 27 जुलाई को 72.4 मिलियन तक 8 प्रतिशत की कमी, 2005 में फरवरी से अक्टूबर के बीच 2.5 प्रतिशत की कमी से भी बड़ी और तेज गिरावट है, जो एक साल से कम समय में हुई।

सपा प्रमुख का सवाल: आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

-एशिया कप में भारत-पाक क्रिकेट मैच होने पर विदेश नीति की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले, भारत की विदेश नीति और यूवी की योगी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए आतंकवाद, विदेश नीति की असफलता और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों पर बात की। चिंदबरम के बयान पर अखिलेश ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार से जवाब मांगा और कहा कि इस हमले में शामिल आतंकियों की सटीक जानकारी जनता को नहीं दी गई। अखिलेश ने पूछा कि पिछले हमलों में शहीद हुए जवानों के बारे में भी पूरी जानकारी क्यों नहीं दी गई? आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

पहलगाम हमले के बाद भारत ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ सभी रिश्ते खत्म हो जाएंगे, लेकिन एशिया कप में दोनों देशों के बीच फिर से क्रिकेट मैच होने पर अखिलेश ने विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी विदेश नीति असफल रही हैं। भारत का सम्मान कई देश करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कोई हमारे साथ खड़ा नहीं होता है। उन्होंने चीन के साथ व्यापार पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत चीन को इतना व्यापार दे रहा है, फिर भी हमारी सीमाओं पर खतरा बरकरार है। सरकार को 10 साल का कार्यक्रम बनाना चाहिए, जिसमें चीन का सामान भारत में न आए। जैसे नोटबंदी और कोविड में थाली बजाने जैसे अभियान चले, वैसे ही स्वदेशी को बढ़ावा देने का अभियान चले।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कोई उपलब्धि नहीं है। अगर काम न करने का रिकॉर्ड बनता, तो सीएम योगी पहले नंबर पर होते। उन्होंने डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लखनऊ से दिल्ली तक कोई सुरंग खोद रहा है, लेकिन जनता को इसका पता नहीं। विकास के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है। अखिलेश ने जनता से जागरूक रहने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने की अपील की।

कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की... 2024 से जुलाई 2025 के बीच

हवेरी जिला में सबसे ज्यादा 128 किसानों ने की आत्महत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का संकट थम नहीं रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 से जुलाई 2025 के बीच कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की। 1 साल 4 महीने के वक्त में इतनी खुदकुशी किसानों की दयनीय स्थिति को दिखाती है। यह स्थिति राज्य में कृषि संकट और अपर्याप्त समर्थन की गंभीर तस्वीर बंया करती है। हवेरी जिला इस सूची में सबसे शीर्ष है, जहां अब तक 128 किसानों ने आत्महत्या की। इसके बाद मैसूरु (73), धारवाड़ (72), और बेलगावी (71) का नंबर आता है। वहीं, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी, और कोलार जिलों में कोई भी किसान आत्महत्या दर्ज नहीं हुई।

अन्य जिलों में हासन (47), बीदर (45), शिवमोग्गा (45), गदग (44), यदगिर (43), दावणगेरे (42), चिक्कमगलूरु (39), मांड्या (39), बागलकोट (35), चित्रदुर्गा (34), विजयपुरा (27), रायचूर (25), कोप्पल (25), तुमकुरु (17), उत्तर कन्नड़ (14), दक्षिण कन्नड़ (1), कोडगु (1), बल्लारी (1), और चामराजनगर (1) में आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

कर्नाटक सरकार ने 807 प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया है, लेकिन 18 मामलों में राहत अभी भी लंबित है। किसानों की आत्महत्या के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, जैसे कर्ज का बोझ, फसल की विफलता, कम आय, और बाजार तक पहुंच की कमी। इसके अलावा कर्नाटक में बार-बार सूखा, अनियमित बारिश, और महंगे कृषि निवेश ने किसानों को आर्थिक तंगी में धकेला है। हालांकि कर्नाटक सरकार ने समय-समय पर कर्ज माफी, बीज और उर्वरक सब्सिडी दी है। सरकार की ओर से गठित समितियों और राहत पैकेज के बावजूद, आत्महत्याओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। किसान संगठनों और विपक्षी दलों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि किसानों को उचित फसल मूल्य, ऋण राहत और बेहतर सिंचाई सुविधाएं प्रदान की जाएं।

गुजरात में केजरीवाल और बिहार में प्रशांत राजनीति में एक ही राह पर

–दोनों ने ही बीते उपचुनावों में अपने प्रतिद्वंदियों को दिखा दी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता अरविंद केजरीवाल और जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर राजनीति में एक ही राह पर हैं। दोनों की राजनीतिक गतिविधियों को देखकर लगता है, दोनों ने इलाका अलग-अलग चुना है। अरविंद केजरीवाल गुजरात में सक्रिय हैं, तो प्रशांत बिहार में जन सुराज मुहिम चला रहे हैं। केजरीवाल और प्रशांत में एक और कॉमन बात है, दोनों ही बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। केजरीवाल ने अभी गुजरात में आम आदमी पार्टी के चुनावी एक्शन प्लान के बारे में कुछ नहीं बताया। अपनी सरकार बनाने का दावा तो हर पार्टी चुनावों में करती है, प्रशांत भी कर रहे हैं। केजरीवाल तो 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में ही ऐसा दावा कर चुके हैं। केजरीवाल और प्रशांत दोनों ने बीते उपचुनावों में अपनी अहमियत तो दर्ज कराई दी है और इसलिए उनके दावों को सीधे सीधे खारिज भी नहीं किया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने तो अभी गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत दिलाई और 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी को पहली बार में ही 10 फीसदी वोट दिलाकर प्रशांत ने भी सबका ध्यान खींचा है। गुजरात की विसावदर सीट और पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव उस दौर में हुआ, जब केजरीवाल दिल्ली चुनाव में पार्टी की हार से अंदर तक हिल चुके थे। शायद दिल्ली शराब घोटाले में जेल भेजे जाने से भी ये बड़ा झटका था, लेकिन केजरीवाल ने आगे का सफर ऐसे प्लान किया जैसे गूगल मैप गलत टर्न ले लेने पर री-रूट करने के बाद नया रास्ता बना देता है और नया रास्ता केजरीवाल को उस पड़ाव तक तो पहुंचा ही दिया, जहां वह पहुंचना चाहते थे।

विसावदर और लुधियाना वेस्ट की जीत ने केजरीवाल में जोश भर दिया है और वह उत्साह के साथ गुजरात के चुनावी मैदान में कूद चुके हैं, जबकि चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं। सवाल है कि आने वाले गुजरात चुनाव में केजरीवाल को क्या हासिल होने वाला है? विसावदर की जीत, ऐसी बातें समझने का आधार तो हो सकती है, लेकिन मॉडल नहीं। विसावदर में जाहिर है, आप ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को शिकस्त दी है, लेकिन ये भी नहीं भूलना चाहिये कि उन्हीं मानदंडों की मिसाल है, जो अरविंद केजरीवाल की कामयाबी का फॉर्मूला है। बता दें विसावदर भी आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस के हिस्से में ही थी। बीजेपी तो जीत के लिए पहले से ही जूझ रही है।

गुजरात में केजरीवाल का रोल तो वोटकटवा जैसा ही है, और बिहार में वैसा ही प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी करने वाली है। गुजरात में तो साफ है कि केजरीवाल कांग्रेस का ही वोट काटेंगे और बीजेपी को उसका फायदा मिलेगा। नए सिरे से देखें तो जो व्यवहार दिल्ली में कांग्रेस ने आपप के साथ किया, बिल्कुल वैसा ही और फायदा बीजेपी को मिलना तय है, जिस रास्ते प्रशांत किशोर का कैंपेन चल

रहा है, उससे तो यही लगता है कि आरजेडी और कांग्रेस के साथ-साथ प्रशांत के उम्मीदवार नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को भी नुकसान पहुंचाएंगे। जैसे 2020 में चिराग पासवान ने डैमेज किया था। चिराग का निशाना साफ नजर आ रहा था, प्रशांत का छिपा हुआ एजेंडा है। ऊपर से चिराग और प्रशांत दोनों ही एक-दूसरे की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। कुछ न कुछ तो अंदर ही अंदर पक रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902